

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 34]

नई विस्सी, शनिवार, अगस्त 21, 1982 (श्रावण 30, 1904)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 21, 1982 (SRAVANA 30, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-- चण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई षिरुली-110011, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० ए० 12025/4/78-प्रणा० II—मध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्द्वारा श्री भदन लाल (ग्र० जा०) को 5-7-1982 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेणों तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियक्त करने हैं।

> य० रा० गांधी, ग्रवर सचिव (प्रशा०)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/2/81-प्रशा० II—श्रध्यक्ष. संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 1-5-81 से संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर स्थाई रूप से नियक्त करने हैं:---

- 1. श्री जें के खन्ना
- 2. श्री जैन० ई० शेख

कुलदीप कुमार, श्रनुभाग ग्रधिकारी, कसे ग्रध्यक्ष गृह मंदालय का० एवं प्रा० सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण डयूरो

नई दिस्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० एस०/39/65-प्रणा०-5--भारतीय तेल निगम, पिष्टिमी क्षेत्र, बम्बई से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एस० मेशाद्री, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 7 जून, 1982 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार अहण कर लिया।

आग्० एस० नागपाल प्रणासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० श्रां० दो० ± 575/81-स्थापना—सहानिदेशक किन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नै डा० (कुमारी) साधना गुप्ता को 6-7-1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 29 जुलाई 1982

सं० भ्रो० दो०-991/73-स्थापना—-श्री बृज लाल ने सरकारी सेवा रो निवृत होने के फलस्वस्प उप पुलिस श्रधी-क्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 20-7-82 (भ्रपराह्न) को त्याग दिया

सं० भ्रो० दो०-1763/82-स्थापना—-राष्ट्रपति जी श्री शिव मोहन सिंह, मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रिधकारी को के० रि० पु० वल में उनकी प्रति-नियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्ति करते हैं।

2. श्री शिव मोहन सिंह ने के रि० पु० बल के महानिरीक्षक (हैडक्वाटर) महानिदेणालय, के रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 12-7-82 के पूर्वाह्न से संभाला ।

दिनांक 31 जलाई 1982 👁

सं० श्रो० दो०-13/74-स्थापना—श्री एम० एम० बावा, भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारी ने हरियाणा राज्य हैमें प्रत्या-वर्तन के फलस्वरूप 14-5-82 को पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उपनिदेणक (स्थापना) महानिदेणालय, के० रि० पु० बल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ा

2. इनको 36 दिन का श्रिजित श्रवकाश दिनांक 14-5-82 से 19-6-82 साथ में रिववार दिनांक 20-6-82 दिया गया तथा उनको कहा गया कि छुट्टी के बाद वह महानिरीक्षक हरियाणा, खंडीगढ़ को रिपोर्ट करेंगे।

दिनांक २ ग्रगस्त 1982

सं० श्रो० दो० 1613/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने किनिष्ट चिकित्सा श्रिधिकारी (जी० डी० ग्रो० ग्रेड II) डा० के० णिव प्रसाद, 69 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदराबाद को केन्द्रीय सिविल नेवा (ग्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के ग्रनुसार एक माम के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 16 जुलाई 1982 के पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

ए० के० सूरी, सहायक निदेशक(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रीधोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 जुलाई 1982

सं० ई-32015/1/(1)80- कार्मिक—पुर्नेतियुक्ति की स्वीकृत अवधि के समाप्त होने पर श्री बलराज मेहता ने 18 जून, 1982 के अपराह्म से के० ग्री० मु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली के उपमहानिरीक्षक (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-16013(2)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री एल० डेविड श्राई० पी० एस० (ए० एण्ड एम० 67) ने 1 मई, 1982 के पूर्वाह्न से के० श्रो० मु० ब० यूनिट वी०पी० टी० विशाखापटनम के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-16013(2)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, श्री एस० के० वर्मा, श्राई० पी० एस० (पंजाब : 67) ने 19 मई, 1982 के पूर्वाह्न से के० ग्री० मु० ब० यूनिट, ग्राई० ग्री० सी० बरौनी के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/82-कार्मिक—राष्ट्रपति श्री श्रार० एन० रे को, तदर्थ ग्राधार पर प्रोन्नत करके, 28 मई, 1982 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० पी टी० विशाखापत्तनमः के सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं

दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० ई०-16014(3)/9/73-कार्मिक---तिमलनाडु राज्य पुलिस को प्रत्यावितित होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णन निम्बयार ने 31 मई. 1982 के अपराह्न से के० भ्रौ० मु० ब० न्यू यूनिट मंगलीर पोर्ट ट्रस्ट, मंगलीर के सहायक कमां- डेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-16013(2)/2/79-कार्मिक—-अपने मूल संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर, श्रीडी० चन्द्र मोहन, ग्राई० पी० एस० (मध्य प्रदेश: 66) ने 26 मई, 1982 के ग्रप्टाह्म से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट एम० ए० पी० पी० कलपक्कम के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(2)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, बी पी० नैलवाल, भ्राई० पी० एस० (तिमलनाषु: 67) ने 21 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के 0ग्रो 0मू 0ब 0यूनिट बी ० श्राई० एल० भिलाई के कमां डेंट के पद का कार्यभार सम्भाग लिया ।

> मुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक/के० भ्रौ० सू० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० 10/57/79-प्रशा० — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 24 दिसम्बर, 1981 की समसंख्यांक ग्रिधिसूचना के प्रमुक्तम में विंग कमान्डर बी० बी० श्रदलखा (5731) की नई दिल्ली में भारन के गहापंजीकार के कार्यालय में निदेशक (इलेक्ट्रोनिक डाटा प्रोसेसिंग) के पद पर प्रति-नियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा पूर्णतः श्रस्थायी श्रौर तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को 31 श्रगस्त, 1982

तक की और प्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, इनमें जो भी ग्रवधि कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं

2. विंग कमांडर श्रदलखाका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

सं० 11/123/79-प्रणा०- I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक के पद पर कार्यरत, मध्य प्रदेश सिविल रोवा के निम्नलिखित ग्रधिकारियों की सेवाएं उनके नामों के सामने दिशत तारीखों से मध्य प्रदेश, भोपाल सरकार को प्रत्यावितित करते हैं।

सर्वश्री

1. দূৰত দূৰত বিৰাভী	19-4-82	(अपगाह्म)
2. ए० एन० तिवाडा	31-5-82	(ग्रपगह्न)
3. ब ि० पी० चंदाक	31-5-82	(श्रपराह्म)
4. यू० डं∶० मिश्रा	31-5-82	(प्रपशस्त्र)

2. श्री गांखे हा मुख्यालय पुणे में होगा ।

दिनांक 29 जुलाई 1982

सं० 11/10/78-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के श्रिधकारा श्रीर इस समय मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर जनगणना कार्य उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री मोहम्मद श्रवदुस सत्तार की सेवाएं, तारीख 20 जून, 1982 के श्रपराह्म सेमणिपुर इम्फाल सरकार की प्रत्यावितन करते हैं।

सं० 10/19/82-प्रणा-I----राष्ट्रपति, निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को उनके नामों के सामने दिशित कार्यालयों और तारीखों से एक वर्ष से ग्रनिधिक ग्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरे जाएें जो भी ग्रविध पहले हो, प्रतियिक्ति पर पूर्णतः ग्रस्थाई रूप से, तदर्थ ग्राधार पर, ग्रनुसंधान ग्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

क ० सं० ग्रधिकारी का नाम	 	पदनाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत हैं	नियुक्ति की	तारीख
1 2	 	3	4	5	
सर्वश्री ॄे 1. जी० एस० पबला	•	सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)	जनगणना कार्य, निदेशक का कार्यालय पंजाब, चण्डीगढ़	27-6-82	(पूर्वाह्न)
2. घानन्द कुमार .		भ्रन्वेषक	भारत के महापंजीकार का कार्यालय	15-6-82	(पूर्वाह्न)

2. सर्वश्री जी० एस० पवला ग्रीर ग्रानन्द कुमार का मुख्यालय कमशः चण्डीगढ़ ग्रीर नई दिल्ला म होगा। दिनांक, 9 ग्रगस्त 1982 रत श्री के० के० मुहम्मद की सेवाऐ

सं० 10/27/80-प्रशा०-I—इस वार्यालय की तारीख 18 मार्च, 1982 की रामसंख्यक अधिसूचना के अनुश्रम में राष्ट्रपति, नई दिस्ली में भारत के मह पंजीकार के कथ्मिलय के उप निदेशक (आंकड़े संमाधन) श्री एस० एन० चतु-वेंदी का संयुक्त निदेशक (आंकड़े संमाधन) के पद पर तक्क्ष्में नियुक्ति की अवधि को तार ख 31 दिसम्बर, 1982 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भा अवधि पहले हो विद्यमान शर्तों के आधार पर, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय नई दिल्ला में होगा।

सं o 11/43/80-प्रशाo-I----राष्ट्रपति, केश्ल सिविल नेवा के प्रधिकारी ग्रीर जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में पुनर्नियोजन के श्राधार पर उप निदेशक के पद पर कार्य-

कमशः चण्डागढ़ आर नद्दावल्ला महागा। रत श्री के० के० मुहम्मद की सेवाएं तारीख 30 जून, 1982 के श्रपराह्म से समाप्त करते हैं।

> पी० पदमनाभ, भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० प्र० स्थापना/पा०/7/9-86/खण्ड-2/78---इस कार्यालय के निम्नलिखित अनुभाग प्रधिकाण्यों (लेखा परीक्षा एवं लेखा) को प्रत्येक के नाम के मामने लिखित धारीख से ग्रंगसे ग्रादेशों तक लेखा अधिकारियों के पद में स्थानापन्न

होने के लिए नियुक्त करने को	महालेखाकार (प्रथम)
केरल संतुष्ट हुए हैं।	
श्री श्रीमति	
1. के० शिवदास (सं० 1) .	13-7-82 श्रपराह्म
 डी० एस० तंकराज 	13-7-82 अपराह्न
 एल० रलनवल्ली 	13-7-82 ग्रपराह्न
4. पो० एम० तोमम .	14-7-82
5. के० वी० जीण (सं० 1)	1 4-7-82
 एं० ए० जोसफ (उपचारार्थ) 	1 4-7-82
7. जी ं० रामचन्द्रन पिल्ली (सं०	
1)	14-7-82
৪. के० श्रीधरन (सं० 2)	1 4-7-8 2
9. एलिसबन कोणेः (उपचारार्थ)	14-7-82
10. सी० आ४० श्रोधरन पिरूनै	15-7-82
11. जे० गोपिनाथ कुरुप (अप-	
चारार्ष)	15-7-82
12. के० एम० सैमण (उपचारार्थ)	15-7-82
13. एस० हस्हिस्स	15-7-82
14. के०वा० जीण (सं०2)	15-7-82
15. संर० मत्ताई (उथचायार्थ)	15-7-82
16. के० पशुपति .	14-7-82
	<u></u>

एस० गोपालकृष्णन, उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यलय महालेखाकार-मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० प्रशासन-एक लि० प्र० प्रमो / 156—महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई प्रनुभाग श्रधिकारियों को, स्थानापन लेखा ग्रधिकारो पद पर बेतनमान 840-401000-ई० वी०-40-1200 में उनके नाम के प्राणे वर्णाणे कार्यभार करने के दिनांक से पदोनत किया है।

कमांक	नाम	श्राबंटन	स्थायी क्रमांक	कार्यभार	दिनांक
1. v(1	र्वश्रीः नसिह गौ		02/998	14-7-82	
2 গি	व दयाल		02/1058	20-7-82	पूर्वाह्र
		-,	वरिष्ठ उ	मु ४ महालेखा क	० गुरुम्र्ति ।र/प्रशास

रक्षालेखा विभाग

कार्यालय. रक्षा लेखा महा नियंत्रक,

नई बिल्ली-110066, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० प्रशा०-1/1691/5/1 (पीं० सीं०-1)---भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक प्रधिकारी श्री बीं० के० बैनर्जी का प्रानी वार्धक्य निवर्तन की तिथि 30 सितम्बर 1985 तक 3000/-- रुपये प्रतिमाह के नियत वेतन (प्रथित प्रनुसूची 'सी' वेतनमान रुपये 2500-100-3000 का प्रधिकत्म) पर रक्षा मंत्रालय के प्रधीन 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड' कलकत्ता में निवेशक (वित्त) के रूप में तत्काल विलयन के प्राधार पर नियुक्ति केलिए चयन हो जाने के परिणामस्वरुप वे दिनांक 12 जुलाई 1982 प्रपराह्न से इस विभाग के संख्याबल पर नहीं रहे।

सं प्रशा 0-1/1700/5/1(पी० सी०-I)—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री बी० एन० रत्लन का रक्षा मंत्रालय के अर्धान रुपए 2500-3000 के वेतनमान में, मंजगांव डाक लिमिडेट, बस्बई में, निदेशक (वित्त) के रूप में तत्काल विलयन के आधार पर नियुक्ति के लिए चयन हो जाने के परिणामस्वरूप, वे दिनांक 2 जुलाई, 1982 अपराह्न से इस विभाग के संख्याबल पर नहीं रहे।

रिवन्द्र कुमार माथुर, रक्षा लेखा भ्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

नई विल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1982

संव प्रशाव/2806/82-1 वार्धंक्य निवर्तन की खायु प्राप्त कर लेने पर निम्निनिखित लेखा श्राधिकारियों की प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीखों के श्राराहन से पेंशन स्थापना की श्रन्तरित कर दिया गया :---

सर्वश्री 1. जे० डी० कोहली, पी० 276	स्थाई लेखा धधिकारी	30-4-82	रक्षा छेखा नियंत्रक, पश्चिमी
1 2	3	4	5
मं ०		पेंशन स्थापना को मंतरित किया गया ।	
क्रम नाम, रोस्टर संख्या महित	ग्रेड	तारी ख जिससे	संगठन

1	2	3	4	5
. स	वैश्री		·	
2. (एस० पी० सोनी, पी०/416	स्थाई लेखा श्रीधकारी	30-4-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, प रिचमी कमान, मेरठ
3. t	र ० एस०पाल, पी० /279	यथोपरि	31-5-82	लेखा नियंद्रक (फैक्ट्रीज) । कलकत्ता ।
4. ₹	भी० एल० मस् होत्ना, पी०/251 .	स्थानापञ्च लेखा ग्रधिकारी	30-4-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान,मेरठ।
5. ਬ	ीि० एम० वासे, पी०/431	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	30-4-82	रक्षा लेखा नियंद्रक (ग्रफसर) पूना।
6. T	र्म० एल० रिसबड़, भ्रो०/श्रभी नियत नही .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-4-82	् रक्षा लेखा नियंत्रक भ्रफसर, पूना।
7. ₹	पन्तराम स्यांल, पी० /44 6	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-4-82	् रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।
8. J	कुलबन्त सिंह बिन्द्रा, पी०/134	–यथोपरि–	30-4-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), बेहरादून ।
9. ব	ो० एम० कानेतकर, घ्रो०/ग्रभी नियत न हीं	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-4-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
10. 3	ी० गोपाल कृष्णन, पी०/188	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-4-82	–यथोपरि
11. वे	ा जी० वेंकटेश्वरन, पी०/304	यथोपरि	30-4-82	—ययोपरि—
12. व	स्तदेव किशन, पी००/396	–यथोपरि–	30-4-82	लेखा नियंद्रक ृ (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
13.	पुपेन्द्रलाल सेन गुप्ता, पी० / 527	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	30-4-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकसा।
14.	ि एम० गावस्कर,पी०/379	स्थायी लखा श्रधिकारी	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, <mark>दक्षिणी</mark> कमान, पूना ।
15. 8	ी० बी० एल० माथुर, ग्रो० /ग्रभी नियत नहीं	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ ।
16. f	बेशन दास नांगिया, पी०/183	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।
17. Q	स० एन० भल्ला, पी०/141	–यथोपरि–	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
18. d	ी० म्रार० सारंगपाणि, पी०/506 .	–यथोपरि	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक), दक्षिण, मद्रास
19. z	ो० सुन्दरा रामन, भ्रो०/49	यथोपरि	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ- सेना) बम्बई।
20. ਫ	लीपसिंह बेंबाली, पी०/546	–यथोपरि–	30-4-82	रक्षा [′] लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।
21.	ी० डी० गर्मा, पी०/430	–यथोपरि–	31-5-82	रक्षा रेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।
22. ಕ	ी० एस० रामामूर्ति, श्रो०/253	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	30-6-82	'–यथोपरि–
	गरुप सिंह श्रोबेराय, पी०/109		30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक), उत्तर, मेरठ ।
24. ₹	मिरीक सिंह बिन्द्रा	–यथोपरि–	30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून।
25. घ	र्मानम्ब, भ्रो०/भ्रभी नियत नहीं, .	स्थानापन्न लेखा श्रिष्ठकारी	30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ।

1	2		3	4	5
26	सर्वश्री वी० जी० रानाडे, पी०/541		स्थायी लेखा भधिकारी	30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर)
20.	410 410 (1116, 410) 341	•	रमाया रुखा भावनारा	30-6-62	पूना।
27.	करम सिंह म्रो०/म्रभी नियत नहीं		स्थानापन्त लेखा श्रधिकारी	30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ- सेना) बम्बई ।
28.	भार०पी० नांगिया श्रो०/123 .	•	–यथोपरि	31-5-82	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ।
29.	ज्ञान चन्द, भ्रो०/262 .	•	स्थानापन्न लेखा म्रधिकारी	30-6-82	रक्षा लेखानियंत्रक मध्य कम मेरठ।
30.	सुकुमार गांगुली घो०/118		स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-6-82	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ।
31.	पी० भ्रार० मल्होत्रा, पी०/347		स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-6-82	

	क्रम नाम रोस्टर संख्या सहित सं०	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	विभाग के संख्याबल से हटाने की तारीख	संगठन		
1	2	3	4	5		6	_
	 एल ० जे ० चेल्लैय्या, पी ० / 3 4 2 	स्थायी लेखा श्रधिकारी	23-4-82	24-4-82 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा पूना।	नियंत्रक, (श्रफ	-

ए० के० घोष, रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशासन),

विकास श्रायुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० ए० 19018(202)/75-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रपति ने र्श्वा एस० बी० गुप्ता, सहायक निवेशक, ग्रेड-1 (रसायन), लघु उद्योग रेवा संस्थान, जयपुर, को 1-7-82 पूर्वाह्न स म्रागामी मादेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर में उप निदेशक (रसायन) नियुक्त किया है।

सं० ए०-19018 (495) / 80-प्रशासन (শ্জ৹)⊸⊸ঞী पी० यू० जोन ने उनकी तदर्थ नियुक्ति की समाप्ति के 24 जून, 1982 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (रसायन) पदका कार्यभार छोड़ दिया ।

> सो० सी० राय, उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांच 26 जुलाई 1982

सं० 5146बी/ए-19012(पुस्तकाध्यक्ष-एस० के० सी०)/ 82-19 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष श्री सनत कुमार चटर्जी को पुस्तकाध्यक्ष के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-830-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी आदेश होने तक 7-6-82 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० 5180 बी/ए-32014 [2-ए० जी०(1)]/81-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी कार्यशाला) श्रीमित नीला सरकार को सहायक भूभौतिकी बिद (उपकरण) के रूप ने उसी त्रिभाग में वैतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200- द० के वे तनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेण होने तक 16-4-1982 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया हो गा रहा है।

जे० स्वामी नाथ महा निदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० 5134 बी 13/74/19 सी—महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एस० एन० श्रीवास्तव को शिपट बास (ग्रुप "ख" 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200 र० के वेतनमान में) के ग्रेड पर भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1-12-1978 से नियमिन कर रहे हैं।

ए० कुसारी, निदेणक (कार्मिक), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० ए०-19012(127)/80-स्था० ए०--श्री एम० गुणेश, स्थानापन्न सहायक खनन अभियंता, भारतीय खान व्यूरो, ने इन्डो बर्मा पेट्रोलियम कं० लि० में एरिया मेल्स इंजीनियर के पद पुर पुनर्ग्रहणाधिकार के श्राधार पर प्रतिनियुक्ति होने पर दिनांक 19-6-1982 को ध्रपराह्न में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनन श्रभियंता का श्रपना पदभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19012(154)/82-स्था० ए०—विभागीय पदो-श्रति समिति की सिफारिश पर श्री श्रशोक माथुर, स्थायी बरिष्ठ तकनीकी महायक (रमायन), की 6-5-1982 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक रसायनविद के पद पर स्थानापन्न रूप में पटोन्नति की गई है।

> व० च० सिश्र कार्यालय श्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्युरो

भारतीय मानविक्षज्ञान सर्वेक्षण कलकसा, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० 4-160/78/स्था०--भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण के कनिष्ठ प्रशासनिक श्रिधिकारी श्री श्रार० रंगनाथन निवर्तन की श्रायु को प्राप्त कर लेने पर तारीख 30 जुलाई, 1982 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

> एम० एस० राज गोपालन, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, विनांक 19 जुलाई 1982

सं० स्था० 1-5841/पी० एफ० (बी० एस० ठाकुर)- श्री बलबीर मिंह ठाकुर, जो इस कार्यालय के दिनांक 13 जनवरी, 1969 की श्रिधियूचना सं० स्था० 1-3735/579- सिले० 68 (क्लास-II) के श्रन्तर्गत श्रिधिक:री सर्वेक्षक के पद पर नियुक्त किए गए थे, की मेवाएं दिनांक 25-4-1980 से समाप्त की गई थी जो कि इस कार्यालय के दिनांक 16-4-1980 के कार्यालय ख्रादेश सं० स्था० 1-18057/ पी० एफ० (बी० एस० ठाकुर) के तामील की प्रकल्पित तारीख थी।

जी० सी० श्रग्रवाल, मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० ए०-19023/10/81-प्र० III—श्री ई० एम० पालूज, सहायक विषणन अधिकारी को इस निदेशालय के श्रधीन फरीदा- बाद में 26-6-82 के अपराह्म में पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न विषणन श्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में पदोन्नित होने के उप-रान्त श्री प लूज ने दिनांक 20-6-1982 के अपराह्म में ऊंझा में सहायक विषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> गोपाल भरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० न० प० वि० प०/प्रणा/26(1)/82/एस० 9286— नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना ग्रिभि-यन्ता, श्री एस० एस० कालरा स्थानापन्न सब-ग्राफिनर को तक्ष्य ग्राधार पर क० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-960/- के वेतन मान में नरोरा परमाणु विद्युत परि-योजना में दिनांक 15-7-1982 से 4-12-1982 तक के लिए श्री हरवंस लाल, स्टेशन श्रधिकारी, जो राष्ट्रीय ग्रिग्निमन सेत्रा विद्यालय नागपुर में प्रशिक्षण के लिये भेजे गये हैं, के स्थान पर स्टेशन ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियक्त करते हैं।

> भार० के० बाली, प्रशासन श्रधिकारी-III

ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-40001, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ऋ० भं० नि०/2/1(8)/79-प्रशासन—श्री एस० कृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक ग्रधिकारी भौर ग्रस्थायी प्रशासन ग्रधिकारी-II को, उनका तबादला तारापुर ग्रणु विद्युत केंद्र तारापुर होने पर, ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग में जुलाई 20, 1982 (पू०) से ग्रगला भादेश तक के लिए उसी हैसियस में नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोसफ, प्रशासन भ्रधिकारी

रिएक्टर श्रनुसंधान केंद्र

फलपक्कम-603 102, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० भार० भार० सी० /ए०/32023/1/77-भार/9551— इस केन्द्र की तारीख 11 मई, 1982 की भिधसूचना संख्या भार० भार० सी०/ए० 32023/1/77 भार० के कम में, रिएक्टर भागुसंधान केंद्र के निदेशक रिएक्टर भनुसंधान केन्द्र के स्थायी वरिष्ठ भागुलिपिक तथा स्थानापन्न श्रामुलिपिक ग्रेंड III श्री एम० कृष्णामूर्ति की उसी केन्द्र में सहायक प्रणासन भिधकारी के पद पर तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति 12-6-1982 से 21-6-82 तक की भवधि के लिए बढ़ाते हैं। यह नियुक्ति श्री भार० नारायणन, सहायक प्रणासन भिध-कारी के स्थान पर की गई है, जिन्होंने भ्रपनी छुट्टी बढ़ा ली

> एस० पद्मनाभन, प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1982

सं० ए० 32013/3/81-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित भ्रधिकारियों की विमानक्षेत्र भ्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 30-6-82 तक श्रथवा नियमित भ्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की हैं:—

ऋम सं०	नाम		स्टेशन
1	2		3
	ी एस० धीमन के० मिश्रा		भ्रमृतसर भुवनेश्वर

- 	3
	कलकता
	बम्बर्ड
	बेलगांव
	भुज
	नागपुर
	मद्रास
•	विल्ली
	त्रिवेन्द्रम

दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए०-35018/6/79-ई०1—इस विभाग की दिनांक 22-10-1981 की समसंख्यक ग्रधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति ने ग्रासूचना विभाग के एक ग्रधिकारी श्री के० के० नागर की नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में सहायक निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा वेतनमान रु० 1200-1800 + रु० 300/— विशेष वेतनमान प्रतिमास के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि को विनांक 20-7-82 से ग्रागे 19-7-83 तक एक ग्रौर वर्ष की ग्रवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी वी है।

सुधाकर गृप्ता उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० ए०-38015/3/81-ई०-सीं०--नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार, संगठन के नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेंद्रम के कार्यालय के श्री आर० एस० अय्यर, सहायक संचार अधिकारी ने केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1982 के नियम 48 के उपबन्धों के अन्तर्गत सेवा निवृत होने पर दिनांक 30-4-1982 (अपराह्म) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेम चन्द, सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० ए०-32013/1/82-ई० एस०—-राष्ट्रपति ने श्री एस० ग्रार० दास, बरिष्ठ विमान निरीक्षक को 21-4-1982 (पूर्वाह्म) से 6 मास की अविधि के लिए अथवा पद के नियमित रूप ने भरेजाने तक, इसमें से जो भी पहले हो मुख्यालय में उप निदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

ठाकुर दत्त, सहायक निवेशक, प्रशासन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० ए०-38019/1/ई०/(1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित श्रिधिकारी, श्रपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य श्रायु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गए ।

क० सं	० नाम	पदनाम	दिनांक
1	2	3	4
 सर्व	 প্রী		
१ आ	र० एन० जालपुरी	सहायक मौसम विज्ञानी	30-4-82
	० रामा राम्रो .	वै से ही	30-4-82
3. पी	० के० ई० राजा .	—-वैसे ही - -	31-5-82
4, एन	o बी० नारायणा राक्रो	। भौसम विज्ञानी श्रेणी-I	30-6-82

के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी (स्थापना) इस्तें मौसम विज्ञान के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1982

सं० 1/514/82-स्था०—ि विदेण संचार सेवा के महा-निदेशक एदद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री ए० के० मधोक को ग्रत्पकालीन रिक्त स्थान पर 27-1-82 से 12-3-1982 (दोनों दिन समेत) तक की श्रविध के लिए उसी णाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रिभियंता नियुक्त करते हैं।

सं 1/518/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा श्रार्वी शाखा के तकनीकी सहायक श्री दुष्यंत सिंग को श्रत्पकालीन रिक्त स्थान पर 24-5-82 से 30-6-82 (दोनों दिन समेत) तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० 1/521/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक श्री के० व्ही० नायर को 21 जून, 1982 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मल्होस्ना, उप निदेशक (प्रशा०) कृतें महानिदेशक

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1982

सं० 15/82—श्री डी० पी० शर्मा ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्य विभाग के दिनांक 24-4-82 के श्रादेश संख्या 77/82 (फा० सं० क-220-12/13/82 प्रशा-II) द्वारा स्था-नांतरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में दिनांक 22-7-82 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक भ्रुप "क" के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एस० बी० सरकार, निरीक्षण निदेशक

विधि, न्याय श्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कस्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर येकेवे एंड कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 29 जुलाई 1982

सं० 2180/560/82-83- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर येकेंद्रे एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

ए० सत्यनारायण कम्पनियों का रजिस्ट्रार

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता 27, विनांक 28 जुन 1982

सं० जी०-318/ए—महानिवेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता श्री प्रणव कुमार दत्ता को भंडार एवं क्रय श्रधि-कारी के पद पर राष्ट्रीय परीक्षणगृह, श्रलीपुर कलकत्ता में प्रति-नियुक्ति के श्राधार पर दिनांक 2-6-82 (पूर्वाह्न) से किसी श्रन्य भादेश के जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

श्रपठनीय संयुक्त निदेशक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज-23-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 25 जून 1982

निर्वेश सं० पी० श्राप्तः नं०/2017--श्रतः मुझे, पी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं सर्वे नं 100/एफ । 2 पैकी 216.14 वर्गमें टर है तथा जो काणी विश्वानाथ रोड़ जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 24-1-1981।

क्ये प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मोहस्मद हुसैन मुसाजा सुलेमान कासमपाला खांचो, मुल्ला मेडी रोड़, जामनगर

1111-

(अन्सरक)

(2) श्रो शाह दामजी नरसी (एच० यू० एफ० के० कर्ता), विजयनगर, सोसायटी, जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्तित् द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सूकोंगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मील्फत जिसका सब रजिस्ट्रार जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं०, 3766/24-11-1981 है।

> जीं० सी० गर्गे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमठाबाद

दिनोकः : 25-6-1982

मोहर 🖫

प्रकष ग्राई - टी - एव - एस ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० पो० ग्रार० नं० 2016--श्रतः मुझे जो० सो० गर्गः

प्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 28,000/- प० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० ग्रार० सर्वे० नं० 1480/2, प्लाट नं० 101 है तथा जो शंकर टेकरो, उद्योगनगर, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रांशर्ती श्रीधकारों के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रांकरण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 18 नवम्बर, 1981।

को पृथेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृजने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव जनत भिवितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, जनत भोबेनियम की धारा 269-म की जपनारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अथित्:--- (1) श्री नीतीन भरतकुमार कामदार उमि बंगला, प्रताप विलास पैलेस के नजदीक, जामनगर

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स मंकुर प्रोडक्ट्स सी-2-102, शंकर टेकरी; उद्योग नगर, जामनगर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीत जिसका क्षेत्रफल 320 वर्गमीटर है जिसका सब रिजस्ट्रार जामनगर रिजस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 3705/ 18-11-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज 1, स्रहमदाबाद

दिनांक: 25-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

े ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 2015—यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 454/1/2—सी प्लाट नं० 1 बो है तथा जो जलावड़ रोड़ राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 नवम्बर 1981। को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दाने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 में को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रदाप गुलाबराय बोडीयाना (गांधी) 21, बल्लभ आपार्टमेंट्स 87, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-40026

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० देवा महेन्द्र पुजारा देवी माधवजी घीसोटा, "गोपाल भवन" भक्तिनगर सोक्षायटी, राजकोट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित् के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक्ष मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेगे।

स्यष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका सब रजिस्ट्राप विकाखत नं० 8344 स्रोर 8345, रजिस्ट्रीकर्त्ता राजकोट नं० 2-11-81 है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

विनांक: 25-6-1982

मोहरः

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 25 जून 1982

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 2014—-श्रनः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 46-6 है तथा जो भिक्तनगर को० स्रो० हा० संभायटी, राजकोट में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता स्राधकारो के कार्यालया, राजकोट में राजस्ट्रीकरण स्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्राधीन नवम्बर, 1981

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती श्रमृतबेन डाल्याभाई नाकुम 7, भिक्तनगर को० ग्रो० हा० सोसायटी, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रंत अनंतराय जयंतिलाल दुवे 1/10 श्रमजीवी सोसायटी, चामुंडा नियास, टेबर रोड़, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मित्कत जिसका सब रजिस्ट्रार राजकोट बिकीखत नं० 949 भ्रौर रजिस्ट्रेशन नवस्बर 1981 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजेंन रेंज 1. श्रहमदाबाद

दिनांक: 25-6-1982

मोहर 🔅

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाष, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० पो० ग्रार० नं० 2013--यतः मुझे, जी० सी० गर्ग.

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक है भीर जिसकी सं० 9, जयराज प्लाट शेरी क्षेत्रफल 175 वर्ग यार्ड, है तथा जो जयराज प्लाट शेरी, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत

है) रिजस्ट्रीकरना अधिकारी के कार्यालय राजकोट मैं रिजस्ट्री-करण धिर्मित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर, 1988

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रगारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरिक (अन्तरिकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण पहुई िकती भाय की बावन प्रायकर मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, मज, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उका ग्रिधिनियम की धारा 269-ज की उपन्नारा के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रो जगवीश भगवानजी भाई पीगडीया "जगदीश निवास", कान्ता विकासगृह, रोड़, राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नंदलाल शामजी ग्रडेसरा दीलीय नंदलाल ग्रडेसरा दीपक नंदलाल ग्रडेसरा, 7-16, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट

(श्रन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भूषें होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिल्कत जो सब रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रोकर्सा बिर्फाखत मं० 3639/12-5-81 है श्रीर रिजस्ट्रेशन नवम्बर 1981 में किया है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 25-6-1982

प्रकर पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

म्रहमदाबाय, विनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० पी० धार० नं० 2012—धतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर सिधिनियम; 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा वया है); की बारा 26% के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूक्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसको सं अर्थि नं 56/1 श्रीर 56/2 है तथा जो मोटा भावा, तालुका राजकोट में श्यित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक 4 नवम्बर, 1981।

(1908 को 16) के अधान, दिनाक 4 नवस्वर, 1981।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान
प्रतिकाल के लिए अग्वरित की नई है और युझे यह विश्वास करने
का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह प्रतिकत
अधिक है और अग्तरक (अग्वरकों) और अग्वरिती (अग्तरित्यों)
के बीच ऐसे अग्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्तविक कप से
कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दृष्ट किसी जाय की वावत; पक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व म कमी करने या सससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिग्हें भारतीय श्रायकर संसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत संसिनियम, या सन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया यथा वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ग्रतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के सबुखरण में, में, उक्त अधिजियम की धारा 269-व की अपचारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, ग्रवति :--- (1) श्री पटेल चक्कु लक्ष्मण मोटा मावा, तालुका-राजकोट, जिला राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जमनादाम जयरामभाई दीपक जवाहर रमेश प्रभागंकर विद्यासागर मेलाराम, राजसेन भद्रसेन गेलक्षी प्रपार्टमेंट, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

की यह श्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी सम्प व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं प्रयंहोगा, जो उस खाइयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मिस्कत रिजस्ट्रीकर्त्ता विक्रीखत नं० 7764,7763 श्रीर 7761/30-9-1981 रिजस्ट्रेशन 4-11-81 सब रिजस्ट्रार राजकोट से ।

जी० सो० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 25~6~1982

प्रकप काई• टी• एस• एस•----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 2011—ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० सर्वे नं० 1969/1, है तथा जो वख्रवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वढ़वान में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिध के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) वोगा सेवंतीलाल भोगीलाल ग्रींश ग्रन्य 202, श्रलया फ्लेट्स देंपचन्द्र नगर के नजदीक, भायांदर (पेस्ट), जिला थाना, बस्बई

(प्रन्तरक)

(2) श्री संघवी चंदुलाल दलसुखभाई श्रीण अन्य, मुरेन्द्र-नगर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्वक्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित मूर्व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़-7-गुंg।+1 एकड़ 19 गुंg। है जो बढ़वान, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बढ़वान रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 4907/4908/16-12-81 है।

जंति सीठ गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 21-6-1982

मोहरः

प्रकृष भाई • टी • एन • एस •----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज--1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० पी:० ग्राप्ट० नं० 2010----ग्रत: मुझे, जीर० सी० गर्भ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीए जिसका संव सर्वे नं० 2013-2103 है तथा जो बढ़वान जिला सुरेन्द्रनगण में स्थित है (श्रीण इससे उपावड अनुसूची में श्रीए पूर्ण रूप से विणित है), एजिस्ट्रोक्सी श्रीधकार्यः के कार्यालय, बढ़वान में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 22 दिसम्बर, 1981।

को पूर्वों स्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों स्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्ल निम्निनिस्त उद्दोष्य में उस्त अन्तरण तिस्ति में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अध्वरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिन निषम के गांति तर दर्ज के अत्वरक के शिवन्द की अभी करत या उससे इचने में स्विधा के लिए; लौर/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्हरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार्ग (1) के अभोन नियनियित क्यक्तियों, अर्थात :—— 3—206GI/82 (1) श्री मनोजकुमार शांतीलात शाह श्री मुरेश कुमार शांतीलाल गाह सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

- (2) (1) जयंतीलाल गोर्धनदास
 - (2) शजन श्लीलाल
 - (3) विनोट विभुवनदाम
 - (4 महेश महीयनलाल
 - (5) अशोक महीयतलाल
 - (6) हेमंत महं यतलाव सुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए मार्थवा हियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न.स लिखन में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्तं शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अन्स्ची

जमीत जिसका कुल क्षेत्रपाल 4-एकट्-10 गुंहा है जो बहुबान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं तथा सब एजिस्ट्रार बहुबान रजिस्ट्रीकत्ती बिक्षीखन नं० 4965 से 4968/22-12-1981 है।

> जीत सीत गर्म, सक्षम प्राधिकारी सहस्मक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) राजेन रेंड 1, शहमदानाद

दिनांक: 21-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) क्रजेन रेंज 23 र. ग्रहमदाबाद अहमदाबाद १ दिनाव 25 जुन 1982

निर्देश सं० पी० ग्राप्त नं० 2009—श्रतः मुझे, जी० मी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मंं सर्वे नं 1892 है तथा जो वहबान, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रांत इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), निज्ञहीयक्ती अधिकारी के कार्यालय, वहबान में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनास 23 दिसम्बर 1981

को पूर्वेकित सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविभा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---

- (1) श्री प्रतापराय कानजीभाई इपफर वढ़वान सिटी (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री जयंतीलाल गोवर्धनदास
 - 2. राजन रनीलाल
 - विनोद स्विभवनदास
 - महेश महीयतचेलाल
 - 5. श्रणोक महीयतलाल
 - 6. हेमंत महीयतलाल, सुरेन्द्रनगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 11 गुंठ्ठा है जो षहवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रिजिस्ट्रार बढ़वान रिजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखन नं० 4979/81 ग्रीर 4980/81/ 23-12-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-¹, श्रहमदाबाद

दिनांक: 25~6~1982

प्ररूप बार्द ही , पुन्, पुस् ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 23 I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2008--श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पान, 'जिसका उन्चत बाजार मूल्य 25,000/ रा. सं अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 852 है तथा जो मेडम साहिब के बगले के नजदी है, पोपुल सोनायटी, लिमिटेड जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, लिमिटेड में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1881 ।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वलवाड़ी गगाभाई जहामाई लामडो, 363421, जिला, सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

(2) श्री रामनगर को० ग्रो० ई० सोसायटी लिमिटेड प्रमुख रामजीभाई गोविन्दभाई देगडा संकेटरी— डुंगरभाई मोहनभाई कजारे लीमड़ी, जिला सुरेख-नगर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 148111-16 वर्ग फीट है जो लोमडी, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार लीमड़ो रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2084/81/विसम्बर 1981 है।

जी० सी० गर्ग,
धक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीकण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

विनांक: 21-6-1982

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० पी० ग्रारं० नं० 2007—ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपितत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०

है तथा जो गांव वामनवार, तालुका चोटाला, जिला—सुरेन्द्रनगर में हिंस्यत है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजेस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मूली में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक, 19 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ,,, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) साजन काला गांव-वामनवोर, तालुका चोटीला, जिला-सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

(2) रोटा कार्बोनेट प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, श्री भुवनलाल कर्मशाभाई पटेल, 214, तक्षशीला सोसायटी, राजकोट ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[®], वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिया गया ह[®]।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 15783 वर्ग मीटर है जो गांव, वामनवोर, तालुका—चोटीला, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार मूली रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 361/19-12-81 हैं।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 21-6-1982

प्ररूप मार्दः टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आगुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद स्रहमदाबाद, दिनांण्या जुन 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० न० 2006—ग्रनः मुझे, जी० मी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वो नं. 221-1-3 पैठी है तथा जो थानगढ़ जिला स्रोन्द्रनगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानलय मूली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शितफल से, एसे दश्यमान शितफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्वास्तियों) के बीच एस स्वतरण के लिए तथ समा गया प्रतिक्त कि स्वर्वेक के लिए तथ समा बास्तिविक क्ष्य से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्री प्रधाभाई मंजीभाई सरीडिया थानगढ़, जिला सुरेन्द्रनगर ।

(अन्तरक)

(2) लखनराया रोफैक्टरांज की श्रोर में भागादार— श्रा जयंतीलाल हमीरभाई लखतरीया श्रीर श्रन्य, मांची बाजार, थानगढ़, जिला—सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त मध्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगत्तची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8025 वर्ग मीटर है जो थानगढ़ जिला—-सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब र्राजस्ट्रार मूली रिजस्ट्रीकर्सा बिक्रीखत नं० 338/9-12-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

तारीस : 21-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश नं पी० ग्रार० नं 2005—प्रतः मुझं, जी० सी० गर्ग,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं आरं एसं नं 87, प्लाट नं 8 पैकी है तथा जो अमरेली, जिला अमरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में रिक्ट्राकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान अतिकल से, ऐसे दृश्यमान अतिकल का पन्द्रत अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मियम, के अधीन कर देंगे के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिप्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर ग्रिष्ठित्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

भ्रतः ग्रव, उका ग्रिभिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 2**69-व की उपधारा** (1) के **ग्रिधीन** निम्निलिखित व्यक्तियों; ग्रथीत्:—

- (1) श्रो फनुभाई गोगाभाई रामानी और ग्रम्य, नानेकयरा, ग्रमरेली, जिला ग्रमरोली (सौराष्ट्र)। (अन्तरक)
- (2) 1. जानवाई मुलजीभाई पटेल गांव सायरा, तालुकापल नखत्राना, कच्छ 2. देवकोबेन लठाराम पटेल गांव सायरा, तालुकापल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नखनाना, कच्छ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की घर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि जो भी घर्वाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा नकेंगे

स्पन्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को जनत धिनियम के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा को उस धन्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 692 वर्गमीटर है जो अमरेली, जिला अमरेली में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अमरेली रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत न० 2928 श्रीर 2529/2-12-1981 है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन रेंज** 1, **प्रह्मधाना**द

धिनांक: 19~6-1982

मोहरु 🏖

प्ररूप आहु". टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 1, ऋह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० न० 2004--- ग्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे त० 164 पैकी है तथा जो गांव श्रमरेलो, जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रमरेलों में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1981!

को पर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से झूइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के स्लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अहस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

मतः श्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा(1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री मोहनभाई नारनभाई पटेस गांव श्रमरेली, तालुका, मोरबी, जिला राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) नरेन्द्र टाइन्स कपनी की श्रोर से भागीदार, श्री देवजीभाई गणेणभाई 3, सावसार प्लाट मोरवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 145.46 वर्ग मीटर हैं जो गांव श्रमरेली, तालुका मोरवी, जिला राजकोट में स्थित हैं तथा सब रजिस्ट्रार मोरबी रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत न० 329/ 21-12-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 19--6--1982

प्रकप धाईं • टी • एन • एस • → ---

न्नायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जुन 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० न० 2003/23-1/82-83- —श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिप्तियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के प्रभीन सम्भा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से धिकक है

श्रीर जिसको मं० सर्वे न० 536/5 पैकी है तथा जो धोराजी, जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकार्रः के कार्यालय, धोराजी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, दिनांक 9 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्बिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त मिध-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर धर्घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

वतः प्रव, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, खक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पटेल लखा गोकल मवाना घौर भ्रन्थ चालुवान प्लाट, जेकपुर रोड़, धोराजी ।

(अन्तरक)

(2) प्रिन्म ज्लास्टिक इंडिया की श्रोर से भागीदार श्री मेमन फारूग नूर मोहम्मद शेखानी बहारपुरा, श्रीराजी, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्य<mark>काहियां करता</mark> है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बरध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठिमयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 9196 वर्ग गज है जो धोराजी सीम, धोराजी, जिला राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बिक्रीखत न० 1748/9-12-81 है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद 🕻

दिनांक: 19-6-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.---

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार्० न० 2002/23-I/82-83---ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 48 श्रीर 47/1 है तथा जो जमनवाड सीम, धोराजी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्त्री श्रीधकारी के कार्यालय धोराजी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, दिनांक 11 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखिल व्युक्तियों, अर्थात्:----

(1) श्री रतीलात करणनदास कनोरिया श्री नौतमलाल राजाभाई पटेल गांत्र जमनावाड, तालुका जेतपुर, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) नर्म वा खांडमरी उद्योग जमनावाड़, धोराजी, जिला राजकोट ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोखा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मान जिसका कृल क्षेत्रफल 33083 वर्ग मं टर है जो जमनावाड मोम, धोराजी में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार धोराजी बिकीखत न० 1770/11-12-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 19-6-1982

मोहर् 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2001—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 834 पैकी प्लाट नं० 1 श्रौर 2 है तथा जो जेसपुर जिला राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

1908 (1908 का 16) के प्राप्तान, दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्षं) एसी किमी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

(1) श्री रावजीभाई केशयभाई नंदानिया ग्राँगर श्रन्य जेतपुर, जिला राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. हकोबा स्क्रीन प्रिटर्स की ग्रोर से मगनलाल हरीभाई फुलवाड़ी, जेतपुर, जिला राजकोट ।

2. रंग रेखा टैक्सटाइल डारंग एंड प्रिट्र्स वर्क्स की ग्रोर से मगनलाल हरीभाई ठडुफ, फुलवाड़ी, जेतपुर, जिला राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्होकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1255.7+2497.7 वर्ग यार्ड है सर्वे नं० 834, जो जेतपुर, जिला राजकोट में स्थित है नथा सब रजिस्ट्रार जेतपुर रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखन नं० 1916 श्रीर 1917 दिसम्बर 1981 है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

अतः अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, दिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः—

दिनांक: 19-6-1982

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. .------

ध्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आय्क्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 2000/23/-I/82-83----- श्रतः मुक्षे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर ग्रम्धिनियम' कहा गया है), की भ्राचा 249 ख के अधीन सक्त श्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० नं० 81 पैकी प्लाट नं० (1) (2) श्रीर (3) है तथा जो जेतपुर जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्यतात वालंकन के तिए प्रश्तिरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पश्चिह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तम पाम गया प्रति- पत्न निम्निविद्य उद्देश्य से उनत अस्तरक विश्वित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्त श्रिक्षित नियम के श्रिक्षीन क्र देने से भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी जाम या किसी घन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सिंध-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरितों हारा प्रकट नहीं किया क्या या मा किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 26% की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमती लाडुबेन रावजीभाई चोवटिया बापावालापरा. जेतपूर, जिला राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) राजीव टैक्सटाइल मिल्म की ग्रोर में राकेण कुमार हंसराज कपूर ग्रौर श्रन्य, जेतपुर, जिला राजकोट। (ग्रन्तरिती)

को यह भूचना उटो करक प्रॉक्निसम्पनिक पर्जन व लिए कायं<mark>वाह्</mark>यां करतः हं '

उक्त प्रस्यति है पाजेत है प्रस्तरम्य यें कोई मी प्राक्षीय ----

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्याक्तियों पर मुचनः की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती क्षी, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस मूचन। के राज्यत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य स्वक्ति द्वारा प्रजीत्स्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदी का, ती उन्त श्रिश्वित्यम के श्रद्ध्याय 20-क में परिमाधित है, वही श्रर्थ होगा जी उस श्रद्ध्याय में दिया गया है

अनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4348 वर्ग यार्ड है जो जेतपुर, जिला राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बिक्री-खत नं० 1990/दिसम्बर 1981 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 19-6-1982

प्ररूप जाइ . टी. एन्. एस. ------

अपकर करिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1999—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं०

है तथा जो नवागढ़ ग्राम पंचायत, नवागढ़, जेतपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मूस्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी- किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की अपधारा (1) को अधीन, निकासिकत व्यक्तियों, अधीत :-- (1) घोरी नूरजहां हाजीहसम बुकर कलिया, जूनागढ़ (सौराष्ट्र) ।

(अन्तुरक)

(2) श्री यूनुस ए० करीम छागला 742, भवानी रोड़, पूना (महाराष्ट्र) ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसन्ती

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8977.50 वर्ग मीटर है जो नवागढ़ ग्राम पंचायत, जेतपुर में स्थित है तथा सब रजिस्-ट्रार जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2112 से 2116/ दिसम्बर 1981 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 19-6-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज], श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1982

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 1998—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 653/1 है तथा जो दुघरेज, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, वढ़वान में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाचा गया प्रतिफल, निम्नितिष्ठत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिष्ठत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिष्ठत प्रदेश से उक्त अन्तरण निम्नितिष्ठत प्रदेश से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण से हार्झ किसी भाग की उन्तर, स्वत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राणा गजेन्द्र सिंह मेरूभा गांव दुघरेज, जिला सुरेन्द्र-नगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसाबेन जशवंतलाल शाह ग्रौर श्रन्य 20, सुभाष सोसायटी, सुरेन्द्रनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के स्थाय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

मनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5766.71 वर्ग मीटर है जो गांव दुघरेज, जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार बढ़वान बिकीखत नं० 4481/18-11-81 है।

> जी० मी० गर्ग, सक्षग प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 26-6-1982

प्ररूप आई . टी . एन . एस . ------

आक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1982

निर्देश सं०.पी० श्रार० नं० 1997—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3145 है तथा जो खाड़िया जीन सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, बढ़वान में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3 नवम्बर, 1981।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिषित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ॥--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्वा था या किया जाना चहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, जबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपारा (1) के अधीन, निम्नुलिखिल म्युक्तियों, अर्थान :--

- (1) दी मुरेन्द्रनगर पीपल्स को०--श्रो०-हा० सोसायटी लिमिटेड की श्रोर से प्रमुख श्री चंदुसाल सुखालाल मेहता सुरेन्द्रनगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रासोयालव को० श्रो० हा सोयायटी लि० सेकटरी नयालचंद हरगोविंद बारभाया, ज्योति स्टोर, डीयोट, विक्रम लोजक नजदीक सुरेन्द्रनगर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ऱाजपूत्र में प्रकाशन की तारीं कुसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी जबिध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोइस्त्रक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त जीभीनवम, के जुभ्याय 20-क में प्रिशायित है, वहीं जर्थ होगा जो उन् अभ्याव में विवा ग्या है।

जन्सूकी

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग यार्ज है जो नजी खाड़िया सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बढ़वान बिकीखत नं० 4347/3-11-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 26-6-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर पश्चितिया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 जुन 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1996—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग.

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- इ० मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं सर्वे नं 14 हिस्सा नं 1, पैकी है तथा जो गांव तेलाव, तालुका, सानंद, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सानंद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के शिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रक्रिक है और सन्तरक (सम्तरकों) और सम्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तर्ण के सिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उस्त सम्तरण सिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अच्छरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गंगाभाई श्रस्त्रीभाई गांव तेलाव, तालुका सानंद, जिला, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री हिम्मतलाल गांतीलाल मेहना कोडावाला फर्लंट्स ब्लाक नं० 611-बी, प्रीतम नगर के नजदीक, पालड़ी श्रहमदाबाद ।

ं (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोश्त सम्मति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीखा में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगें।

स्वध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रधि नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अज्लाची

खेती की जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5 एकड़ 32 गुंट्टा है जो गांव तेलाव, तालुका, सानंद, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार मानंद बिक्रीखत नं० 200/81/दिसम्बर 1981 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I, ग्रहमदाबाद

अतः वब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-गुके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखक् व्यक्तियों, अर्थात् ु⊸

दिनांक: 23-6-1982

प्ररूप बाइं. टी. एनं. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 23 जून 1982 निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1995—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्म

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जवत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 14 हिस्सा नं० 1 पैकी है तथा जो गांव नलाब, तालुका सानंद, जिला श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रिधिकारी के कार्यालय, सानंद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर,

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने बास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा केलिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मुलि<u>धित</u> व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भीखाभाई फुफाभाई गांव तलाब, तालुका सानंद, जिला श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमलभाई हरीकृष्णभाई ग्रानंदजीवाला 8, भारती सोसायटी, नगरी श्रस्पताल के नजदीक एलिसब्रीज मीठाखली, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5 एकड़ 31 गुंड्रा है जो गांव तलाब, तालुका सानंद, जिला श्रहमदाबाद है तथा सब रजिस्ट्रार मानंद बिकीखत नं० 199/81/दिसम्बर, 1981 है।

> जी० सी० गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 23-6-1982

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत संरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, अहमदाबाद

74 (4) 40 (4)

ग्रहमदाबाद, विनांक 23 जून 1982 निर्देश संव पीठ भारत तंव 1994—स्वतः सम्रो

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1994—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- प॰ से श्रिष्ठिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 14 हिस्सा पैकी 1 श्रौर 2 है तथा जो गांव तलाब, तालुका सानंद जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, सानंव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वो स्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की वाजन, हका श्रिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के किए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घण्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर धाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जामा चाहिए चा, छिपाने में मुबिधा के लिए;

भतः सब, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिष्ठित व्यक्तियों स्थीत :--- 5---206GI/82

(1) श्री सुराभाई हीराभाई भखाड भीर भन्म, गांव तलाव, तालुका सामंद्र, जिला ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बुद्धाभाई नाथूभाई पटेल गांव सरखेज, जिला श्रहमदाबाद । 2. श्री मीठुभाई झार० चापड़ा कबबाग, बेजलपुर, जिला श्रहमदायाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ 31 गुंटा है जो गांव, तलाव, तालुका सानंद, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार विक्रीखन नं० 201/81/विसम्बर 1981 है:।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

विनांक: 23-6-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 23-1/82-83 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982 निर्देश सं०पी० भ्रार० नं० 1993—श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लोक नं० 529 में 531 है तथा जो गांव श्रांबली—जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-11-81

दारे पूर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, श्लिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—~ (1) श्री शोधाभाई वायुदास (एच० यू० एफ०) श्री प्रह्लाद भाई मोलीदास (''.) श्रीमती शान्ताबेन लालाभाई जेशींगभाई. गांव---म्रांबली. जिला---म्रहमदावाद

(अन्तरक)

(2) श्री यारोश शास्तीलाल मुतरीया लो गार्डन एपार्टमेंट, लो कोलेज के नजदीक, एलिस ब्राज, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्परित के अर्जन के कार्यवाहिण करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 11132 वर्ग यार्ड है जो गांव श्रांबली, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद विकीखत नं० 12977, 12978 श्रीर 12980/2-11-81 है ।

> जी० सी० गर्भ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , श्रहमदाबाद

दिनांक : 17-6-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज — 23-1/82/83 प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 17 जून, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1992— ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-खा के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/-क्पये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 217-2, टी० पी० एस०-3, (शोप नं० इ-8 बिल्डिंग--इ) है तथा जो केपटल कोमर्शीयल सेण्टर, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 9 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस्प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय न्द्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) मेसर्स स्ट्रक्चरल एनालायसीकल कारपोरेशन की श्रोर से भागीदार

> श्री भ्रतिल कुमार चुनीलाल भार भ्रौ भ्रन्य प्रेम दरवाजा बाहर, केरीपीडा, श्रहमदाबाद ।

> > (भन्तरक)

(2) मेंसर्स ज्योती कैंस्ट्रक्णन की ग्रोर से भागीदार श्री प्रफुल भाई श्रार० दवे बी०—9, गौंतम एपार्टमेंट, सरखेज रोड, श्रहमदाबाद –।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अन्वेत के लिए कार्यवाहियी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप : 🗻

- (ज) इस सूचेना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास ' . लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका कुल क्षेत्रफल 27.87 कंस्ट्रक्शन एरिया जो दूसरी मंजिल '६' बिल्डिंग नं० -8, केपीटल कोमर्सीयल सेण्टर, ग्राश्चम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब र्जिस्ट्रार ग्रहमदाबाद बिकीखत नं० 13176/9-11-81 है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज ।, श्रहमदाबाद

दिनांक : 17-6-1982

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1991—/23-1/82-83 स्रत: मुक्ते, जी० सी० गर्ग,

भायकर शिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गरा है), की धारा 269-ध्व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० 215/1, सब प्लोट नं० 1 टी० पी० एस०3, है तथा जो पूर्णानन्द श्राश्रम रोड, ईग्वर भवन एरिया, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-11-1981

को पूर्वो क्ल संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सुष्माबेन रमनलाल पटेल"नालन्दा", बी०-50 चौथी मंजिल,पडेर रोड, बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्रर्पन एपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसियेशन श्रोर्गेनाइजर—श्री नारनभाई हरीभाई गोदानी, 164, न्यू क्लोथ मारकेट, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ हो गा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 605 वर्ग यार्ड है जो पूर्णांनन्द प्राक्षम, ईश्वर भवन के नजदीक, शेखपुर-खानपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद बिकीखत नं० 13107 में 13110, 13113 में 13116 ग्रीर 13118 ग्रीर 13119/6-11-81 है।

जी० सी० गर्ग नक्षम प्राधिक री सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 17-6-1982

प्ररूप आहू .दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निदेश सं० पी० स्रार० नं० 1990/23-I/82-83--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 82, 83/1, 83/2, 83/3, 84/99 पैकी सब प्लोट नं० 29 है। तथा जो टी० पी० एस० नं० 1, एफ० पी० 286 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यान्त्य, श्रहमदाबाद से रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रीम 19-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ठ प्रतिकृत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उग्रस बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- · (1) श्री म्रणोक हर्षदराय णास्त्री श्रौर श्रन्य, फफदानी पोल, सारंगपुर, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र चंदुलाल शाह श्रीमती उमीलाबेन जगदीशचन्द्र शाह हिम्मत वर्धमान की खडकी, मंगलपरेखका खांचा, शारपुर, भ्रहमनाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 599 वर्ग यार्ड है जो मेमनगर, जिला—-ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा मब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद बिकीखत नं० 13537/38/19-11-1981 है।

> र्जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज श्रह्मदाबाद ।

विनांक: 17-6-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-ा, श्रह्मदाबाद े श्रह्मदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निदेश मैं० पॉ० ग्रार० नं० 1989---23--]/82 श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव सर्वे नंव 383 पैकी है। तथा जो इसनपुर जिला—श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसते उपाबद अनुसूत्र) में श्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रावरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) थे श्रिधीन, दिनाक 21 नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गर्घ हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जान्तियां की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अट, उदन अधिनियम की धारा १६९-ग के अनसरण मों, मीं, उरुर अधितिसम की धारा १६९-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) बाबू भाई मनो भई पटेल ग्रोर ग्रन्य वछलं। खडकी, गांव थलतेज, जिला — अहमदबाद

(अन्तरक)

(2) गुजरात एन्टरप्राइजेज मोले प्रोप्ताइटर
श्रं। प्रांतालाल मासरासल फेसले। इस्टा ट्रस्टी---शांतीलाल मासरासला 24, नेकंड फ्लोर, विकम चेम्बर्स, श्राश्रम रोड, श्रहमदबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपरित में हिश-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्क

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2783 वर्गयाई है, कस्ट्रक्शन के साथ, नर्वे नं० 393 पेकी जो इसनपुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिकीखत नं० 13621/21-11-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमवाबाद।

दिनांवः : 22-6-1982

मोहरः

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) यर्जनरें होते. अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 जुन 1982

निदेश स० पं≀० धार० न० 1988--23--I/82--83-----धतः मुझे, जी० मी० गर्ग,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कि सर्वे नं कि 1362-1371-1376 पैकी 1469, 1372, बीक नं कि 1227-2 है । तथा जो गांव--वीसलपुर, जिना--श्रह्मदाब द में स्थित है (श्रीर इसंभे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता श्रीधकार। के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्री दरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 दा 16) के श्रार्थान, दिनांक 17-11-1981

को पूर्वोक्स संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में भ्रम्निक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना धाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अक्षः अब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिक, अर्थात :---- (1) श्रा कार्तिक्य काँगाक प्रसाद महादेवीया चीलामनी एपार्टमेंट, रिजब बैंक के सामने, श्राध्यम रोड, ब्रह्मदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जभाभाई उमेदभाई
श्री महेन्द्र भाई जगभाई
श्री मरत जभाभाई
मुवर्धा कलेट्स नवरंगपुरा,
पोस्ट ग्राफिस के पीछे,
ग्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा स्कोंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय् 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खेती की प्रमीन जिसका कुल क्षेत्रफन 93 53 एकड़ 31 गुंडा है, जो गांव वीसलपुर, जिला— श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन न० 10940/ 17-11-1981 है ।

> जीं० मीं० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-! ग्रहमसाबाद

दिनांक : 22-6-1982

सोहर:

प्रारूप वाद्^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुन 1982

निदेश स० पी० ग्रार० न० 1987—23-1/82-83— ग्रात: मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक ही

स्रीर जिसकी में एफ० पी० ने 109-1 पैकी है। तथा जो राजपुर-होरपुर अहमदाबाध में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाध में रिजस्ट्रीवरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-11-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बार..र मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निनिस्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाधत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए धा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ∴को अधीन निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थात्;—--

- (1) दक्षा जयंतीसाल पटेल
- (2) श्रानुल मधुसूदन पटेल
- (3) निर्माला मधुसूदन पटेल घासीराम की पोक्ष, सारगपुर, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मयूर्पख एपार्टमेट सम्बर्स एसांसीयेणन, संकटरी--मयूर मनुभाई शाह ग्रहमदाबाद जिला--डिस्ट्रिक को० ग्रो० सोसायर्ट, नारनपुरा, ग्रहमदबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 502-86 वर्ग मीटर है। जो राजपुर,-हीरपुर, कांकरिया, ग्रह्मदाबाद में रियत है, तथा सब रजिस्ट्रार ग्रह्मदाबाद रजिस्ट्राक्ती विक्रीखत न० 13133, 13134 और 13332/7-11-1981 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेजना श्रहमदाबाष

विनांक : 22-6-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांस 22 जून 1982

निदेश सं० पी० भार० 1986-23-I/82-83--भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० सर्वे न० 27/1, पैफो एफ० पी० 127 पैकी सब प्लोट न० 127/1 है तथा जो मनोनगर चार रस्ता, देना बैंक के नजदोक, श्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्या में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जत: अब, उबत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के भूभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह-----6---206 GI/82

(1) श्री मनुभाई सुखलाल पंडया ग्रीर ग्रन्य 20, चरोतर पटेल सोसायटी, मनीनगर, ग्रहमदाबाद

(अन्सरक)

(2) श्री त्रीकमभाई एम० पटेल चिल्ड्रन ट्रस्ट ट्रस्टी—श्री त्रिकमलाल मुलजी भाई पटेल, 1, कर्णावती सोसायटी, भैरवनाथ चार रस्ता, भैरवनाथ मंदिर के नजदीक, मनीनगर, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण हि—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं शि

अन्त्ची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 708 वर्ग मीटर है जो मनीनगर चार रस्ता, ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 12904/नवम्बर 1981 है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर अायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 1 श्रहमदाबाद

दिनांक : 22-6-1982

प्रस्प आइ'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत संग्कार

कार्यां नय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज I/82-83, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1982

निवेश नं० पी० घार० नं० 203क-23-82/83-- ग्रतः मुझे, भ्रार० भार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 'परीजातक' गवर्नमेंट सर्वेण्ट सोसायटी है। तथा जो रेसकोर्स राजकोट में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से इर्फ़्रों किसी आप की बाबत, उक्त जिभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एँसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती तारागौरी केशव लाल णाह गवर्नमेंट सर्वेण्ट सोसायटी भागवत कृपा, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीनचन्द्र बृजलाल डफ्फर हसमुखभयफ भाई '' '' 'परीजातक', गर्वनमेंट सर्वेट सोसायटी, रेसकोर्स, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिल्कत राजकोट में 'परीजातक' गवर्नमेंट सर्वेट सोसायटी रेसकोर्स पर है, रजिस्ट्रेशन नवम्बर 1981 में है।

> श्रार० श्रार०णांह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

दिनोक : 14-7-1982

मोहरः

प्ररूप आहे, टी. एन्, एस् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-मृ (1) के अधीम सूच**ना

भारत सडुकाडु

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) यार्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2037~23~I/82~83~-म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जगनाथ प्लोट, शेरी नं० 3 है तथा जो राजकोट में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनोक नवम्बर, 1981

को पूर्वो क्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन था अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात--- (1) श्री पेनीलाल उर्फ पेनीशंकर नाथजीभाई बसाबफ, ए०-3, पानालाल टेरेश, ग्राप्ट रोड, बोम्बे--7

(अन्तरक)

(2) श्री परसोत्तम लाल जी भाई खाखट भूपेन्द्र परसोत्तम हंसाबेन तस्नकुमार नवीनचन्द्र मोरनलाल व्यास नाथालाल मोहन लाल सीताबेन नवीनचन्द्र प्रीतीबेन एन० व्यास पराबाजार, राजकोट ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकिस संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ख्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जो जोगनाथ प्लोट, शेरी नं० 3 राजकोट में स्थित है रजिस्ट्रीकर्सा नवस्वर 1981 में हुन्ना है।

> श्रार० श्राष्ट० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

दिनांक: 14-7-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. ------

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2036-23- /82-83---म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

आयकर प्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रूपए से प्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 443 ए, प्लाट 10 है। तथा जो नालन्वा सोसायटी राजकोट में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उण्यत बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वल्लभ दास भानजी भाई नालन्दा सोसायटी, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेशभाई रमेशभाई नरेशभाई, रमेशभाई, जशबन्त लाल मुकेशभाई, श्रर्रावंदावेन नरेश भाई

मुक्तानगर—44, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

बन्द्रची

मिल्कत जो नालन्दा सोसायटी सर्वे नं० 443-ए, प्लाट 10 पर स्थित है रजिस्ट्रेशन नवस्वर, 1981 में हुआ है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 14-7-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस •----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के सभीत सूकता

मारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2035-23-I/82-83--- श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तं प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 451, प्लोट नं 33 है तथा जो वैशाली नगर—2 राया रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में वर्णित है); र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (408 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान श्रतिफन्न के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान श्रतिफल से; ऐसे वृष्यमान श्रतिफल का पण्डह श्रिणात से अधिक है भौर अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित छहेंग्यों से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण को ,मी, उक्त अधिनियम की शारा 269-क की उपधारा (1) को सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्धात् :--- (1) श्री गोविंदभाई बोधाभाई पटेल 3, किशानपरा, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री डाकरजीसीभाई भगवान जी भाई वसानी 10, भक्तिनगर स्टेशन प्लॉट, राजकोट

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचणा की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अच्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे ।

स्यब्दीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर वर्षों का, जो सकत अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं ग्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

मिल्कत जो वैशालीनगर—2, रायारोड, पर स्थित है, सर्वे नं० 457 प्लोट 33, रजिस्ट्रेशन नवम्बर 1981 में है ।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

दिनांक : 14-7-1982

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्ज रेंज-। श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेग सं० पी० आर० नं० 2034-23-1/82-83--अतः मुझे, आर० आर० शार ; आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मृल्य

25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लोट नं० 24,5-10 ए० है। तथा जो गांधी-धाम—कच्छ में स्थित है (ग्रौर इससे ज्याबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भूज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम०; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्बर, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किनो अयया किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनिम या धन-कर प्रधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, इस विधिनियम की घारा 269-म की उक्धारा (1) के के श्रधीन, निम्तिवित न्यक्तियों, अर्थात:—— (1) चीफ चोक पाउल्ट्री श्रीडर्स डी०---76 गांधीधाम--कच्छ

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा तुलसी पंजपानी माउण्ट कर्मेल स्कूल के सामने, सेक्टर—4, गांधीधाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्त की अवधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाय, भी भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, सो उक्त प्रश्चितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिल्कत जिसका प्लाट नं० 24, सेक्टर 10-ए०, गांधी धाम में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन नवम्बर, 1981 में किया है।

> श्रार० स्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । स्रहमदाबाद

दिनांक: 14-7-1982

मृरूप वाद्र⁴, ट्रॉ., एन्,, एस्,-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-! श्रहमदाबाद

ग्रहमदबाद, दिनांक 13 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2033-23-1/82-83---श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् नाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कमसीयल कोलेज भुज के नजदीक जमीन है तथा जो भुज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भुज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को प्रवित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) जन्त्रण से हुंद्र किसी आय की वाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) पटेल धनजी वाल जी पोस्ट---मुखपुर, तालुका भुज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धनजीभाई देवजी मालजी श्री धनजी गंगजी मालजी, नानी खारवर, तालुका, मांडवी, (कच्छ)

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पृत्रों कत सम्परित के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

' स्पथ्डीकरण: — इसमे प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गय हैं।

अनुसूची

मिल्कत जो भुज, कोमर्सीयल कोलेज के नजदीक स्थित है जिमका रिजस्ट्रेशन नवम्बर 1981 में किया है।

> श्नार० श्नार० शाह सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

भतः शव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मिनियुक्त महिन्द्यों द्याद्य-

दिनांक : 13-7-1982

मोहरः

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत संग्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदबाद ग्रहमदबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2032-23-I/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 454-1 श्रौर 454-2 विभाग-सी० है। तथा जो प्लोट नं० 2 श्रौर 3 ए० राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाब इ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 का 16) के श्रिधीन, नवम्बर, 1981 ;

को पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-कम, निम्नलिखित उद्ववंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उथत जिम्मिनसम, के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इदत अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के मुधीन, निम्नुबिह्य म्यानतमों, अर्थात् ह—

(1) जशवन्त भाई वालजी भाई भडारीया सावसार नाफा, श्रंजार (कच्छ)

(ग्रन्तरक)

(क) श्री लवजी भाई भवानभाई पटेल राजहंस सोसायटी, फलावड रोड, राजकोट ।

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका सर्वे नं० 454-1,454-2, विभाग-सी०, प्लोट 2 और 3 ए०, रजिस्ट्रेशन नवम्बर, 1981 में है।

> श्रार० श्रार० **णाह** सक्षम प्राधिकारी महायक झायक झायुरन (निरीक्षण) झर्जन रेंज I श्रहमवाबाद

विनांक: 13-7-1982

मोहर 🕄

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर भिर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज I, अहमदाबाद

ग्रहमदबाद, दिनांक 13 जुलाई, 82

निदेश सं० पी० आर० नं० 2031-23-1/82-83-- अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00√/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० करनपरा रोड, राजकोट में मकान है। तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यष्ट्र विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिधक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनूसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधृत् :--7---206 GI/82

- (1) श्री भीखाभाई देवाभाई
 - (2) हेमाबेन लोढाभाई
 - (3) नरसीभाई देवाभाई
 - (4) कडवा हमीद श्लौर श्रन्य करनपरा रोड, राजकोट ।

(भन्तरक)

(2) कंचनबेन विनोदराय कामदार (2) सी० बी० कामवार कामदार शेरी, राजकोट

(झल्निरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति क प्रजेन क लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पीस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्नीकरणः-इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मिल्कत जो करनपरा रोड राजकोट में स्थित है, जिसका रजिस्ट्रेशन नवस्बर, 1981 में किया है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1 श्वहमदाबाद

दिनांक 13-7-1982 भोहर:

प्ररूप माइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-! ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 2030-23-I/82-83--श्रक्ष: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 394, प्लाट 25 है तथा जो गोंडल रोड, राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवस्बर, 1981

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्परण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) श्री नवीन चन्द्र शांतीलाल शाह रजनीकांत कांतीलाल गाह अगोक शांतीलाल शाह रमेशचन्द्र गांतीलाल शाह श्राम्रपाली सीनेमा के सामने, शाया रोड, राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पटेल रिष्म कांल मोतीभाई प्रदीप बाबूलाल गीता रजनीकांत करमनदास मगनलल द्वारा मोती भाई प्रभुदास पटेल, नवा नांधा रोड, राजकोट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृवांकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोष्ट्रशाक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिल्कन जिसका सर्वे नं० 394, प्लाट नं० 25 गींडल रोड, राजकोट, राजिस्ट्रेणन नवस्बर, 1981 में किया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी .सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 14-7-1982

प्रकप धाई । टी । एन । एस ।-

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अज्ञीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1982

निदेश सं० पी० झार० नं० 2029—23—I/82—83—— भतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

धायकर प्रधितियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/-च्यम से प्रधिक है

ध्रौर जिसकी सं मिल्कत, कलायड रोड पर, एल० घार० सी० ध्राफिस के सामने हैं। तथा जो (इण्डियन ध्रोवरसीज बक बिल्डिंग) राजकोट में स्थित हैं (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा घ्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ध्रधीम, मवम्बर, 1981

को पृथा कत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धावक है और प्रम्तरक (ध्रम्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया गया शतिकल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्त-विक क्य से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त आधि-नियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (आ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें नारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनयम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियाँ गवा था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के सिए।

जतः अधः, उक्त अभिनियमं की भाषा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भाषा 269-ग की प्रपक्षाणा (1) के ग्राधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) ग्रमरतलाल हरीदास माड़तीया श्रीमती शान्तीबेन ग्रमृतलाल ग्राड़ितया 'जलेश', सरवार नगर, राजकोट

(भग्तरक)'

- (2) (1) श्री नन्दलास मोहनलाल टफ्फर 140, प्रीम्सेस स्ट्रीट, बोम्बे—2
 - (2) श्रीमती भारतीबेन भरतक्कुमार टक्कर
 - (3) श्रीमती उषाबेन हेमन्त टफ्फर 21, बलराम चेम्बर्य, पांचवा मजला, बावेक रोड, बोम्बे—20

(अन्तरिती)

को यह सूचना **वारी वरके पूर्वोक्**त संपति के **प्रजैत के लिए** कार्य**वाहियां करता हूं**।

उक्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धार्क्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

मिल्कत जो कलायड रोड, एल० ग्रार० सी० ग्राफिस के सामने (इण्डियन ग्रोवरसीज बैंक बिल्डिंग) राजकोट में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन नवस्बर, 1981 में है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-I रेंज ग्रहमदाबाद

विनांक 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2028-23-1/82-83---भ्रतः सुक्षे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वें नं० 326-1 (पी०) जमीन है। तथा जो राजकोट में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रौधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती सवीताबेन लंबकलाल सुतेलीया 13, रामक्कप्रणनगर, राजकोट

(अन्तरक)

(2) मेसर्थ न्यू इण्डिया एन्जी वर्कस
भागीदार—(1) भजनलाल खोडाभाई
मिघपुरा,
 (2) वृजलाल भजनलाल सिंघपुरा,

भिक्त सोसायटी रोड नं० 2,

को यह सूचना भारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

· उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतुची

मील्कत जिसका सर्वे न० 326-1(पी०) जमीन राजकोट में स्थित है रिजस्ट्रेशन नवम्बर, 1981 है।

> श्रार० झार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

दिनांक : 14-7-82

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I-, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2027—23-1/82—83—-श्रतः मृहो, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लोट नं० 1545, 1546 (पी०) विजयनगर

है। तथा जो घाघा सकेल, भावनगर में स्थित है

(ग्रीर इपक्षे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सृविधा के किए? बार/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिट स्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हरकान्त राध दिनकरराय देसाई अपेडामी शेरी, मोती हवेली के नजदिक, भाजनगर । विलास अनीलकुमार मेहता 35, नूतन को० श्रो० सोमायटी, पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्त्रक)

(2) शाम जी भाई नरसी भाई गांव--इंगोरापाट, तालुका--उमरा, हरजोभाई कानजीभाई गांव इंगोरापाट, तालुका-उमरा, सश्वजी भाई धरमजीभाई गांव--रामपूर, तालुका--वल्लभीपूर

/अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस,अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका प्लोट नं ० 1545, 1546, घोषा सर्कल पर स्थित है तथा नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्रेशन किया है।

> श्रांद० श्रार० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज ^I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 14-7-192

माहर:

प्ररूप आधार टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, प्रहमदाबाद

महमवाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2026/23-I/82-83--भ्रतः मुक्को, श्रारं० भ्रार० शाह,

आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् र्जवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिक सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड मं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं० 1670-ए०--4 है। तथा जो हरीयाला प्लोट, कृष्णनगर, भापनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भापनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स शिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) भी जितेन्द्र भोगीलाल उपप्रदे प्लोट नं० 37 ए०-2, हरीयाला प्लोट, गांधी स्मृति के पीछे, भापनगर

(अन्तरक)

(2) श्री सारनाथ को ज श्रो० हों० सोसायटी लिमिटेड प्रोमोटर-धीरजलाल मगनलाला पटेल प्लोट नं० 1079, मोची नीवास, कृष्णनगर, भाषनगर

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबक्ष किसी अन्य स्थित व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रयाखीकरण:--इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका बोर्ड नं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं० 1670 ए०--4, कृष्णनगर, तथा नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्रेशन किया है।

> मार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I ग्रहमवाबाद।

दिनांक : 13-7-1982

प्रकप काई .टी . एन . पुस . -------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1982

निवेश सं० पी० म्रार० नं० 2025—23—I/82—83—— भ्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

शायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी नं० बोर्ड नं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं०/ 1670-ए०--- 2 है। तथा जो प्लोट नं० 37-ए०- 2, कृष्णनगर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौ पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भापनगर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रिक्षिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य कास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधृति:-- (1) श्री शरदकुमार मोगीलाल अफ्फर प्लोट नं० 37-ए०-2, हरीयाला प्लोट, गांधी स्मृति के पीछे, भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री साहनाथ को० ग्रो० हा० सोसायटी लिडिमटे प्रोमोटर---धीरजलाल भजनलाल पटेल प्लोट---1079, मोची निवास, कृष्णनगर, भावनगर ।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यक्राहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य अ्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिबत में किए जा सकोंगें।

स्पब्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

मिस्कत जिसका बोर्ड नं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं० 1670-ए०---- 2, प्लीट नं० 37--ए०-- 2, रजिस्ट्रेशन नवम्बर, 1981 में है ।

> न्नार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I सहमदाबाद

दिनांक: 14-7-1982

प्रकप भाई० टी० एन० एस०

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 ज्लाई 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2024-23-1/82-83--- भ्रतः मुझे, भ्रार० भ्रार० शाह,

पायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० बोर्ड नं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं० 1670-ए०-3 है तथा जो प्लोट नं० 37, ए०-2-सी० कृष्णनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक कुप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त गिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत्र, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपद्यारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्णात्:— (1) श्री भरतकुमार भोगीलाल धपफर प्लोट नं० 37 से 2, हरीलाल प्लोट, गांधी स्मृति के पीछे, भाषनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मारनाथ को० भ्रो० हा० मोसायटी लिमिटेड, धीरजलाल भगनलाल पटेल, प्लोट नं० 1079, मोची नीपास, कृष्णनगर, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के भ्राजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिष्ठि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका बोर्ड नं० 6, शीट नं० 173, सी० एस० नं० 1670-ए०-3, प्लोट नं० 37 ए०-2-सी०, रजिस्ट्रेशन नयम्बर, 1981 में हैं।

> न्नार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदबाद ।

दिनांक : 14-7-1982

प्रकप काइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2023/23-1/82-83---ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

शाभकर अधिनियम, 1961 (1,961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सप्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1011, 1010, 1015 है तथा जो वनेपुर, तालुका, मोरबी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का प्रतुष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; ब्रीट/बा
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री सतपारा रंभीबेन रामजी
 - (2) श्री सतपारा शीवजी रामजी
 - (3) श्री सतपारा रमेश रामजी
 - (4) श्री सतपारा प्रवीन रामजी स्ट्रीट—19, वजपुर, तालुका—मोरबी

(श्रन्तरक)

- (2) (1) श्री पटेल केणवजी परशोत्तम-मोरबी
 - (2) पटेल परसोश्तम पीताम्बर--बरवाला
 - (3) पटेल वशराम केशवजी
 - (4) पटेल कानजी मापजी--पुराना घाटीला
 - (5) रामजी परसोत्तम--बरवाला
 - (6) धीरजलाल मोरनलाल--मोरबी
 - (7) प्रेमजी केशपली भ्रौर ध्रन्य, पीरपुर तालुका-मोरबी

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तार्यों से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^ड, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका सर्वे नं० 1011, 1010, 1015 है जो वजेपुर में स्थित है राजस्ट्रेणन नवम्बर, 1981 में किया है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदबाद

विनांक: 14-7-1982

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. -----

नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जामुक्त (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1982

निदेश सं पी० मार० न० 2022/23-1/82-83---म्रतः मुझे, मार० मार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लोट तं० 705 ए० ग्रीर वी०, जैन सोसायटी है। तथा जो डेरी रोड, भाषनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, भाषनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम ; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्नोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब. उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वसंतराय डाह्यालाल शेठ
 1004/बी० जैन एरिया, भावनगर,
 (2) श्रीमती मनररबेन जमनादास शेठ
 1004/बी० जैन एरिया, भानगर।
- (2) श्री श्रीपाल एपार्टमेंट को० भ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, प्रमुख---रमेशचन्द्र ङाहालाल शेठ, मनीयार शेरी, बोरा बजार, भाषनगर ।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों मे से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिल्कत जिसका प्लोट नं० 705 ए० श्रौर बी० है जैन मोसायटी, रजिस्ट्रेशन नवम्बर, 1981 है।

> न्नार० स्नार० साह सक्षम ऋधिकारी सहायक स्नायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-I स्नहमदाबाद

दिनोक : 14-7-1982

मोहर 🖫

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय
श्रमृतसर, दिनांक 28 जुन 1982

निदेश नं० भ्रमृतसर/82-83/116--यतः मुझे भ्रानंद सिंह श्राइ० श्रा२० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसका सं ० प्लाट जो शासना नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रनुस्वा में श्रीर पूर्न रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारों के कार्यालय श्रमृतमर में रजिस्ट्राकरण श्रिश्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक जनवरों 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चांद कुमार, दरशन कुमार पुत्र हंस राज वासी बेरा गैट अमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रां शाम सिंह पुत्र करम सिंह, वासा संबोध मंडा, गल। जमु वाबला श्रमृतसर

(भ्रन्तिः)

(3) जैसा उपर सं० 2 से कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसकड़ है)

·को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुची

1/6 भाग प्याट नं० 33 जो 575 व. ग. है जो रेस कारस रोड (शासत्री नगर) ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० $17806/4\sim1-82$ रजिस्ट्री क्ति ग्रिधिकार: ग्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानंद सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम श्रीधकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपरा श्रमृतसर,

चिनाँक: 28-6-82

प्ररूप भाई० डी॰ एन॰ एस०----

मायकर प्रविभिवम: 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रक्षोन सुचना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज अभूतसर

श्रमृतसर दिनांक 28 जून, 1982

निर्देश सं० ग्रमृतसर/82-83/117--यतः मुझे ग्रानंद सिंह ग्राई०ग्रार० एस०

प्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसको संख्या ज्लाट जो शास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्रमृतसर में अजिस्ट्रें:-करण श्रधिनिह्नक्ट, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरों, 1982।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके वृष्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी जाय की बाबत उक्त बिधिनियम के प्रमोन कर देने के सम्बद्ध के वायित्व में कमी करने मा इससे बचने में सुविधा के जिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दें अभीन, निम्नुकिष्कित व्यक्तियों, अ्धृत् ः—— (1) चांद कुमार, दरणन कुमार पुत्र हंस राज वासो बैरो गैंट ग्रमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रो भगवान सिंह पुत्र णाम सिंह वासी संवाक मंडो गली जमू वालो श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर य. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तक्ष्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अण्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नमुख्या

1/6 भाग ध्लाट नं० 33 जो 375 व. ग. है जो रेस कोरस रोड (शास्त्री नगर) स्रमृतसर में है, जैसा सेल डीड नं० 17807 4-1-82 रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकार। स्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानंद सिंह म्राई० म्रार० एस सक्षम श्रीवकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी म्रमृप्तसर

नारोखाः 28−6 -82

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज ग्रमृतसर

म्रमृतसर दिनांक 28 ज्न, 1982

निर्वेण सं० ग्रमृतसर/82-83/118---यतः मुझे ग्रानंदर्मिह् भाई०ग्रार० एस०

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्त्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट जो णास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद्ध श्रमुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकार के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उपत भ्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधितियम, या धन कर ग्रधितियम, या धन कर ग्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया या विश्वा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः (1) चांद कुमार, दश्यान कुमार पुत्र हंसराज, वासी बेर्रा गैट श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रांमती जितंद्र कोर पत्नी श्री भगवान सिंह वासी संवाक मंडो, गली जम वाली ग्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्मत्ति है)

(4) ग्रीर कोई
(बह् व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो
जानना है कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो सकत श्रिष्ठित्यम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रक्ष्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

1/6 भाग प्लाट नं० 33 जो 575 व.ग. है जो रेस कोरस रोड (बास्त्री नगर) श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 17808/4-1-82 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रमृत-सर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह श्रार्ड० श्रार० एस० सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी श्रमुक्सर,

ताराख: 28-6-82

प्रक्य बाइ . टी. एन्. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

HAND STATE

कार्यालय्, सहायक बारकड बायुक्त (पिर्टीक्र्य)

कार्यालय ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

स्रमृतसर दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं०भ्रमृतसर/82-83/119—यतः मुझे भ्रानंद सिंह भ्राई० भ्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जनत निर्मित्म कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का जाइण है कि स्थावर स्थादि, विस्का उद्भित नाजार मुख्य 25,000/-र से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट है तथा जो गास्त्रं। नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रमुखा में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कार्यालय श्रमृतप्तर में रजिस्ट्रांकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक स्प में किथा नहीं किया गया है---

- (क) बन्दरक वं हुई कियी नाव की वावता, बन्द जीपीनवान के बनीन कड़ दोने के बन्दरक के दायित्व में कभी कड़ते वा कड़ते नचने में धुनिया के निए? मीड/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी वृत्त वा बच्च बारिसर्वी करें, जिन्हें ब्राय्सीव बाय-कर वर्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत जिमिनयम, या भूनकर वर्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्टब्स के किस्स

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन निम्नसिश्चित स्थितवाँ वृद्धिर--- (1) श्रो हीरा लाल कण्मारी लाल पुत्र हंसराज, वासा बेरी गट प्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसविंद्र कोर पत्नो श्री परमजीत सिंह, वासी बेरी गैट ग्रमृतसप

(ग्रमुतस्र)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो
- 4. ग्रीर कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उन्त पुरुष्तित के मुर्जन के तुरुष्त्व में कोई थीं भाकोप्र---

- (क) इस स्वता के राज्यह में हकावन की तारीय से 45 दिन की बनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय बाद में स्माप्त होती हो, के मीत्र प्रोंक्त व्यक्तियों में से दिस्सी व्यक्तिय स्वारा
- (ब) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर जनत स्थानर संपरित में हित्बसूध किसी कृष्य अपूजित बूबारा नृश्वोहस्तास्त्री के पास विविद्य में किस का श्वोचन

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

1/6 भाग प्लाट मं० 33 जो 575.5 वर्ग है जो रेस कोर्स रोड (शास्त्री: नगर) में है जेसा सेल डीड नं० 15700 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंध सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) 3 चंद्रपुरी श्रमृतसर

नारीख: 28-6-82

मोहर 🥲

धक्प आई• टी• एव• एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा269-प् (1) के अभीन स्प्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्वेश सं० ग्रमृतसर/82-83/120--यन: मुझे, श्रानंद-सिंह ग्राई०श्रार० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर श्रमृप्तमर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रंधीन तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कार्थित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अज, उजत जिथिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) श्री हीरा लाल कशमीरी लाल पुत्र श्री हंसराज वारी बेरी गेट श्रमुतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगवान सिंह पुत्र शाम निह संवाक मंडी ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्यव्यक्तिरण:---- एसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग प्लाट नं० 33 जो 575.5 व.ग. है जो रेस कोरस रोड शास्त्री नगर में है जैसा कि मेल डीड नं० 15701/23-11-81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

भ्रानंद सिंह भ्राई० भ्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 28-6-82

मोहर 🥲

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतयर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं० भ्रमृतसर/82-83/121---यतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई०श्रार० एस०

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में समी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिकित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) हीरा लाल कशमीरी लाल पुत्र श्री हंसराज, वामी बेरी गेट श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

- (2) परमजीत सिंह शाम सिंह, वासी गली जम् वाली संवाक मंडी ध्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

1/6 भाग प्लाट नं० 33 जो 575.5 व.ग. है जो रेस कोरस भास्त्री नगर में है जैसा कि सेल डीड नं० 15698/23-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

भ्रानंद सिंह भ्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

नारी**व**: 28−6−82

मोहर 🖟

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26% म(1) के प्रधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्रमृतसर/82-83/122--यत: मुझे श्रानंद सिंह श्राई०श्रार० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूस्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट जो मक्षबूल रोड श्रमृत-सर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नयम्बर, 1981

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, स्यापाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किमी पाय की बाजन उक्त प्रधिः नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए और/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया जिया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

(1) रिजन्द्र सिंह नाक्षी पुत श्री हरनाम सिंह, वासी मझसिंह रोड अस्तसर

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रवतारजीत कीर पुत्री हरबंस सिंह, वासी 20 सतं एवन्यू दी माल श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना आपी करके पूर्वीकत सम्पण्ति के धर्जत के लिए। कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारी क्या से 45 दिन की प्रविच्छ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्या को भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्बं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्तालरी के पास्त्र सिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, बही अर्थ होगा, जी उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ एक कमरा 277 व. ग. जरे तुगबाला, बंसत एवन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15971/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर,

सा**रीख 3-7-8**2

नोहर:

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

श्रमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्रमृतसर 82-83/123—यत: मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट जो मकबूल रोड श्रमृत-सर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से किया गया है:——

- (क) अन्तरक सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-घर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाषा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चरनजीत सिंह पुत्र खजान सिंह वासी 506 ग्रीन एवन्यू श्रमृतसर

(भ्रन्सरक)

(2) श्री सबरन सिंह वमराह पुत्र साधू सिंह, ग्रवतार जीत कोर पुत्री हरबंस सिंह, वासी 20 संत एवन्यू, ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ एक कमरा 1040 व.ग. जो तुगबाला, बसंत एवन्य श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 5972/27—11—81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह ग्राई० श्रार० एस० सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 3-7-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रोंक, ब्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनाक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० क्रम् अस्/ 82-83/124—यकः मुझे, क्रानद सिंह क्राई० क्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट जी महबूक रोड श्रमुतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रात्ती श्रधिकारी के दार्यालय श्रमृतसर में र्याजस्ट्राकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन नारांख जनवरी, 1982

को पूर्वा कि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :---

(1) श्री राजिन्द्र सिंह नाबी पुत्र श्री हरनाम सिंह, व।सी महासिह रोड श्रमृतसर

(श्रन्तरक)

- (2) कुमारी भ्रवतार जीत कौर पुत्नी श्री हरबंस सिंह वासो 20 संत एक्न्यूदा माल अमृतसर
- जैसा उज्पर सं 2 में कोई किरायेवार हां (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षेहस्ताक्षरी जानता हो कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रय्यतः शब्दों और प्वों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

एक भूमि का प्लाट साथ एक कमरा 272 व.ग. तुग-वाला, बंसन एक्न्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं∘ 18291/ 11—1—82 रिकस्ट्रांकर्ता अधिकारों अमृतसर में दर्ज है।

> स्नानद सिंह श्राई० म्नार० एस० सक्षम ग्रीधकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर

नार्रा**ख**: 3-7-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश स० अमृतसर/82-83/125-यतः मुझे, आनंद सिंह आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है जो मकबूल रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तरि।ख दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं धुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त -अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की थारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, सुधीत् :--- (1) राजिन्द्र सिंह नार्गा पुक्त हरनाम सिंह वासी महां सिंह रोड, भ्रमृतसर

(मन्तरक)

(2) कुमारी अवतार जीत कौर पुन्नी श्री हरबंस सिंह वासी 20 संत एवन्यू दी माल अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भीर कांई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिचबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृषाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ एक कमरा 272 व.ग. जो तुंगवाला बंसत एवन्यू प्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड सं० $16157/2 \sim 12 - 81$ रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है ।

ग्रानंद सिंह ग्राई०ग्रार०एम० मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी ग्रमुक्सर

नारीख: 3-7-**5**2

मोहरू ः

प्ररूप आर्ष: .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

म्रजन रोंज, ग्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्रमृतसर/82-83/126—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है जो मक्ष्यूल रोड अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीनर तारीख जनवरी 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजिन्त्र सिंह नागी पुत्र हरनाम सिंह वासी माह्न सिंह रोड अभृतसर

(मन्तरक)

(2) श्रीमती अवतार जीत कौर पुत्रो श्री हरबंसिंह वासी 20 संस एवन्यू अमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई।

(वह अपिल जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जा विद्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनसची

एक प्लाट 272 वर्गगज साथ में गैरेज जैसा एक कमरा तुंगबाला ग्रबंन ग्राबाधी बसंत एवेन्यू श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय के सेस डीड नं० 18998 दिनांक 23-1-82 में दर्ज हैं।

> म्रानन्य सिंह माई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निर्दक्षण) स्रर्जन रेज 3 चन्द्रपुरा टेलर रोड प्रमृतसर

तारी**ख**:3-7-82

मोहर 🕃

प्रकृष् कार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982 निर्देण सं० अमृतसर/82-83/127—-श्रानद सिह् श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जा रानी का बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवस्वर 1981

कां पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती 'अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- किक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या कस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

- (1) श्रीमती सलविंदर कौर पत्नी सुखदेब सिंह वासी दालम तहसील ग्रजनाला जिला श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरुदीप सिंह बड़ाला पुत्न लक्षमन सिंह वासी वडालर भाटेवड तहसील श्रमृतसर श्रब कोठी नं० 25 रानी का बाग श्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रांत
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक प्लाट 360 व. ग. जो रार्ना का बाग असृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 15997/30-11-81 रजिस्ट्राकर्सा श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> न्नानन्द सिंह म्राई० म्रार० एम० सक्षम म्रिधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज 3 चन्द्रपुरी म्रमृतसर

तारीख: 12-7-82

प्रस्प आई० टी० एन० एस०⊸-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 8 जुलाई 1982

निदेण सं० ग्रमृतसर/82-83/128:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक कोठी नं० 189 जो शिवाला कलोनी, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रस्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कर्म' करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नशी किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम को धार। 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात मन्न (1) श्री बलदेव राज पुत्र किण्न चन्द वासी कटड़ा जैमल सिंह, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरजन सिंह पुत्र धन सिंह वासी श्रमृतसर मुलतान विद्या

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रौर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्र<mark>धोहस्ताक्षरी जानता है कि बह</mark> सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उल्ल सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक ग्रधूरी कोठी नं० 189 जो शिवाला कालोनी भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15636/20-1-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह ग्राई० भ्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपूरी, श्रमृतसर ।

तारीखा: 8-7-1982

भूक्ष बार्चः दौः एवः एसः «-------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

निदेश सं० श्रमृतसर/82-83/129:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक पलाट है तथा जो दयानन्द नगर धमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पक्ति के उचित बाजार से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई ही जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दुवयमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए स्व पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित सूर्वी किया गया हैं

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; जरि/मा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किसा जाना वाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

जतः सब, उपत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों,अर्थात् :--

(1) श्रीमती सितन्दर कौर पत्नी डा० मुखपाल खिंह पुत्र सेवक सिंह वासी 169 भवानी नगर मजीठा रोड़, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार जैन पुत्र तरलोक चन्द्र जैन वासी
 26 लारेंस रोड अमृतसर पार्टनर फर्म मै० श्रोसवाल
 शालज गोकल मारकीट नं०1, गुरु वाजार, अमृतसर।
 (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई ।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में मधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु सुचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किगी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव्यथ् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्यास में विसा गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि का प्लाट 309 वर्ग गज जो दयानन्द नगर श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15998/30-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3 चन्त्रपूरी, ग्रमुक्सर

तारीख : 12-7-1982.

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निवेश सं० श्रमृतसर/82-83/130:—यतः मुझे, श्रानस्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो बिजेनगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबब श्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख नवम्बर,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भूत अष्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्तिष्यित व्यक्तियों, अधीत् :—10—206 GI/82

(1) श्री सिहन्दर कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह वासी नागो के तब्रसील श्रमृतगर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर कौर पुत्नी रेणम सिंह वासी विजेमगर बटाला रोड, गली नं० 3, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर गं० 2 में कोई किरायेदार हो । (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया कारता हो।

उक्त गंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपद में एकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गगा है।

अनुसुची

1/2 भाग भूमि का पलाट 322 वर्ष गर्ज जो विजे नगर बटाला रोड़, ब्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नंज 15417/17---11--1981 रजिद्दीकर्ता ब्रधिकारी ब्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर ।

ता**रीख**: 12-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चिनः

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निदेश सं० ग्रमृतसर/82-83/131:--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो विजेनगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, नारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्रोक्त में उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किया स्या है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स डॉर्थानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काशित्व मों कमी करने का उसमें यचने में मुणिया के लिए; और/मा
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में मूरिया के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निमनलिखित व्यक्तियों कार्याण :--

(1) श्रीमती महिन्दर कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह वासी नागो के तहरगील श्रम्वरार ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रीमती बलबीर कौर पृत्ती रेणम सिंह वासी विजे नगर बटाला रोड, गली नं० 3, श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) श्रौर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबज़ है) ।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रम्वन्थ में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/2 भाग भूमि का प्लाट 322व० ग० ज ो विजे नगर बटाला रोड स्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15320/16-11-81 रजिस्द्रीकर्ता स्रधिकारी स्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एम० मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, 3 चन्द्रपुरी, ग्रमृतसर

मारी**ख**ं 12—7—1982. पोटाः

प्ररूप आर्च, टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1982

निदेण सं० ए०एम ०म्रः र०/82-83/132:—-यतः मुझे,म्रानन्द सिंह, स्राई० स्नार० एम०,

आयक र पिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके एइपोत् 'जियस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० एक प्लाट है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि गथापूर्विकत संपिति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रितिकल से एसे इश्यमान प्रितिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की वाबत उफ्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिक्ष व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती सर्वावदर कौर पत्नी सुखदेव सिंह वासी दालम तहसील ग्रजनाला, जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत लख्मन सिंह वासी कोठी नं० 25 रानी का बाग, स्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 ऊपर श्रांर कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्पक्ति है)।
- (4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिंतबद्ध है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवाँ कत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, **भी उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि का प्लाट 360 व० ग० जो स्राबादी रानी का बाग प्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16066/2-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी स्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, ग्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, त्रमृतसर।

नारीख: 12-7-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

गायक र ग्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी० श्रार. नं० 62/32453/81-82/श्रवित्र/ बें०—–थतः मुझे, मंजु माधवन.

प्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है). की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 53, सेयिण्ट् श्रालबन्स है, तथा जो वियिट् फील्ड बंगलूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वंगलूर सवृत् तालुक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, वंगलूर सवृत् तालुक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9 नवम्बर, 1981। को पृवाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्तर जिल्ला उच्चालय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) भृत्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, अक्त निध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाधित से कसंत्करने या अससं अचने में सुविका के किए। साँग/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयो-धनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूतिभा के सिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1)

के मुधीन, निम्नलिचित् व्यक्तियाँ, मुधीत् : ---

(1) श्री डेस्माण्ड विक्टर हेरबर्ट डेरिक् टाम् जेवियर लारेंस, डेनिस धार० लारेंस ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री एम० एल० रंजीत सुमन रंजीत 13/1 रेनियस् स्ट्रीट बेंगलूर-25

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त सम्पत्ति है अजैन क सम्बन्ध में कोई भी माक्षण '---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख ें 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपक्ति में हिंत-बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेशः।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं उहीं अर्थ होगा आ उस अध्याध में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4460 दिनांक 9-11-81) सियण्ट् ग्रालबंस जो सर्वे नं० 53, वोयिट् फील्ड बंगलूर में स्थित है।

> मंजु भाषवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 1-7-1982

मोहरः

प्राणिकार हो. भूच. एम -------

आगकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) बंगलूरः, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० मी० ग्रार० नं० 62/32784/81-82/श्रनिव/ बे०—यत: मुझे, मंजु माघयन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इस के अधीन समाम प्रतिप्राप्ती को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापर संपरित, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 8/15, (एक भाग) है, तथा जो केर्सब्रज रोड़, बंगलूर-560008 में स्थित है (ग्राँर इससे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन दिनांक 23 नवस्बर, 1981 ।

को पूर्वेवित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि रथाप्वेवित सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण सिसित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (4) प्रभी निर्मी आय ए किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय नाय-सार निर्मित्रम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनिधम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना निरूप था, िष्ठपाने में सिविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित न्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी० ए० कृष्ण मृति नं० 11 श्रास्वानं रोड़ बंगलूर-560042

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० एम. इक्राहिम सी० एम० सिदिक् बी०-6 जेयमहाल एक्सटेंगन बंगलूर-6

(भ्रन्तरिती)

(3) सेयिण्ट् मीरा स्कूल ग्रलसूर, बंगलूर-560008

कां यह मुचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायनाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में कि भी व्यक्ति कृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्सावेज सं० 2559 दिनांक 23-11-81) घर का नं० 8/15 का एक भाग केम्ब्रिज रोड़ बंगलूर में स्थित है।

मंजु माघवन. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलर

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आईं.टी.एन एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, एरणाकुलम

कार्यालयः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एरणाकुलमः दिनांक ६ जुलाई 1982

निर्देश सं० एल० सी० 587/82-83--यतः मुझे पी० जे० तोमसकुट्टी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के अनुसार है, जो चेर्नलै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय चेर्नलै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

11 नवम्बर, 1981 । घे प्रवेक्ति संपत्ति के जी

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिवियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भुधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अधृति :-- (1) श्री मरियक्नुद्दी श्रलक्सान्डर ग्रीर श्रलक्सान्डर जोसफ ग्रीर ग्रेलैक्सान्डर मात्यु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मात्युपोल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ग्रनुसूची

30 cents of land with a building in Sy. No. 233/22A of Shertallai North Village.

पी० जे० तोमसकुट्टी. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 6-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ग्रतीण चन्द्र सिन्हा

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कार्यालय, सहायक लायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश मं० टी० श्रार०-245/81-82/एस० एल० 633/ श्रार्ड० ए० सी०/ग्रर्जन रेंज-1/कलकत्ता--यत. मुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिनवा उचित बाजार मुल्य 25,000/- २३. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 227/2, है तथा जो श्राचार्या जगदीश चन्द्र बोम रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28 नवस्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के निए;

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

(2) थी अनिल कुमार जालान और दूसरा

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तो 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

227/2, स्राचार्या जगदीण चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता जमीन पर मकान 32K-15Ch. (1/3 वां शेयर)

> कें० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, कलकत्ता

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निरनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० टी० आर०-240/81-82/एस० एल० 634/ आई० ए० सी०/अर्जन रेंज-1/कलकत्ता--यत: भुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/1, है तथा जो लार्ड सिन्हा रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण ख़्य में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांकद्व 30 नवस्बर, 1981

को पूर्नोक्त संपरित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उच्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री इन्द्रजीन सिन्हा से

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोग प्रकाण किल्ला चौर द्सरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िट सित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

7/1, लार्ड सिन्हा भेड़, कलकत्ता 7का-12Ch. जमीन।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

दिनांक: 5-7-1982

प्रकप भाई। टी। एन। एत।

न्नायकर **प्रधितियन; 1961 (1961 का 43)** की **धा**रा 269-घ (1) के नधीन स्चना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० टी० प्रार०-122/81-82/एस० एल० 635/ प्राई० ए० सी०/प्रर्जन रेंज-1/कलकत्ता—यत:, मुझे, के० सिन्हा, प्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का, कारण है कि स्वावर सम्पृत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है प्रीर जिसकी सं० 136 है तथा जो सुरेन्द्रनाथ बनर्जी रोड़, कलकक्षा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिश्वत प्रधिक है घीर अग्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अग्तरण लिखित में वास्तिक का से किखत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उपकत अधिनियम क अधीन कर देन के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा व या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अवा उक्त ग्रिधिनियम की भ्राप 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपभ्रारा (1) के अभीम, निम्निसिखित क्यक्तियों , स्थित् :---11—206G1/82

- (1) नादिर थियेटर को० प्रा० लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) एलाइट थियेटर भीर इन्वेस्टमेंट को० प्रा० लिमिटेड। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 विन की ध्रविध, खे भी धर्मीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी जन्य व्यक्ति धारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिचाषित है वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

136, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी रो**ड**, कलकत्ता जमीन पर सिनेमा 19--का॰, 15 छ०, 37 वर्ग फुट ।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आधी. टी. एस. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई 1982

निर्वेश सं० 1109/ए० मी० क्यू० श्रार-III/82-83--यतः, मुझे, के० सिन्हा,

आरकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पराात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119, प्लाट 75 ई है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपात्रक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 नवस्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मों, मी, जबन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दि ग्रिनिमिच कार्पोरेटिय हाऊसिग सोसायटी लि० (म्रान्तरक)
- (2) प्रदीप रंजन गुदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में गरिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट सं० 7-एस० ई०, 7वीं फ्लोर, 119, डा० मेघनाव सादा सरनी, कलकत्ता

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर श्रायुगत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा¹, कलकत्ता

दिनांक: 7—7—198**2**

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० 1107/ए० सी० क्यू० श्रार-III/82-83—यतः, मुक्ते, के० सिन्हा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोत जाजा सधिकारी की. यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मंगल, जिसका उचित बातार मूह्य 25,000/- क॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० 76 है तथा जो वेनटिन्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2 नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और पुत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल में: एम दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन निर्माणित है, य से उना अन्तरण निश्चित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, विश्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में बैं, उक्त अधिनिधम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोबिन्द चंद धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र शेखर निमाता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:--

- (क) इत बुधना के राजाच ने कारान की नारोख से 45 दिन की अविधि या त सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना का तामक से 30 दिन को अविधि, जो भी प्रविधि चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उत्तर;
- (ख) इस भूथना ह राजपञ्च नें अकातन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पड्टा करण: - इसमे प्रयुक्त शब्दी और क्यों का, जी उक्त प्रिधिनयम, के प्रदेशर 20-के में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जी उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

76, वेनटिन्क स्ट्रीट, कलकत्ता 12-के-8 छटांक-31 स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/2 श्रेयार)

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० 1108/ए० सी० क्यू० ध्रार-III/82-83---यत:, मुझे, के० सिन्हा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 76 है तथा जो वेनटिन्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 2 नयम्बर, 1981।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिये; बौर/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः असं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—— (1) गोराक चनद धर

(अन्तरक)

(2) शोभ कुमार नेभाता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी न्यिक्तयों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विस्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

76, बेनटिन्क स्ट्रीट कलकत्ता 12 के—8 छटांक—31 स्केयर फीट जमीन पर मकान (1/2 शेयार)

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I^V, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० सी० 13/रेंज- /कल०/1982-83--यतः मुझे, के० सिन्हा,

बायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो जामिर लेन, जिला हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है). र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 नवस्बर 1982 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के किए प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ये उकत अन्तरण निखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी खाय की बाबत धक्त अग्नियम के मधीन कर देने के अग्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी घम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या ग्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भगवती देवी जोजोदिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. फकुरूद्दीन श्रहमद । 2. हासन मुहम्मद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिचाधित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

जमीन— 73.79 कट्ठा, पता-17 जमीरलेन, थाना—बाली, जिला—हबड़ा । दस्तावेज सं० — 1981 का 9411

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-IV, कलकक्ता

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिव्हित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1981

निर्वेश सं० 48/नवम्बर/81—यतः मुझे, एस० लहरी, ग्रायकर ग्रावितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चास् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25, 000/- र० से ग्रीधिक है

ष्मीर जिसकी सं० एस० सं० 2295/1, 2295/2, 2299-ए०, 2299-भी श्रौर 2300 है तथा जो वडसेरी, कत्याकुमारी डिस्ट्रीकट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वडसेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 15 नवम्बर, 1981

(डाकुमेंट सं० 1260/81)

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उस्त श्राप्तांत्रयम के श्राप्तीन कर देने के चन्तरक के बायिक में कमी करते या उससे बज़ने में सुविश्वा के जिए; चौण/या
- (स.) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्त्रणों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनाने में सुविधा के लिए।

कतः अवन, उकत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० के० संकरानारायनन्

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एस० पारीपूरनम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त सध्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

(भूमि एस० सं० 2295/1, 2295/2, 2299-ए, 2299-बी और 2300, वडसेरा कन्याकुमारो डिस्ट्रकट

(डाकुमेंट सं० 1260/1981)

एस० लहरो, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजैन रेंज-1, मद्रास

विनौतः: 2--7-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आह".टी.एन.एस.------(1) श्राएस० धंगमुत्तृ ग्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

(2) श्रां के० श्राप्य दुरैसामी

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश सं० 50/नवम्बर/81-ऋतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिष्ठक है

ग्रीर जिसका सं० एस० सं० 500/3, राजार्जा कालार्ना ग्रात्तूर, है तथा जो ब्रात्तुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ब्रीप इससे उपावज्ञ श्रनुसूचं। में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), प्रजिस्ट्राकत्ती श्रधि-कारः के कार्यालय, ग्रान्तूर में भारताय रजिस्ट्राकरण, ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 17 नथम्बर, 1981। (डाक्मेंट सं० 1933/81)

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उष्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी रूपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, ६नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातुः —⊸

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धीव्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

(भूमि एस० सं० 500/3, राजाज) कालोना, श्रात्तूर, सेतम जिला डाकुमेंट सं० 1933/1981)

> एप० लहरां, पक्षम प्राधि ः(र; ंहें(एक अध्यक्षत (नि**रःक्षण**) श्रर्जन रेज-1. मद्रास

दिनांक: 29-6-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरक्षिण) ${
m su}$ र्जन रेंज ${
m I}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश सं० 62/नवम्बर/81—यतः मुझे, एस० लहरीः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 24/2 श्रीर 25, एक्सैपलयम गांव. है, जो सेलम तालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचे। में श्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रेंकिक्ती श्रिधकारं: के कार्यालय, जे० एस० श्रार०— (डाक्सेंट सं० 7550/80) सेलम में भारतीय रजिस्ट्रेंकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25 नवस्बर, 1981

को पूर्वों कत संपतित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिन क रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यागितयों, अर्थात्:— (1) श्रा पी० नारायन पिस्सी

(प्रन्तरक)

(2) श्रो भ्रार० रूक्तमंगतान

(ग्रन्सरित()

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

गनस ची

(भूमि एस० सं० 24/2, घोर 25, ए रूमेपालयम गांव, सेलम तालुक (डाकुमेंट सं० 7550/81)

> एन० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 29-6-1982

सोहर:

प्रकप माई० टी• एन०एम•----

मायकर प्रिविमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रश्रीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० 43/नवस्बर/81—यतः, मुझे, एस० लहरी, सायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के स्रिधीत सञ्जम प्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 61-बी, है तथा जो पोतनूर गांव, जाम्किल ृतालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वेलूर (सेलम) डाकूमेंट सं० 1571/81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रीधीत दिनांक 14 नवम्बर 1981 ।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्रस के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) मौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिकि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दांगिस्व मं कमी करने या उसमें बचने में मुविद्या के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया व्या के लिए;

- (1) श्रंत के० शत्मुहम श्रौर के० एस० चेंगुटएवन (श्रन्तरक)
- (2) श्री मैनरस शन्मुह्म, जन्द्रसंगरन श्रीर एलवरमन (पिता एस० पा मारीसण्यन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप}:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्तक्षारी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्रक्टोकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत प्रक्षि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

वनुसूची

(भूमि र्स० सं० 61—त्रः, पोतनूर गांव, नामककल तालुक, मेनम जिना (डाक्वेंटमं० 1571/81)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रान ।

दिनांक: 5-7-1982

प्रकृप आ**इ**. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श् (1) के अभीन सूचना

धारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० 73/नवम्बर/81--यतः, मुझे, एम० लहरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ते अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं डोर सं 25-बो, है, जो ग्रटांनी मृष्यजार स्ट्रीट मतुरें में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे एस श्रार -1 मतुरें में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 30 नवम्बर, 1981 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्हें हैं और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

(डाकुमेंट सं० 6563/1981)

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वर्ष्यरन से हुइ किसी बान की बाबत, शक्त वर्षिक्षित्रक के बचीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्षेट्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी ध्रम या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रवट नहीं जिया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों. अक्त अधिनियम की रूस 265-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिक्ष अर्थात् :— (1) डैयासिस ब्राफ मतुरै राम्बाट चर्च ब्राफ सैत इंडिया मतुरै

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायनन चेट्टायार

(भ्रन्तरितं:)

को यह सुचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

(भूमि श्रौर निर्माण डोर स० 25-वी, श्रंटोनी मूप्यजार स्ट्रीट, मतुरैं-डाकुमेंट मं० 6563/1981) ।

> एम० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 9-7-1982

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी.एम्.एस ु------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि**र्शक्षण)** ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1982 निर्देण सं० 11/नवम्बर/81—प्रमे: मुझे, एस० लहरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 26, है, जो संगर नगर, से तम में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-I, सेलम में भारताय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13 नवम्बर, 1981

को पूर्वो वस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया परा है:--

(शाकुमेंट सं० 7305/1981)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

शतः शव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग को, शनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्॥--

- (1) श्री के० वी० बालराज श्रांट के० वो० गोंपाल (अन्तरक)
- (2) श्री एस० बासकर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संप्रात्त के अर्थन के फिए कार्यनाहियां कुरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

वन्सूची

(भूमि ग्रीर निर्माण 26, कुमारसामोपट्टी संगर नगर, सेलम, डाकुमेंट सं० 7305/1981)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, महास

दिनांक: 12-7-1982

त्रक्य नार्दः दौः एत्ः द्वः------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के कधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क भायकर भायक्क (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० 40/नवम्बर/81—न्यतः मुझे, एस० लहरी, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाष 269-च के नथीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाचार बृश्व 25,000/- सं से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 75/1—डब्ल्यू०, है तथा जो श्रवारम्पट्टी राजपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपालयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 14 मई, 1981 (डाक्सेंट सं० 2796/1981)

का पूर्विक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंफरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल का किस निम्नितिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया मूथा है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नोधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--- (1) श्री मर्जुना राजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रा राजा श्रौर श्रवर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्बन्ति के वर्णन के सम्बन्ध वो कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के रावपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

(भूमि धौर निर्माण डोर सं० 75/1—डब्ल्य०, श्रवारमपट्टी, राजपालयम (डाकुमेंट सं० 2796/1981)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 9-7-1982

मोहर 🗈

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश स० 46/नवम्बर/81--यतः, मुझे, एस० लहरी,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25.000/ रा. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० 246/1, है तथा जो जहीर श्रम्मापालयम, सेलम तालूक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० III सेलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, विनांक 18 नवम्बर, 1981 (ग्राक्मेंट सं० 4499/81)

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्रीमती तंगम्माक ग्रौर भदर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० चक्रपानी चेट्टियार ग्रौर ग्रदर्स।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना क राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितस्व के किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि एस॰ सं॰ 246/1, जहीर ध्रम्मापालयम गांव, सेलम तालूक सेलम जिला (डाकुमेंट सं॰ 4499/1981)

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 9-7-1981

प्ररूप नाइ े. टी. एन्. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० 47/नवम्बर/81--यतः मुझे, एस० लहरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 638/2, 638/1, 639/9, 640/2, 638/4—ए, 638/4—बी और 634 है जो बैत्तूर रोड़, श्रात्तूर सेलम डिस्ट्रीकट में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रात्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

(डाकुमेंट सं० 1835/1981)

को प्नोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बीर∕०ः
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिंह;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ए० कंदासामी श्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० के० थिरूवेंगश्रम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो 'उन्तर अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भगसूची

(भूमि भ्रौर निर्माण एस० सं० 638/2, 638/1, 638/3, 640/2-बी, 639/9, 638/4-ए, 638/4वी भ्रौर 464 डाक्मेंट सं० 1835/1981)

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 9-7-1982

मोहरू ः

प्रक्ष बाह्र .टी. एन्. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, भोपाल

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2695—भ्रतः मुझ, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० नं 15 ए, 16 ए है, तथा जो गंजीपुरा जबलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त स्थिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के प्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः भन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अभ्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (;) के अधीन, निम्नसिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री कपूर मिह पवार पुत्र श्री हीरालाल पवार मोटर स्टेण्ड जबलपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र श्रग्रवाल पुत्र रामक्वण श्रग्रवाल द्वारा हिन्दुस्तान ट्रेडर्स जबलपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ह फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्त्री

दुकान नंबर 15 ए एवम् 16 ए श्रार्शीवाद भार्केट गंजीपुर जबलपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भ्रजन रेंज, भोपाल

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2696--श्रतः मुझे, वेयप्रिय पंत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 15 बी, 16 वी है, तथा जो गंजीपुरा, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिश्रिक्षारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5 नवम्बर, 1981।

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :— (1) श्री कपूर सिंह पवार पुत्र श्री हीरालाल पवार मोटर स्टेण्ड जबलपुर-(म० प्र०)

(प्रन्तरक)

(2) श्री धानंद कुमार श्रग्रवाल पुत्र श्री रामकृष्ण भ्रग्रवाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

श्रार्शीवाद भार्केंट गंजीपुरा जबलपुर स्थित दुकान नंबर 15 बी, 16 बी।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन मूचना

ग्रर्जन रेंज, भोषाल

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भोषाल, दिनांक 28 जुन 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2697—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नगर निगम नंबर 469 है तथा जो उपरैन गंज वार्ड में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए,

(1) श्री हर्ष वर्धन पुत्र मोती लाल सिंघई नेपियर टाउन, बार्ड जन्नलपुर

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री बृजलाल पुत्र स्व० कानजी भाई 2. गिरीम कुमार पुत्र स्व० चुन्नीलाल मोनी निवासी 526, गरापा, जबलपुर (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कंजीन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकारण: -इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक किता पुराना मकान (गोदाम) एक मंजिला क्लाक नंधर 5, प्लाट नं० 33 नगर निगम 46९ जो कि उपरैन गंज ्वार्ड जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रम्म कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, भोपाल

विनांक: 28-6-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

करवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, भोपाल

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2698——ग्रन: मुझे, देवप्रिय पन्त.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नगर निगम नंबर 469 है, तथा जो उपरैन गंज बार्ड जबलपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 10 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उत्भत अधिनियम, की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) श्री हर्षवर्धन पुत्र श्री मोतीलाल सिंघई नेपियर टाउन बार्ड जबलपुर (म० प्र०)
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री किणोर कुमार (2) श्री निर्प्तिन कुमार दोनों पुत्न दलमतराम बसा. सराफा नार्ड चबलपूर (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा ही।

अनुसूची

एक हिस्सा पुराना मकान (गोवाम) एक मंजिला नजूल ब्लाक नंबर 5 नगर निगम नंबर 469 जो कि उपरैनगंज वार्ड जबलपुर में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-6-1982

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---- -

भायकर प्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० (श्रर्जन)/2699—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपर से ग्रीक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 2.2, 31 एवं 34:2 का भाग है तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रग्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य को उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रनिरग पंहुई किसी प्राय की बाबन, उ≢न प्रिष्ठिन नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रश्नित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्नित्यम, या धन-कर प्रश्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने म स्विधा के लिए।

अतः **बब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, धनुसरण** मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री हर्षवर्धन पुत्र सिंघई मोतीलाल परवार जैन निवासी नेपियर टाउन जबलपुर (म० प्रदेश) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुनील यादव, मुगील यादव एवं संजय यादव सभी पुत्र श्री हरी प्रसाद जी यादव नेपियर टाउन जबलपुर (म० प्रदेश) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

शहर जबलपुर के नजूल ब्लाक नंबर 4 के प्लाट नंबर 2: 2, 31 एवं 34: 2 का हिस्सा श्रौर उस पर बना मकान 1 नगर निगम नंबर 980: 1

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल् |

दिनांक: 28-6-1982

प्रकृप नाइ.टी. एन . एस . -----

जायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देण सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन) 2700—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्स्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 187 व 160/2 है, तथा जो शास्त्री वार्ड शनीचरा होंशगाबाद में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विंगित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, होशंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 3 दिसम्बर, 1981

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोन के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के बिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः भग, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1-) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रेवती प्रसाद वर्मा स्थ० कुन्दनलालजी वर्मा सा० कोठी त्राजार होणगाबाद तह० व जिला∽ होंणगाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनु कुमार दत्तक पुत्र श्री किशनलाल तिवारी वल्द श्री हेमराज तिवारी, पाखेडा तह० बुधनी जिला-सीहोर (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारो करके प्वॉक्त सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :

प्लाट नं । 187 एवं । 160/2 मोहल्ला शास्त्री वार्ड शनीवरा होंशगाबाद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 2-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2701—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं खसरा नं 5-50 है, तथा जो देवीगंज रोड़ थाना, स्रम्बिकापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रम्बिकापुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 21 नवम्बर, 1981।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिस्त उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए जिसी नाम की नाबत उथत निध-निमम के नधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीमत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) 1. रामकली बेवा स्व० श्री पं० चेतराम णुक्ला 2. श्रोमप्रकाश शुक्ला 3. शान्ता प्रसाद. शुक्ला 4. शान्ती दुबे 5. विनोद कुमार शुक्ला 6. प्रेम प्रकाश शुक्ला 7. विजय कुमार शुक्ला पैसरान श्री पं० चेतराम शुक्ला जाति ब्राह्मण सा० नगर श्रम्बिकापुर मोहल्ला देवीगंज रोड, धाना व तह० श्रम्बिकापुर, जिला सरन्गुजा (म० प्रदेश) ।

(मन्तरक)

े (2) सरदार सरवन सिंह भ्रात्मज श्री मनोहर सिंह, जाति सिख सा० नगर श्रम्बिकापुर मोहल्ला केदारपुर थाना व तह०ेग्रम्बिकापुर, जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश) ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त ,सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांचता में से किसी क्यांचित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तृ में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 5-50 भूमि देवीगंज रोड, थाना व तहसील श्रम्बिकापुर, जिला सरगुजा में स्थित ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, भोपाल

नारीख: 2-7-82

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

अगयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (अर्जन) 2702---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं व्यसरा नं 551 है, तथा जो सतीपारा श्रम्बिका-पुर में स्थित है (धौर इससे उपाबत अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रम्बिकापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21 नवस्बर, 1981

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बीद्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत[,], अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण गो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— (1) 1. मुस० रामकली देवी बेवा पं० स्व० चेतराम णुक्ला, 2. श्रोम प्रकाश शुक्ला, 3. शान्ता प्रसाद शुक्ला
4. श्रीमती शान्ति दुबे 5. विनोद कुमार शुक्ला
6. प्रेम प्रसाद शुक्ला 7. विजय प्रकाश शुक्ला पेसरान पं० स्व० चेतराम शुक्ला जाति ब्राह्मण सा० देवीगंज रोड़ श्रम्बाकापूर जिला-सरग्जा

(श्रन्तरक)

(2) 1. सरदार जसवीर सिंह श्रा० स० सखन सिंह 2. सरदार जगदीप सिंह नावा० वली पिता सखन सिंह श्रा० मनोहर सिंह जाति सिख सा० केदारपुर, श्रम्बिका-पुर, जिला सरगुजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित सतीपुरा श्रम्बिकापुर खसरा नम्बर 551

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, भोषास

विनांक: 2-7-1982

प्ररूप धाई० ठी० एन० एस०--

ग्रायकर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2703---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है,

ग्रौर जिसकी मं प्लाट नं 550 है, तथा जो देवीगंज रोड़, ग्रम्बिकापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बिकापुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 23 नवस्वर 1981।

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 नवम्बर, 1981। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिमत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम, के ग्रिश्चीन कर देने के श्रन्तरक के ग्रायक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विश्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः श्रव, उनतं श्रविनियमं की बारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनतं श्रोबेनियमं की बारा 269-घं की उपघारा (1) १९ ग्रधीनः निम्निनिखतं व्यक्तियों, ग्रयीन्:--- (1) 1. रामकली देवी 2 श्रीम प्रकाण णुक्ला 3. णाला प्रसाद णुक्ला 4. विनोद कुमार णुक्ला 5. प्रेम प्रकाण णुक्ला 6. विजय प्रकाण णुक्ला देवीगंज रोड तहरू श्रम्बिकापुर (गरु प्रदेश)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाण कौर पत्नी श्री श्रवण सिंह ग्रम्विकापुर, (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुई।।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 550 नजूल एवं नगर पालिका क्षेत्र तह० श्रम्बिका-पुर, मरगुजा में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 2-7-1982

त्रक्य बाइ . टी. एन्. एस. ------

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (धर्जन)/2704—-ध्रतः मुझे, देविशिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है, की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिषत वाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० खसरा नम्बर 705 का भाग है तथा जो चिक्ल-डीह वार्ड रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीकी बत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिषित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रतीन कर देने के भ्रम्य रक के वाधिस्थ में कभी करने या चंधसे वचने में बुविवा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या जन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर मिश्नियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-क के अनुसरण

में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाख (1)

क्रे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनोक: 2-7-1982

मोहर:

(1) श्रीमती बिन्नीबाई वल्द सुटक निवासी पुरानी बस्ती रायपुर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पदमचंद बल्द वगतावरमल निवासी महासमुन्द, जिला रायपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरूर करता हुए।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

खसरा नम्बर 705 का टुकड़ा प० ह० नं० 106 ब चिरुलडीह बार्ड, रायपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी गहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैग रेंज, भोपाल

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 जुलाई 1982

निर्वेश सं० माई० ए० सी० (मर्जन)/2705—म्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क बिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नम्बर 646/1 का टुकड़ा है, तथा जो चिरूलडीह वार्ड रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6 नवम्बर 1981।

को पूर्वेक्ति संपर्ति के उमित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपरित को उमित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन. विमनितिसत व्यक्तियों अधीतः——
14—206G1/82

(1) श्रीमती बिन्नीबाई वल्द धुटरू, निवासी पुरानी बस्ती, रामपुर (म० प्र०)।

(भन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार बल्य मूलचंद निवासी महासमुन्द, जिला रायपुर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सर्कोंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

खसरा नम्बर 646/1 का टुकड़ा प० ह० नं० 106 ब चिरूलडीह बार्ड रायपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-7-1982

मोइर :

प्ररूप आइ दि. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2706—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० खमरा नम्बर 646/1 का टुकड़ा है, तथा जो चिम्लिडीह बार्ड रायपुरमें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर, 1981।

को पूर्वों वस सम्परित के उचित बाजार से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों वत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्क अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बिन्नीबाई वल्द घुटक्, निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर (म॰ प्र॰)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेण कुमार वल्द धर्मचन्द, निवासी महासमुन्द, जिला रायपुर (म० प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ष्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खासरा नम्बर 646/1 का टुकड़ा प० ह० नं० 106 ब चिरूलडीह वार्ड रायपुर स्थित ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 2-7-1982

प्रकृप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन)/2707—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 646/1 तथा 705 है, तथा जो चिरूलडीह वार्ड रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक हप में होंथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती बिन्नीबाई वल्द घुटरू, निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर (म० प्र०)।

(म्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र बगतावरमल, निवासी महासमुन्द, जिला रायपुर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धमुसुची

भूमि खसरा नम्बर 646/1 तथा 705 का टुकड़ा प० ह० नं० 106 ब जो कि चिरूलडीह वार्ड रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 3-7-1982

प्ररूप आर्द्द .टी. एन .एस .------ग्राय कर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43)की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2708—म्प्रतः, मुझे, वेवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 646/1 का दुकड़ा एवम् 705 का दुकड़ा है, तथा जो चिरूलडीह वार्ड रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद प्रमुस्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 6 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिशत अधिक है और अन्तर्रह (अन्तर्हों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायिहव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य भ्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीविनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
 धन-कर श्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण कें, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें जभीन ग्रिन्निसित व्यक्तियों, अ्थित्:— (1) श्रीमती बिन्नी बाई वस्त घुटरू निवासी पुरानी बस्ती रायपुर (म० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल वल्द बगतावरमल, निवासी महासमुन्द जिला रायपुर (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की श्रविध या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्वध्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बड़ी भ्रथ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

नगत ची

खासरा नम्बर 646/1 का टुकड़ा एवम् 705 का टुकड़ा जो कि चिरूलडीह वार्ड रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्सं सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 3-7-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जनं)/2709——ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट नं 34/2 है, तथा जो रमाईयापारा जगदल-पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करनेया उससे बचने में सूबिधा केलिए; और/या
- (कां) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसद्ग्य में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ज्यीन, निम्नुसिचित् व्युक्तियों, अर्थातः—

- (1) 1. श्री रामबुलारे शुक्ला पुन्न कान्ता प्रसाद शुक्ला 2. श्री शिव सेवक पुन्न कान्ता प्रसाद शुक्ला 3. श्रोमती मायादेवी पत्नी गोविन्द प्रसाद निवासी रमाइयापारा (इंदिरा वार्ड) जगदलपुर (म० प्र०)।
- (2) श्री देवराज पुत्र खियासी शाह जैन मंदिर के पास, जगवलपुर (म० प्र०)।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंतों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्स्ची

प्लाट नम्बर 34/2 शीट नं० 62 रमाईयापारा (इंदिरा वार्ड) जगदलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 2-7-1982

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज पूना-411004

पूना-411001, दिनांक 8 जुलाई 1982 निर्देश सं० सी०ए०5/एस०ग्रार० हवेली II/नव०81/732/82-83 यत: मुझे, ग्रार० के० ग्रग्रवाल आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या एच ब्लाक प्लाट नं० 80 ए० है तथा जी एम० श्रार० डी० सी० पिपरी इंडस्ट्रियल भाग पुणे-411018 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली II में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन, तारीख नवम्बर, 1981, को पूर्वों क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीत्मल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का के रिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का के रिए जन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का के रिए है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक रियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से स्थित है और अन्तरिक (अंतरितों) की से प्रमें बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिसत उद्देश्य से उक्स अन्तरण जिसक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है । १०००

- (क) अन्तरण से हुंई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम् की घारा 269-ग के अनुसरण त्री, स्रां, स्थतः विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) अहे अधीन् हिन्दनसिचित व्यक्तिय्योत्, अर्थात् ■— (1) बलसन प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 'गायत्री 7' सुयोग कालोनी 464-ए गोरवाले रोड, पुणे 16।

(धन्तरक)

(2) मेसर्स मिनिएचर इलेक्ट्रिकल्स ए०-80, एच ब्लाक, एम० ग्रार० शै०सी० पिंपरी, पुण-411018।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके मे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

प्रापर्टी जो एच ब्लाक प्लाट नं० 80 ए, एम० झार० डी॰सी॰ पिंपरी इंडस्ट्रियल भाग, पुणे-411018 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 6249 जो नवम्बर, 1981 में दुय्यम निबंधक हवेली II के दफ्तर में लिखा है।

> श्रार० के० स्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-82

प्रक्ष नाई.दी,एन.एस्.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० भ्रार० इचलकरंजी/नयम्बर, 81/738/82-83—यत: मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से नधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या गली नं० 61 (1/3 हिस्सा) है तथा जो कबनूर त० हातकणंगले जिला० कोल्हापुर में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबब श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक इचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्बर, 1981।

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अजरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल किन्तितिवात उद्देश्य से उच्त बन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कृषित् नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी रैकसी जाय वा किसी भन या जन्य आहितयाँ को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया प्या वा वा किया वाता वाहिए था कियाने में स्रीवृथा के दिस्सूत्र

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः—

- (1) श्री कलगोंडा महादगोंडा पाटलि, कबनूर तहसील हतकगंगले जिला० कोल्हापुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीपती रामचन्द्र बडोंगे, सौ० पुष्पलता बाबासाहेब बडोंगे, मकान नं० 401, बार्ड नं० 10 इचलकरंजी जिला कोल्हापुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वृत्रीय के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ध--

- (क) इस सूचना के प्राथमन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में सुमाप्त होती हो, वें भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति वृवास व्यक्तिस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकारी।

स्पध्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पर्यों का, जो उच्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रापर्टी जो गली नं० 61 (1/3 हिस्सा) कबनूर ता० हतकणंगले जिला० कोल्हापुर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख %० 2695 जो नवम्बर, 1981 में दुय्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है।)

> म्रा^र० ^{के}० म्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-82

प्ररूप धाई• टी• एन॰ एस•----

भाषकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देण सं० सी० ए० एस०/एस० श्रार० इचलकरंजी नम्बर, 81/739/82-83—यतः मुझे, श्रार० के० श्रमावाल श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथ्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर ममाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्ष से प्रधिक है, और जिसकी सं गली नं 61 (1/6 हिस्सा) है तथा जो कथनुर, ता हातकणगले, जि. काल्हापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय द्यम निवंधक इचलकरंजी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और भन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त भ्रम्बिनियम के अभीत कर देते के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधः के लिय; और।
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;
- जतः जब, उक्त जाभनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के जभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों जभीत :---

- (1) श्री कलगोंडा महदगोंडा पाटिल, कबनूर तह० हातकणंगरे, जिला० कोल्हापुर। (भन्तरक),
- (2) श्री गणपतरं व ज्ञानोवा लायकर मकान नं० 72, बार्ड नं० 10 इचलकरंजी जिला कोल्हापूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के भार्यन के सम्बन्ध में बोई भी आखोप :---

- (क) इन सूबता के राजपत्त में प्रकाशन की वारीया से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इत युचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिल्लित में किये जा सकेंगे।

हपक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

ननुसूची

प्रापर्टी जो गली नं० 61 (1/6 हिस्सा) जो कबनूर ता० हातकणंगले जिला कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2699 जो नवम्बर, 1981 में दुय्यम निबंधक इचलकरंजी के दक्तर में लिखा है।

> भ्रार० के० भ्रभ्रवाल, संक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पुना,-411004, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए०-5/एस० भ्रार० इंजलकरंजी/ नवस्वर-81/740/82-83---यनः मुझे, ग्रार० के० श्रग्रवाल,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विख्वार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गट नं० 61 (1/6 हिस्सा) है तथा जो कबनूर ता० हातकणंगले जिला० कोल्हापुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्रिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक इचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाना (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः——
15—206G1/82

- (1) श्री कलगोंडा म्हदगोंडा पाटिल कबनुर, त० हातकणंगले, जि० कोस्हापुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुदीप अतिल वडीगे ग्र० पा० क० श्रीमती सिथ्ताई अतिल वडीगे मकान नं० 401, बार्ड नं० 10, हचलकरंजी जि० कोल्हापुर।

ः (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा गरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो गट नं० 61 (1/6 हिस्सा) जो कबनुर त• हातकणंगले, जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2696 जो नवस्वर, 1981 में दुय्यम निवन्धक उचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है।

> श्रार० के० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 8-7-1982

11

प्ररूप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. पूना

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० ६०-5/एस० श्रार० इचलकंग्जी नवम्बर 81/741/82-83--यत: मुझे, स्नार० के० श्रग्रवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. सं अधिक है

मीर जिसकी सं० गट नं० 61(1/6 हिस्सा) है तथा जो कबन्र त० हातकगंमले जि० कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय घुय्यम निबन्धक इंचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर,1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी अपने या समये बचने में स्विधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

(1) श्री कलगोंडा म्हदगोंडा पाटलि कबनुर, ता० हातकगंमले जि० कोल्हापुर (अन्सरक)

(2) श्री अजरंग रामघन्द्र वडीगे श्री मनोहरराम चन्द्र वडींगे बार्ड नं० 8, इचलकंरजी, जि० कोल्हापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो इस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

प्रापर्टी जो गट नं० 61 (1/6 हिस्सा) कबनुर, त० हातक-गंमले जि० कोल्हापूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2697 जो नवम्बर, 1981 में दुय्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रयबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

अतः अध उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देण सं० इ5/एस० ग्रार०-इचलकरंजी नवम्बर-81/742/82-83---यतः मुझे ग्रार० के० ग्रग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269—ख के प्रधीन सकम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० गटा नं० 61 (1/6 हिस्सा) है तथा जो कबनुर, ता० हातकणंगले जि० कोल्हापुर में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक इचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

की पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफाल के लिए उन्तरित की गई ही और मुफो यह विश्वास कारने का कारण ही कि यथा पूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिसत यशिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखन में वास्त्रिक स्था से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत ४४त प्रक्रितियम के भागीत कर केने के भम्बरक के प्राथित्व में क्यी करने या उससे क्यने ने सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य घारितयों की, जिम्हें भारतीय धामकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्टित्यम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कलगोंड़ा म्हदगोंडा पाटिल कबनुर, त० हतकनागले, जि० कोल्हापुर (मन्तरक)
- (2) श्री बाबासाहब श्रीसतराय वडींगे मकान नं० 401 वार्ड नं० 10 इवलकरजी जि० कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त समान्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करें 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर चवत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य स्थिति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी हरण.- -इससे प्रयुक्त सक्तीं और पदौं का, जो **उक्त** अधिनियम के अध्याय 20**-क में परिभावित** हैं, वहीं अब होगा, जो **उस अध्याय में** दिया गया है।

ग्रनुसूर्ची

प्रापर्टी जो गट नं० 61 (1/6 हिस्सा) कबनुर त० हानक-णंगले, जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2698 जो नवस्थर, 1981 में दुय्यम निबन्धक इचलकरं**जी के दे**फ्तर में लिखा है।)

> म्रार० के० भ्रम्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

विनांक 8-7-1982

मीहर:

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक ४ जुलाई 1982 नर्वेश सं०जे०-60/म्राजेन--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रोमिसेज नं 22-ए० प्लाट नं 7/1 पर है तथा जो जार्जटाउन एक्सटेशन स्कोप जे एल नेहरू रोड, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-11-1981

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ं (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री कल्यान कुमार घोष

(ग्रन्सरक

(2) श्री जोगेस सम्रदेवा श्री सुमेस सचदेव

(ग्रन्सरिती)

(3) वह व्यक्ति जिसके श्री ग्रिधभोग में सम्पत्ति है उपरोक्त विकेता

को यह सूचना **जारी करकं पृत्रों क्स सम्प्**रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माहित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्राधा र्हे हिस्सा रूमकान नं 22-ए० जो कि प्लाट नं 7/1 पर तामीर है तथा 836 ुवर्गमीटर—1000 स्क्वायर यार्ड है जो कि जार्ज टाउन इक्सटेंशन स्कोप जे० एल० नेहरू रोष्ट इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी सं० 5244 में वर्णित है है जिसका पंजीकरण सब रिजस्टार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 27-11-1981 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण)
भ्रार्जन क्षेत्र लखनऊ

दिनांक : 8-7-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ,दिनांक 8 जुलाई 1982

जी० ग्राई० ग्रार० सं० डी०-42/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली भूमि है तथा जो सिविल लाइन मुरादाबद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-1982

को पृष्टों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिक्का, निम्नितिसित उद्वेषेय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दर है किसे हैं विश्वा के विश्वास के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) (1) श्री भ्रशोक कुमार जैन
 - (2) श्री मस्टर राहुल द्वारा मुख्तारेग्राम श्रीमती सरोज गुप्ता
 - (3) श्री मली कुमुद जैन
 - (4) श्रीमती बीना ग्रोवर

(अन्तरक)

(2) श्री विनेश चन्द्र जैन श्री श्रीलोक कुमार जैन

(अन्तरिती)

(3) वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै :— परोक्त द्वान्सफरी अन्तरक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिक्ष के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवाँ कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दृशास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--- इसमा प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त दिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली भिम जो कि 664.65 स्मवायर मीटर है जो कि मोहल्ला सिविल लाइन मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण से डीड व फार्म 37 जो संख्या 6902 में वर्णित है जिसका रिजस्ट्रेशन सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 13-11-1981 को किया जा खुका है।

ए० प्रसाव सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उप्यागः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप बार्इं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

शारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 जुलाई, 1982

जी० श्राई० श्रार० सं० जे-61/ग्रर्जन—श्रतः मुझे ए० प्रसाद' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 44 (पुराना) नया नं० 58 है तथा जो थाना हिलरोड, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीनदिनांक 12~11-981

को नूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण त हुई फिसी शास यी बाबत, उपत करिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे **बचने में सृविधा** के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;
- अक्षः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दिवाकर श्राचार्या
 द्वारा मुख्तारे श्राम व श्रीमती खेया श्राचार्या,
 - (2) श्रीमती दीपा प्राचार्या
 - (3) श्री संजय श्राषार्या हारा मुख्तारे श्राम माता जी श्रीमती दीपा श्राषार्या

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जोगेश सचदेव
 - (2) श्री सुमेश सचवेव

(श्रन्तरिती)

3. वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है : उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपं:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 0 44(पुराना) 58 नया जो कि 1254 वर्गमीटर है स्थित थाना हिल रोड इलाहाबाद एवं जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जी संख्या 4967 एवं सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 12-11-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षय प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्स (निरक्षिण) धर्णन क्षेत्र; लखनऊ

दिनोक : 8-7-1982

मोहा<u>र</u>ः

प्रकृष आहें टी. एन. एस. -----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० 3212—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो मालरोड, कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के का 16) के श्रधीन, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ते यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्वेश्य से छक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों गर्ने, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्∷— (1) श्री धाव सिंह उर्फ देविका पत्नी बरजिन्द्रा सिंह वासी कपूरथला/मार्फत बरजिन्द्रा सिंह----27, सुन्दर-नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री जोगिन्दर सिंह जरनैल सिंह पुत्र पल सिंह वासी बन्धू चाहल, जिला कपूरथला
- (3) जैसा कि ऊपर नं2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रध- भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में धिच रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हिनबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध मा सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिएः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर शक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2145 दिनांक नयम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

दिनांक : 9-7-1982

मोह्नर:

प्रक्ष बाह् . टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 9 जलाई, 1982

निदेश सं० ए० पी० 3213—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० जैसा, कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में

रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन.

दिनांक नवम्बर, 1981

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक क्य से कि धित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-मियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (i) श्रीमती ऊषा देवी पत्नी हरिमन्दर सिंह वासी कपूरथला द्वारा बरिजन्द्र सिंह वासी—27, सुन्वर सगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) (1) दीन नाथ पुत्र भुमन राम (2) रोशन लाल पुत्र दीना नाथ, वागी कपूरथला ।
- (3) विद्या पुत्नी दीनानाथ, कपूरथला (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियर गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2146 दिनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

> जै० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालधर

दिनांक : 9-7-1982

प्ररूप आहु⁵.टी एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० 3214,—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें एक्स प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अविक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है कि तथा जो कपूर-थला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पर्तित को उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अकने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण भौ, पौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अथिक्तयों, अर्थात् :---16—206GI/82

- (1) श्री डान सिंह उर्फ देविका परेनी बरिजन्द्रा सिंह वासी कपूरयला, मार्फंत बरिजन्द्रा सिंह वासी—27, सुन्दर नगर नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डिप्टी धनन्द, जज कुमार पुत्र नवल किशोर व नीरा धनन्द पत्नी सुशील कुमार वासी—शेखपुरा, कपूरथला

(श्रन्तरिती)

- (3) जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

भग्रुपा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2149 दिनांक नवम्बर---1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, जालधर

दिनांक : 9-7-1982

मोह्रर :

प्ररूप आर्था. टी. एना. एस . ------

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० 3215— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उत्वरिय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण भौ, भौ. उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात्:---

- (1) श्री डान सिंह उर्फ देविका पत्नी क्षरजिन्द्रा सिंह वासी कपूरयला/मार्फत बरजिन्द्रा सिंह 27—सुन्दर नगर, नई दिल्ली ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती राजरानी पत्नी सतपाल
 2. ग्रगवनी कुमार पुत्र सतपाल, मोहरूला भलकाना, कपूरथला ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किंच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रवासिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2150 विनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालंधर

दिनांक : 9-7-1982

प्रक्ष भाइ.टी.एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रज. जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० 3216—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है कि तथा जो कपूर-थला में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कपूर-थला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: +

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की वाबत, अक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अवने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्थिमों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए
- अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, क्यीत् :—

- (1) श्री दान सिंह उर्फ देविका पश्नी बरिजन्दा सिंह वासी कपूरथला मार्फत, बरिजन्द्रा सिंह, वासी—27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जै गोपाल पुत्न लहोरी लाल व सरोज बाला पत्नी जै गोपाल वासी—कपूरथला

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो (। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धाहस्ताक्षरी के पास लिएका में किए जा ककोंगे।

स्थाका करणः — इसमें प्रयुक्त शास्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2725 विनांक दिसम्बर, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी क्पूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहयक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर ।

विनांक : 9-7-1982

प्रकृष् भाषां. दी. पुन्. पुत्.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० 3217—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 राज्ये अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूर-थला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नृहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बुक्ने में सुविधा के किए; जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभास (1) के अभीन निज्नितिशिक व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री डान सिंह उर्फ देविका पत्नी वरजिन्द्रा सिंह, मार्फत बरजिन्द्रा सिंह, 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नीलम चोपड़ा पत्नी श्रमोक चोपड़ा व रीतु चोपड़ा पत्नी राम कुमार, वासी कपूरथला

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

का वह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संस्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्- वहुंध किसी बन्य व्यक्ति हुनारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पृक्तीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नमुक्ते सध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हु⁴।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2730, विसम्बर, 1981 को रजिस्द्रीकर्ता ग्रंधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 9-7-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं ए० पी० 3218—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है, तथा जो होशियारपुर में स्थित है ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप) से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, होशियारपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा को लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अके अधीन निम्नित्थित व्यक्तियों, मधीत् ;—— (1) श्री तरमेम सह्गिल पुत्र ग्रमर चन्द, आमी माडल टाउन, होशियारपुर। जी०ए० ग्रॉफ ग्रवतार सिंह

(भ्रन्सरक)

(2) श्री गुरबचन सिंह पलाहा पुत्र श्री मलूक सिंह पलाहा वामी गुरू नानक नगर, होणियारपुर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि जाखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तैं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 3283, दिनांक नवम्बर—1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी होणियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 9-7-1982

मोहरू

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज जालधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश नं ए० पी० 3219—: यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंतर्जे इंसके परवात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हूं), की भारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, वृह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावप्र संगीत्त जिसका उचित गांचार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो फग-वाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्ति (अन्ति दिवाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कड़ने या उससे बुजने में सुनिया के लिए; शौड/या
- (क) ऐसी किसी आग्र मा किसी भन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आग्रकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में स्ट्रैनभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरशपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह, वासी सतनामपुरा, फगवाड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह मुद्र संत राम वासी गांव ग्रम्ब, त० ऊना

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वहसम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्दित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुए।

उनव बन्धरित को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस बुष्ता के राज्यप्त में प्रकादन की ताडीज से 45 दिन की नवीच वा तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की साबीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया क्या है।

भनुतुची

सम्पत्ति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2030 दिनांक नवम्बर, 1981 की रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज जालंघर,

विनांक : 9-9-1982

मोह्न 🖫

प्रकृष् नादी, दी. एन्.; एस. ------

अप्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के स्भीत स्मता

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3220---यतः मृक्षे, जे० एल० गिरधर,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अनेत विधिनियम' नहा गया हैं), की भाड़ा 269-म को वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाचार मूख्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (श्रौर इससे ज़्पाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नदम्बर 1981

को पूर्विक्स सम्पृत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और जुम्मे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का जियत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीव एसे अन्तरम् के लिए तब पावा गवा प्रति-फल, निम्निसिक उद्देश से उस्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक कप से साथस नहीं किया गवा है :--

- (क) जन्तरण से झुई किसी जाय की वायत उक्त आधि-नियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी कड़ने या उत्वे ब्यने में सृदिधा के हिन्दे; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए और/या

नतः सद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित :-- (1) कैलाश अन्द पुक्ष टेक चन्च मारफत मैं सर्स भीरवलचास, टेक चन्द जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घ्रलोक सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी 3--ए न्यू गोविन्द गढ़ जालंधर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके प्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रुखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिन से 30 विन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्वकातिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विभिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होंगा को उस वश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाय नं० 8 हिस्सा जो पुराना जबाहर नगर में स्थित है (10 मरले) जैसा कि विलेख नं० 5124, दिनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी जालंधर में है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक : 13-7-1982

प्ररूप अधि हो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज जालन्धर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3221—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 190 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तेष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के ज़न्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयां था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्ः—

- (1) श्री रनबीर सिंह पुत्र बहाक्द शिंह द्वारा जनरल श्रटोरनी श्री दीपक खन्ता पुत्र खान चन्द नजदीक सम्ता लोहा स्टोर, नकोदर रोड, जालंधर (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृलदीय सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह ग्रीर मतीण कुमार पुत्र श्री रामचन्द श्रीर बलविन्दर सिंह पुत्र दियाल सिंह वासी सैदा गेट जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिशोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रराजी 3 कनाल श्रौर 3 मरले गांव खुरला जैसा कि विलेख नं 5009 दिनांक नवम्बर, 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारीजालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 9-7-82

प्रकृष आर्थः, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालंधर, दिनांक १ जुलाई 1982

निदेश नं ० ए० पी० न० 3222—यन: मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक स्पार्ट किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य ों कभी करने या उससे यंभने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनूसरण** में, में. उल्ल अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन दिस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात—-

- (1) श्रीमती राजकुमारी पत्नी पूरन मल बल और श्री हरीशबल पुत्र पूरनमल बल यामी उक्ष्यु० शी०-325 अगांत्रस्थ रोड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ बलबीर सिह पुत्र हरी सिह 235 बगाउरथ रोड, जालन्ध्रर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (1) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह क्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नम्स्ची

सम्पत्ति नं० डब्ल्यू० डी०235 बरांउरथ रोड जालन्धर जैसा कि विलेख नं० 5087 दिनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्री-कर्ना ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-7-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर. दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3223--यन: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देशन से उचन अन्तरण विक्तित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या लगमे बचने में यिषधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उड़न अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात है——

- (1) श्रीमती तलविन्दर कौर विधवा कुलजीत सिंह वासी—300, एल० मडल टाउन जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहिन्द्र प्रताप सिंह पुत्र गुरदीत सिंह ग्रीर प्रीतम सिंह पुत्र हवेला सिंह श्रीर चरणजीत सिंह पुत्र वीयन्त सिंह वासी -56 बरऊन रोड, लुधियाना । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रराजी 3 कनल, 18 मरले गांव खुरला जैसा कि विलेख नं० 5157, दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-7-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3224—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उसत अन्तरण लिश्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्धरण से हुई ज़िली जान की नानत उनत निध-निवन से नधीन कहा दोने के बन्धरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्ज अन्तिरती बुवारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र बसन सिंह वासी—बस्ती दनीणभानन्दन,जालन्धर

(घन्तरक)

- (2) श्री ग्रलम जीत सिंह पुत्र ईन्दर मोहन सिंह वासी—गली नं० 4 सैण्टर टाऊन जालन्धर । (मन्तरक)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी भरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्म तत के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रराजी 47 मरले वस्ती दनीशमानदंग जालं-धर जैसा कि विलेख नं० 5244, दिनांक नवस्बर 81 को जालंधर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

नारीख: 9-7-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्काद

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 ज्लाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3225—यत: मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे ग्रानुसूची में लिखा है। तथा जो जालंघर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रानु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधि-कारी के कार्यालय जालंघर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नारीख नवम्बर 1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उिषत बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित्य में बास्तिबक रूप से किथा गया है :—

- (क) ग्रमारण से हुई किसी आय को बाबत; उक्क ग्राधिक नियम के ग्राधिन कर देने के ग्रम्लरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखनियम, या धन-कर ग्रिखनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कंबर जीत सिंह पुत्र डा॰ ग्रात्मा सिंह, कोठी नं॰ 10 गुरु नानक नगर नजदीक माडल टाउन, जालंधर

(अन्तरक)

- (2) मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, वासी कोठी नं० 1, गुरु नानक नगर नजदीक माङल टाउन, जालंधर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है।
 (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किशी श्रन्य व्यक्ति द्वारा घड़ोहस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 9 (हिस्सा) गुरु नानक नगर जालंधर जैसा कि विलेख नं० 5388 दिनांक, नवस्वर 81 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालंधर

तारीख: 9-7-82

प्ररूप बाई० डी• एन० एस⊸

मायकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रह्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3227—यन : मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैमा कि नीचे श्रनुसूची में निखा गया है जो कोटकपुरा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोटकपुरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का का 16) के श्रिधीन तारीख 1981।

को पूर्वोक्षन सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कमके प्रसि दृश्यमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत् अधिक है प्रौर मन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरित (भन्तरित्यों) के बीच गूम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण निवित में वाम्नविक रूप में कथिन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण यं हुई किसा आध्य की बाबत उक्त आखि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ मे कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्ध भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उनत निधनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिचित व्यक्तियों,, अधीतः:---

- (1) श्री नाजर मिह पृत्र श्री हजुरा सिह, वासी कोठी वाररींग कोटकपुरा, जिला फरीसकोट। (श्रन्तरक)
- (2) दर्शन सिंह, हरदेव सिंह सपुत्र श्री करनार सिंह वासी बानन नगर, फरीदकोट रोड कोटकपुरा जिला फरीदकोट । (श्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसकेग अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वेक्त संपित्स के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविश्व बाद में समाप्त होसी हो, के भोतर एनोंकर कावित्यों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के शीन उक्त स्थायर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य अक्ति द्वारा, मधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का जा सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रराजी 14 कनाल 7 मरले गांव कोटकपुरा जैसा कि विलेख नं० 3288 नवम्बर 1981 को राजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 9-7-82

प्ररूप श्राई० टी० एन● एस•---

माप्रकर भिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (२) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3227—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 369-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित जातर मृहय 25,000/- हमये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव राहो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवां शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के अवित बाजार मृष्य से कम के वृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृहन, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकत का परवह प्रतिगत से अविक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच केने अन्तरण के लिए तम क्या गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शय ने अवा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत **एक्त अधि**-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उनत अधिनियम की बारा 269न्य के बनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-मकी उपवास (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्रीराम पुत्र श्री बसंत राम वासी गांत्र राहो, त० नवां ग्रहर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री ज्ञान चन्द पुक्ष भगत राम गांव राहो त० नवांशहर
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजाब में अकाशन की नारीख से 43 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ह राज्यत्र में प्रकारन को तारीख से 48 दिन क भीतर उक्त स्थातर सम्बन्ति में हितबद किसी अस्य स्वक्ति द्वारा, प्रशंदस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

ह्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2966 दिनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

दिमांक : 9-7-1982

प्रकल्प आर्थः दी. एन्. एस.

बागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज जालंधर

जालंधर दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3228--यत:, मुझे, फे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव रोही में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नवांगहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवस्थर 1981।

को पृथा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंदृह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अवदिष्य मे उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिजाने में सुविधा के सिए;

श्रतः अव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री श्रीराम पुत्र श्री बंसत राम वासी गांव राही तहसील नवांशहर

(भन्तरक्)

(2) श्री हुशन लाल पुत्र श्री भगत राम वासी गांव राहो तहसील नवांशहर

(अन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्किया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2969 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 9-7-1982

प्ररूप आह्र . टी . एन . एस . -----

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3229---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कृता गया है), की धारा 269-के के अधीन मंजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का काण्ण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रीष्ठक है

स्पर् म भाग्रक हु

ग्रौर जिसकी मं० जैमा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो
नंगल नरण गढ़ जिला कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबड

ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,

1908 (1908 क 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के निए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

ग्रुश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्छ प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों)

शीर श्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए

तथा पात्रा गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से द्वत बन्तरण

लिखिन में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रक्रितियम के प्रजीन कर देने के प्रश्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सभा चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उकत ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रम्सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम को प्रत्य 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधृति:—— (1) श्रीमती संतोष कुमारी पुत्री श्री चंरजी लाल वासी कपूरथला

(श्रन्तरक)

(2) मर्सार्च स्रम्भवाल एग्रीकल्चरल फार्म, क्पूरथला द्वारा श्री परवीत कुमार गुप्ता, क्पूरथला

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति ही)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किएजा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयें होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2212 दिनांक नवम्बर 1981 को रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० ए.ल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 9-7-1982

भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्र युक्त (निरीक्षण) जालंधर, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3230—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका हरित बाजार मूख्य 25,000/- उ॰ से श्रीष्ठक है और जिसकी सं० जैसा कि प्रानुसूची में लिखा है जो गांव नंगल नरैण गढ़ जिला कपूरथल में स्थित है (भीर इससे उप बढ़ प्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुझे यह बिज्वास करने का कारण है कि यथापृष्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठिम नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---18--206 31/82 (1) श्रीमती मंतोष कुमारी पृत्री श्री चंरजी लालबासी उपरथला

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज अग्रवाल एग्रीकल्चरल फार्म वासी कपूरथला द्वारा श्री प्रथीन कुमार गुप्ता श्री गोपालदास वासी कपूरथला

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभांग में संपक्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधेहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यग्रिशों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 2244 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 9-7-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

गायकर ग्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जासंधर, दिनांकः 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3231 --- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी काँ, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रुत. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोदीपुर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामपूरा फूल, में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विदवास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य . उसके धरयमान प्रतिफल से , एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मो कमा करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बीह/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री तरलोक सिंह पुत्र सूचा सिंह वासी गांव मोघी-पुरा, तह् रामपुरा फूल, जिला भटिण्डा ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्री सुखादेव सिंह पुत्र गुरनाम सिंह, वासी मोदीपुरा, तहसील, रामपुरा फूल, जिला भटिण्डा । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति., जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता हो। (बहु व्यक्ति जिसके बारे में श्रधी हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यष्ट सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता ह्या

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित म किए जा सकरंग।

स्पन्नीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुते अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं० 3407 दिनांक विसम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी रामपुरा फूल, ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रार्जन रेंज, जालंधर

क्षतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थास् :--

दिनांक: 13-7-1982

प्ररूप माई• टी• एन• एस•-

थ्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंघर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3232--यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

पृथींनत सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्राप्तिति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है भीर पन्तरक (मन्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रस्तरितियों) के भीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छेदेश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तिविक छप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (चा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त निधिन्यमं, की भारा 269-न के ननुसरन में, में ,उक्त निधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिसित् व्यन्तियों, नुधीत् ६---- (1) हरजीत कौर विधवा इकबाल सिंह वासी हरिन्द्र नगर, फरीदकोट ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कुनवीप कौर पत्नी लखविन्द्र सिंह भुल्ला एम० ई० एस० ठेकेदार सामने पी श्रीर टी कवार्टस सिविल स्टेशन भटिङा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जितके प्रधिभोग में सम्पति है)

(4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (व व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्तः कारी जानता है कि वह सम्पति में हिन्न बस्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैत के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि वियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जन प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1/2 हिस्सा 1 हजार मुरबा गज जो भटिण्डा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5036 नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंबर

दिनांक: 13-7-1982

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3233—यनः मझे, जे० एल० गिरधर,

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/ रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमसी हरजीत कौर विकेवा इकवाल सिंह वासी हरिन्द्र नगर, फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लखविन्द्र सिंह भुल्लर पुत्र साधु सिंह एम० ज ई० एस० ठेकेदार सामने पी श्रीर टी कवाटरस सिविल स्टेशन भटिण्डा।

(अन्तरिती)

ज (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

को यह स्वना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1/2 हिस्सा 1 हजार मरबा गज जो भटिण्डा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5115 विनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहामक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 13-7-1982

मोहरु ः

प्रकृष आई» टी॰ एन॰ एस०--

श्रायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269-घ (1) के प्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिणः) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3234---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

न्नायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा है जो जैतो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह त्रिष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (य-रक्तों) गौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के गोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, लिम्नलिचित उरेएय । उसन पन्तरम लिखिन में यास्तिक रूप र निधन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में दुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के ायित्व में कमी करने या प्रससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (सः ऐनी किसा आज या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रापकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रक्ट नहीं किया प्रयो था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियभ की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री हरभजन सिंह पुत्र तरलोक सिंह, वासी जैतो (अन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल पुत्र मेला लाल, रामजी दास, रोशन लाल पुत्रान फूमन मल, राकेश कुमार पुत्र साधु राम, वासी जैतो ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिशासित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 18 कनाल, 14 मरले जो जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं 0 1456 दिनांक दिसम्बर, 1981 को रजिस्ट्री-कर्त्ता स्रधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, जालंधर

दिनांक: 13-7-1982

मोहरः

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के प्रधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3235--यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

भागकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्त्वीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जैसो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उन'ह वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिया प्रधिक है प्रौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) श्रीर प्रस्तरित (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरक निखित में यहतिक कुप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण म दुई किसी श्राय की बाबत उबत प्रधिनियम के घ्रघीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्रास्ति को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या श्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा जियाने में सुविधा के सिए।

प्रतः यव, उपत अधिनियम की वारं 269-ग के वमुत्तरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीत. विस्तिलिङ व्यक्तियां, अर्थात्—

- (1) श्री शुरचरण सिंह पुत हरमजन सिंह शासी जतो। (अस्तरफ)
- (2) श्री सोह्न लाल पुत्र मेला राम, रामजीदास रोशन लाल, पुत्रान फूमन सिंह, राकेश कुमार पुत्र साधुराम वासी जैतो

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तियों में से कियो क्यिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा कि किमी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त स्रिक्ष-नियम', के अन्याय 20-क में परिमाधित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रराजी 13 कनाल, 12 मरले जो जैतो में स्थित है जैसा कि विलेखनं० 1457 दिनोक विसम्बर 1981 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जैतो में लिखा है

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनाक : 13-7-1982

मोह्रद् 🚁

प्रकप आई। ही। एक। एक।----

भ्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ३६ १-५ (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालंधर जालंधर, दिमांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3236—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित व जार मूल्य 25,000/- रुपये से बाधिक हैं और जिसकी सं० जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (ग्रीर इस से उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन. विनांक दिसम्बर, 1981।

को प्वांवित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वांवित सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) प्र उत्तन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री भारत भूषण पुत्र वेदराज वासी जैतो। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रन्तकौर पत्नी हरभजन सिंह पुत्र तरलोक सिंह वासी जैतो।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभागि में मम्पत्ति है)
- (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखना है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हिसबबुध है)

को यह सूच्या शारा करहपूर्वीता सम्पत्ति क धर्जन के लिए कार्यवाहियों करताहूं।

अन्त तम्मलि के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तीनः ---

- (क) इस स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को उक्त घिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिधाकित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची.

सम्पत्ति घराजी 16 कनाल 18 मरले जो जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 1458 दिनांक दिसम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, जालंघर

> > . . .

दिनांक: 13-7-1982

मोहर ः

प्ररूप आहु . टी एन . एस . -----

णायक ए विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन न्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3237—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपंतित जिसका लिचत बाजार मृत्य 25,000/- क म अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जतो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा भैं सिए॥

भतः प्रव, उक्त प्रिविनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राकेश कुमार पृत्र हरीकृष्ण वासी जैतो। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री परमजीत सिंह पुत्र गुरखरण सिंह वासी जैतो। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि अधर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उद्यक्षि, जो भी अवधि बाद में सगप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दशारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सक²गे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा हैं ॥

अस्स्ची

सम्पति जमीन 16 कनाल, 18 मरले जो जैसो में है। जैसा कि विलेख नं० 1459 दिनांक दिसम्बर, 1931 को रजिष्ट्रीकतों श्रिधकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 13-7-1982

आयकर अधिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालंधर

जालंधर दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3238---थतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,000/-रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनूसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय जैतो में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देदिय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री यणपाल पुत्र हर ग़ोविन्द राय वासी जैसो । (श्रन्तरक)
- (2) श्री लखिबन्द्र सिंह पुत्र गूरचरण सिंह वासी जैतो। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग् में मम्पिरित हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भाष्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति जमीन 16 कनाल 18 मरले जो जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 1460 दिनांक दिसम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

विनांक: 13-7-1982

प्रकर बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक्य) अजन रेंज जालंधर

जालंधर दिनांक 13 जुलाई 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3239--यतः मूझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं जैंसा कि नीचे धनूसूची में लिखा है तथा जो जैंसो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनूसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा धिषकारी के कार्यालय जैंसो में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पृथों कत संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भृतः सब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण के बनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हिम्नलिखित

- (1) श्री विनोद कुमार पुत्र हरबंस लाल वासी जैतो। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री बलदेव सिंह पुत्र गूरचरण सिंह वासी जैतो। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगु में सम्पृतित हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्मित्त में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हित्बव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी खूसे 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मृद्धिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसूची

सम्पत्ति भराजी 16 कनाल 18 मरले जो जैतो में स्थित है जैसा कि बिलेख नं० 1461 दिनांक दिसम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी जैसो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज जालंधर

विमांक: 13-7-1982

मोहरः

प्रक्षम धाई॰ डी॰ एग॰ एस॰---धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, विनांक 13 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3240—यतः **मुझे, जे० एल०** गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जतो में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षेत्र दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबंत उक्त श्रीविषय के भ्रीति कर देने के सन्तरक के प्रामिश्य में कभी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रत्य अपस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अखिनियम, या धन-कर ग्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरूण में, में, उक्त पश्चितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन, निम्नलिखित स्यन्तियों अर्थातः—

- (1) श्री बखतौर सिंह पुत्र ढुला सिंह वासी जैतो (मन्तरक)
- (2) श्री यशपाल पुत्त हर गोविन्द राय विनोद कुमार पुत्र हरबंस लाल राकेश कुमार पुत्र हरीकिरशम भारत भूषण पुत्र वेदराज मार्फत मैंसर्ज और वी स्टील रोलिंग मिल्ज जैतो

(प्रन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शासेप :---

- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (या) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

धनूसूची

सम्पत्ति प्रराजी 84 कनाल 4 मरले जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं 0 1504 दिनांक दिसम्बर 1981 को रजिस्ट्री-कर्सा ग्रिधिकारी जैतो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायूक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज जालंधर

दिनांक: 13-7-1982

प्ररूप आ**र्द**. टी. एन. एस.-----ग, 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3241—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सक्षप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० जसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो जैंशो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जैंतो भें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का पश्चह प्रतिसत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से धुई किसी श्राय की बावत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के धग्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती मुखदेव कौर पृत्नी हरदयाल सिंह वासी बाजा खाना, तहसील जैतो ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री यणपाल पुत्र हरगोबिन्द राय, विनोद कुमार पुत्र हरबंस लाल, मार्फन मैसर्ज श्रार० बी० स्टील रोडिंग मिल्स जैतो ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध है)

को यह **मूचना जा**री करके पृर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रजं**न के लिए कार्यवाहियां **कर**त⊬हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन है सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोशस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदी का, जो उन्त श्रधितियम के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस धव्याय में वियागया है!

वनसूची

सम्पत्ति जमीन 16 कनाल जो जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 1515 दिनांक दिसम्बर 1981 को रजिस्ट्री-कर्त्ता में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 13-7-1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस●---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जालंधर

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश स० ए० पी० 3242—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1981।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्ष कि मिनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक अप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से ृई किसी प्रात्की काबत, उक्त श्रीवित्यम के प्रधीन कर दने के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्किया कीलए; और/या
- (ब) ऐसी किए आर मा किसी धन पा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः प्रव, उक्त ग्रिधिनयम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (i) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रियति :---

- (1) श्री हरी चन्द पुत्न श्रोम प्रकाश व चिरंजी लाल पुत्र परस राम, वासी कपूरथला। श्राफ मैसर्ज जे० लक्ष्मी राईस मिल्ज, कपूरथला। (ग्रन्तरक)
- (2) मैमर्ज जिव शक्ति ट्रेंडिंग कम्पनी कपूरथला मार्फत राम ल्भाया पुत्र भ्रमर नाथ, वासी गरैंज मार्कीट, कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्तिः जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (बह व्यक्ति, जिमके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे निस् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पथ्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2225 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासंघर

दिनांक: 15-7-1982

प्ररूप धाई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

भायकर अक्षिणियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 268-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकःर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ए० पी० 3243—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में घणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वसि करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भविक है भौर भन्तर्क (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने दुई किसी आयं की बाबत उक्त श्राधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मै उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--

(1) श्री हरी चन्द पुत्र भोम प्रकाश व चिरंजी लाल पुत्र परस राम, वासी कंपूरयला । ग्राफ मैसर्ज जे० लक्ष्मी राईस मिल्ज कंपूरथला ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज शिव शक्ति ट्रैंडिंग कम्पनी कपूरथला द्वारा प्रवीन कुमार पुत्र श्रोम प्रकाश वासी गरैन मार्कीट कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (बहु ज्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्स के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी व से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पन्धीकर्ग :--इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ट नियम के बन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस मन्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2256 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

अक्य बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जे सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 15 जलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3244—ग्रतः मूझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा वथा है), की बारा 269-छ के प्रधीन सबाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धिषकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण धिष्ठित्वम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से पिषक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निष्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त शक्षि-नियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना वाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निस्तिशिक्ष व्यक्तियों, सुमृद्धिः— (1) श्री हरी चन्द पुत्र श्रोम प्रकाश श्रीर परंजी लाल पुत्र परस राम वासी कपूरथला श्राफ मैसर्ज जे० लक्ष्मी राईस मिल्ज, कपूरथला।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्ज शिव शक्ति ट्रेडिंग कम्पनी कपूरथला द्वारा सुभाष कुमार पुत्र प्यारा लाल वासी गरेन मार्कीट, कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2261 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

माहर ह

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनीयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3245—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो दनुहा रोड़, होणियारपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—— (1) श्री प्रेमणरी दास एत्र फभी राम वासी गांव नलोइया, होणियारपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम्ण कुमार डोगरा पुत श्री रमेश चन्द्र डोगरा श्रीर श्री महेश चन्द्र, राजेश चन्द्र सुपुत श्री शादीराम मार्फत मैसर्ज डोगरा रोसयत फैक्ट्री, दसूहा रोड़, होशियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि अपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, ज़िनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्स दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3282 दिनौंक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी होशियारपुर में सिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रत्युक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनाक 14 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3246--ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

ग्रायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिन्नियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित व(जार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है है तथा जो जेतू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय जेतू में रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण निक्ति के बास्तिक कप से किवत महीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के आभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अध्वरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिकत व्यक्तियों, अर्थात् हे—- 20—206GI/82

(1) श्री करतार सिंह मुपुत्र श्री हरनाम सिंह वासी पही कुण्डो, जेतू ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा रानी पर्ता राजेण कुमार इमरती देवी पत्नी धर्मपाल स्त्रीर श्री राज कुमार, रामेण कुमार सपुत्र श्री धर्मपाल वासी जेतू।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बृह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पृत्ति हैं)

(4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के खिद् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप धन्न

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त गव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

सम्पत्ति अराजी 7 कनाल 18 मरला गांव जेतू जैसा कि विलेख नं 1327 नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी जेतू में लिखा गया।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जासंधर

दिनांक: 14-7-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) भ्रजीन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 जुलाई 1982

निर्देश मं० ए० पंा० नं० 3247—यतः मुप्ते, जे० एल० गिरधर,

वामकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कार 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेमनाथ गुप्ता सपुद्र डा० राम प्रसाद गुप्ता वामी भटिण्डा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री दिविन्त्र मोहन वकील संपुष्ट राम प्रसाद, श्रासी दिस्पल, भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके नारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

क्ये यह सूचना चारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीझ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की बस्धि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति प्रराजी मकान नं एम सी 2036, भटिण्डा जैसा कि विलेख नं 5312 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिण्डा में लिखा गया।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम भाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

विनांश: 14-7:1982

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर निधानस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 14 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3248—यतः मुझी, जे० एल० शिरधर, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के नभीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो संगल सोहल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्चत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के अधि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिंद;

क्तः गव, उक्त गिंपियम, की भारा 269-ग के अनुंसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री कर्ग सिंह पुत्र जै सिंह, वार्सा संगल सोहल तहसील जालंधर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा गशो गुष्ता पुत्रा मधनलाल व सताम कुमार गुष्ता पुत्र हरबंस लाल, वासा कोठा नं० 4, महाबार मार्ग कपूरचला ।

(ग्रन्तरितः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति संस्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ६वी का, जो उक्त विविधित के संभाष 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

सम्पत्ति प्रराजाः 25 कनाल जो कि गांव मंगल सोहल में स्थित हैं तथा व्यक्ति जैसा कि धिलेख नं० 5032 दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्राकर्ना प्रधिकारः जालंधर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम ऋधिकार्रः सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंघर, दिनांक 14 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3249—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन, दिनांक

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्यू से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्यू, उसके द्रियमान प्रतिकल से, ऐसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया ग्या है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्री भगवान सिंह सुपुत्र लाभ सिंह वासी ई० श्रार०-133, पक्का बाग, जालंधर

(अन्तरक)

(०) श्री मुख्तयार सिंह सपुत्र गुरवछण सिंह वासी गांव गदाईपुर तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति भ्रराजी जालंघर जैसा कि विलेख नं० 5065 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, जालंधर

दिनोक: 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3250—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत निभिन्यम' कहा गया है), की धारी 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिध के लिए।

(1) श्री प्रीतम राम पुत्र बंसी राम, वासी, पती कन्दां जैसो ।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० ग्रार० इंटटूप्राइजेस, जैतो

(अन्तरिती)

(3) जैंसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि । द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1368 दिनांक नवम्क्षर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधकारी जैतो ने लिखा है।

> जे० एल्० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ध

दिनांक: 15-7-1982

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस.-----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० वं० 3251—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो जेतू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जेतु में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्क अपूरिनित्क की पास 269-श की उपवास (1) के अधीन, निस्तितिक व्यक्तियों, अधीतः--- (1) श्री प्रीतम राम सपुत्र बंसी राम वासी पट्टी काण्डो जेतू।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० म्रार० इंटरप्राइजेज जेतू चौक नं० 1 रेक्षवे बाजार जेतु ।

(भ्रन्तरिती)

(2) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यंक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिन्के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों केरिता हैं।

उक्त संपरित के अर्जन को संबंध में कों है भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्मक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्दो का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति घराजी 11 कनाल 11 मरला, जेंसू जैसा कि विलेख नं 1382 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता घिषकारी जेतू में लिखा गर्या।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) प्रजन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिमांक 15 जुलाई 1982 सिर्देश सं० ए० पी० 3252---यतः सुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशास 'उकत अधिभिष्य कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सुम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

मीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रमुस्वी में लिखा गया है तथा जो मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्वी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वा विस् सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अभित्:---

(1) श्री मेजर सिंह सपुद्ध श्री बूटा सिंह वासी मोगा, जीत सिंह, मोगा

(अन्तरक)

(2) श्री श्रमर सिंह सुपुद्ध किरण सिंह, वासी मोगा, जीत सिंह, मोगा

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तासम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रराजी 16 कनाल पुराना मोगा जैसा कि विलेख नं० 6114, नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मोगा में लिखा गया।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

विनोक: 13-7-1982

मोहुर् :

प्रकृप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंघर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5253---थत: मुझे, जे० एल० गिरधर.

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रसि, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-कु से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो मोगा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981।

को पृथित सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्यति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत, हक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण् में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित :— (1) श्री मोहिन्द्र हरदेव सिंह, नगेन्द्र सिंह, हरजोध सिंह सुपुत्र श्री भाग सिंह श्रीर श्री गुरबंख्य सिंह सुपुत्र श्री हरीदत्त सिंह, श्रीमती करतार कौर स्व० पत्नी श्री हरीदत्त सिंह वासी मोगा मेहला सिंह तहसील मोगा

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री ग्रशोक कुमार सुपुत्र श्री रूपलाल वासी मोगा (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सनत अधिनियम के घट्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा जो सस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रराजी जैसा कि विलेख नं० 6372 नंबम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी मोगा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

प्ररूप आहें, दी, पुनु पुसु कराय

यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3254—-यतः मुझे, जे० एल**०** गिरधर,

आस्यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो चक्क हुसैनां में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विषवास करने का दारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से प्रधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्हेश से उक्त अन्तरण लिखन में वास्त्रिक कुप से किवत वही किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत श्रीविश नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे बचने में मुविधा के निया; धीर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायमर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या या किया जाना चाहिए था छिपाने में भ्रिष्ठा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात्:—— 23—206GI/82 (1) श्री लब्राम भक्त सुपुत्र मिया वासी गांव लामा पिण्ड, तहसील जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम सिंह सुर्जन सिंह, निर्मल सिंह वासी गांव लामा पिण्ड, तहसील जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियन के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति भ्रराजी 11 कनाल 6 भरले गांव चक्क हुसैनां जैसा कि विलेख नं० 5248 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा गया ।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

विनांक: 15-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3255-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रहयाय 20-क में यथा परिभाषित दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथयों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के जुधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात:—~ (1) श्री श्रन्प कुमार, रकेश कुमार सुपुत्र चिरंजी लाल वासी भटिण्डा

(श्रन्तरक)

(2) श्री शाम लाल गुप्ता सुपुत्र राम चन्द श्री मनोहर लाल गुप्ता वक्षील नजदीक गुरू नानक क्लब सिविल स्टेशन, भटिण्डा

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रराजी 1/2 भाग कोठी नं० 2013 भटिण्डा . जैसा कि विलेख नं० 5321 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी भटिण्डा में लिखा गया।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की, धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3256—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रूपये से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित गें बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से लुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने थे सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुबिधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री मुदर्शन वीर जैन सुपुत्न चिरंजी लाल वासी भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम लाल गुप्ता सुपुत्र राम चन्द मनोहर लाल गुप्ता वकील, सिविल स्टेशन भटिण्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिस्के अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की ग्रवधि, औं भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे!

श्वक्टीकरण :---इंसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति ग्रराजी 1/2 भाग कोठी नं० 2013 भटिण्डा जैसा विलेख नं० 5322 नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिण्डा में लिखा गया ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालंधर

दिनांक: 15-7-1982

प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत स्रकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।,श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुन 1982

निर्देश सं० पी० आए० नं० 2018----श्रत: मुक्षे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स को अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संव राजानी मोरलमे लफा गोडाउन मौर सराउडिंग है तथा जो जाम जोधपुर जिला जामनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूचे में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयनों मधिकार के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीयनण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, नवम्बर, 1981 को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मनीलाल मंगलजी राजानी यशपाल की स्रोर से कुल मुख्त्यार श्री भगवानदास मंगलजी राजानी, बोम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्र. यंताजलाल करमनदास यतारयंती जाम जोधपुर, जिला जामनगर

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा स्केंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनसची

जम्,न जिनका कुल क्षेत्रफल ६९४ वर्ग यार्ड है रजानी श्रोइल मिल का गोडाउन जाम-जोधपुर, जामनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार जामनगर रजिस्ट्रीकर्त्ता बित्रीखत नं० 1003/2-11-1981है।

> ्रंजी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, अहम्दाबाद

दिनांक :25-6-1982

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th July 1982

No. A.12025/4/78-Admn.Jf.-The Chairman, Union Public Service Comanission hereby appoints Shri Madan Lal (SC) to the post of Programmer in the office of the Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-7-1982, until further orders.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.)

for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th July 1982

No. A.31013/81-Admn.H.-The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following persons substantively to the post of Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission wef 1-5-1981.

Shri J. K. Khanna
 Shri Z. E. Sheikh

KULDEEP KUMAR Section Officer for Chairman. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th July 1982

No. S/39/65-AD.V.--Consequent on his repatriation from Indian Oil Corporation, Western Region, Bonibay, Shri S. Seshadri, Dy. Supdt. of Police, CBI, joined CBI in the same capacity in the forenoon of 7th June, 1982.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRPF New Delhi-110066, the 26th July 1982

No. O.H-1575/81-Estt. -The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Sedhera Gupta as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6-7-1982 for a period of three months or till requirement to the past is made on regular basis, whichever recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

The 29th July 1982

No. O.II-991/73-Estt.-Consequent on his retirement from Government service, Shri Brij Lal relinquished charge of the post of Dy. S. P. in this Force on 20-7-82 (AN).

No. O.II-1763/82-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Shiv Mohan Singh, an IPS officer of Madhya Pradesh cadre, as IGP in the CRPF.

2. Shri Shiv Mohan Singh took over charge of the post of IGP (HQrs) Dtc. General, CRPF on the forenoon of 12-7-82.

The 31st July 1982

No. O.II-13/74-Estt.—Consequent on his repatriation to parent state, i.e. Haryana, Shri M. S. Bawa, IPS relinquished the charge of the post of Dy. Director (Estt.) of Dtc. General, CRPF, R. K. Puram, New Delhi on the forenoon of 14-5-82.

2. He has been sanctioned 36 days E. L. from 14-5-82 to 19-6-82 with permission to suffix Sunday on 20-6-82 and has been directed to report at IGP Haryana after expiry of leave.

The 2nd August 1982

No. O.H-1613/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. K. Shiva Prasad, General Duty Officer Grade-II of 69 Bn. CRPF, Hyderabad with effect from forenoon of 16th July 1882 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules 1965.

A. K. SURI Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 19th July 1982

No. E-32015(1)/1/80-Pers.—Consequent upon the expiry of the sanctioned period of re-employment, Shri Bal Raj Mehta relinquished the charge of the post of DIG (Fire) CISIF IIQrs New Delhi, w.e.f. the afternoon of 18th June,

No. E-16013(2)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri L. David, IPS A&M: 67) assumed the charge of the post of Commandant, CISE Unit, VPT Visakhapatnam, wef the forenoon of 1st May 1982.

No. E-16013(2)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri S. K. Verma, IPS (Pb: 67) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit, IOC Barauni with effect from the forenoon of 19th May 1982.

No. E-38013(4)/5/82-Pers.—President is pleased to appoint Shri R. N. Ray, on promotion on ad hoc basis, as Asstt. Commandant, CISF Unit VPT Visakhapatnam, w.e.f. the forenoon of 28th May 1982.

The 26th July 1982

No. E-16014(3)/2/73-Pers.-On repatriation to Tamil Nadu State Police, Shri T. P. Bala Krishnan Nambiar relinquished the charge of the post of Assit Commandant CISF Unit, New Mangalore Port Trust, Mangalore, w.e.f. the afternoon of 31st May 1982.

No. E-16013(2)/2/79-Pers.—On repatriation to his parent cadre, Shri D. Chandra Mohan, IPS (MP: 66) relinquished the charge of comdt ClSF Unit, MAPP Kalpakkam wef the afternoon of 26th May 1982.

No. E-16013(2)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Thri B. P. Nailwal, IPS (TN: 67) assumed charge of the post of Comdt CISF Unit, BIL Bhilai, with effect from the forencen of 21st Sept., 1981.

> SURENDRA NATH Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th July 1982

No. 10/57/79-Ad.L.—In continuation of this office Notification of even number dated the 24th December, 1981 the President is pleased to appoint Wing Commander B. B. Adlakha (5731) as Director (Electronic Data Processing) in the Office of the Registrar General, India New Delhl, by transfer on deputation, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Wing Commander Adlakha will be at New Delhi.

No. 11/123/79-Ad, I—The President is pleased to repatriate the following Officers belonging to the Madhya Pradesh Civi Service, who were working as Deputy Director of Census Opera tions in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on deputation basis, to the Government of Madhya Pradesh, Bhopal, with effect from the date as mentioned against each :

V				
1. Shri S. N. Tiwari	,		19-4-1982	(AN)
2. Shri A. N. Tiwari .			31-5-1982	(AN
3. Shri B. P. Chandak .			31-5-1982	(AN)
4. Shri U. D. Mishra .			31-5-1982	(AN)

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by transfer on deputation, Shri M. M. Sankhey, an officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Sensus Operations, in the Office of the Director of

Census Operations, Bombay with effect from the forenoon of the 3rd July, 1982, on ad-hoc basis for a period not exceeding one year.

2. The headquarters of Shri Sankhey will be at Pune.

The 29th July 1982

No. 11/10/78-Ad.I.—The President is pleased repatriate Shri Mohd. Abdus Sattar, belonging to the Manipur Civil

Service and who was working as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, on deputation basis to the Government c^c Manipur, Imphal, with effect from the afternoon of 30th June, 1982.

No. 10/19/82-Ad. I—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officers, working in the office as mentioned against each as Research Officer in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date indicated against their names or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier:—

S. No	Name of Officers	Desig nation	Office in which working	Date of appoint-ment
1	2	3	4	5
1. Shri	G.S. Pabla	Assistant Director of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh.	27-6-82 (FN)
2, Shri	Anand Kumar	Investigator	Office of the Registrar General, India.	15-6-82 (FN)

2. The headquarters of S/Shri G.S. Pabla and Anand Kumar will be at Chandigarh and New Delhi respectively.

The 3rd August 1982

No. 10/27/80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 18th March, 1982, the President is pleased to extend the period of ad hoc appointment of Shri S. N. Chaturvedi Deputy Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Joint Director (Data Processing) in the same Office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31st December, 1982, or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Chaturedi will be at New Delhi.

No. 11/44/80-Ad.I.—The President is pleased to terminate the services of Shri K. K. Muhammed, an officer belonging to the Kerala Civil Service who was working as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivendrum, on re-employment basis, with effect from the afternoon of the 30th June, 1982.

P. PADMANABHA, Registrar General India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 26th July 1982

No. Est/A/VII/9-86/Vol. II/78—The Accountant General I. Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders and the second of the second

S/Shri/Smt.

1. K. Sivadas (No. 1)			13-7-82	A/N
2. D. S. Thankaraj .			13-7-82	A/N
L. Retnavally .			13-7-82	A/N
4. P. S. Thomas .			14-7-82	
5, K. V. John (No. 1).			14-7-82	
6. M. A. Joseph (Proforma	a)		14-7-82	
7. G. Ramachandran Pilla	i (No	o. 1)	14-7-82	
8, K. Sreedharan (No. 2)			14-7-82	
9. Elizabeth Koshy (Profo	rma)		14-7-82	
10. C. R. Sreedharan Pillai			15-7-82	
11. J. Gopinatha Kurup (Pr	ofor	ma)	15-7-82	
12. K. M. Simon (Proforma	ι)		15-7-82	

13, S. Hariharan, .		15-7-82
14. K. V. John (No.2),		15-7-82
15. C. Mathai (Proforma)		15-7-82
16. K. Pasumathy		14-7-82

S. GOPALKRISHNAN Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, M.P.

Gwalior, the 24th July 1982

No. OE.I/GOs-Promotion/156—The Accountant General -I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers, as Accounts officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dated notes against each:

Sl. No.	Name		Pormanen Number		o of ining
-	am Singh Gaum hiv Dayal		02/998 02/1058	14-7-1982 20-7-1982	

(Authority: AG's orders dated 14-7-1982)

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 28th July 1982

No. AN-I/1691/5/I(PC-I).—Consequent on his selection for appointment on immediate absorption basis as Director (Finance) in the Garden Reach Shipbuilders & Engineers Limited, Calcutta under the Ministry of Defence on the fixed pay of Rs. 3000/- p.m. (i.e. the maximum of the Schedule 'C' scale of pay Rs. 2500-100-3000) till the date of his superannuation on 30th September, 1985, Shri B. K. Banerjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service, has been struck off the strength of this Department with effect from the afternoon of 12th July, 1982.

ART III—SEC. 1]

No, AN-I/1700/5/I(PC-I).—Consequent on his selection appointment on immediate absorption basis, as Director (Finance) in the Mazagon Dock Limited, Bombay, in the scale of pay of Rs. 2500-3000, under the Ministry of Defence, "Iri B. N. Rallan, an officer of the Indian Defence Accounts

Service, has been struck off the strength of this Department with effect from the afternoon of 2nd July, 1982.

R. K. MATHUR, Additional Controller General of Defence Accounts (Admn.)

New Delhi, the 26th July 1982

No. AN/II/2606/82-I—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No. Name with Roster Number					Grade	Date from which transferred to pension Estt.	Organisation		
S/Shri		•			-		-		
1. J.D. K	ohli, P/276.	•	•	•	•	•	Pt. Accounts Officer	30-4-82	Controller of Def. Accounts, Western Command, Meerut.
2. S.P. Sc	oni, P/416 .						Do.	30-4-82	Do.
3. A.S. P	all, P/279 .			•	•		Do.	31-5-82	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
4. C.L. M	faihotra, O/251	•		•	•	•	Offg. Accounts Officer	30-4-82	Controller of Def. Accounts, Central Command, Meerut.
5, V.N. I	Date, P/431 .				٠	•	Pt. Accounts Officer	30-4-82	Controller of Def, Accounts (Officers),
6 M I I	Risbud, O/NYA						Offg. Accounts Officer	30-4-82	Poona. Do,
	tam Sayal, P/446	•	•				Pt. Accounts Officer	30-4-82	
, sant R	саш Бауаі, Г/ 141 0	•	•	•	•	•	, a recount officer	νυ- γ- 02	Controller of Def. Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
8. Kulwa	int Singh Bindra, P/1	34	•	•	٠	•	Do.	30-4-82	Controller of Def. Accounts (Air Force), Dehradun.
9, V.M. I	Kanetkar, O/NYA		•	•	•	٠	Offg. Accounts Officer	30-4-82	Controller of Def. Accounts (Other Ranks) South, Madras,
10. D. Go	palakrishnan, P/188						Pt. Accounts Officer	30-4-82	Do.
	Venkateswaran, P/30	4	_			_	Do.	30-4-82	Do.
	Kishen, P/396	•	•	•	•	•	Do.		Controller of Accounts (Fys), Calcutta,
13. Nriper	ndralal Sengupta, P/5	527	•	•	•	•	Do.	30-4-82	Controller of Accounts (Fys), Calcutta,
14. E.M. 0	Gavaskar, P/379		•	•	•	•	Do.	31-5-82	Controller of Def. Accounts, Southern
15. B.B.L.	Mathur, O/NYA		•	•		•	Offg. Accounts Officer	31-5-82	Command, Poona. Controller of Def Accounts, Western Command, Meerut.
16. Wishai	n Das Nangia, P/183	1					Pt. Accounts Officer	31-5-82	Controller of Def
17. S:N. B	shalla, P/141 .	•	•	•	•		Do.	31-5-82	Accounts, Patna. Controller of Def Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
18. P.R. S	arangapani, P/506	•		•	•	•	Do.	31-5-82	Controller of Def. Accounts (Other Ranks) South, Madras.
19. T. Sun	dararaman, O/49		-	•	•	٠	Do.	31-5-82	Controller of Def. Accounts (Navy), Bombay,
20. Dalip	Singh Bewali, P/546			•	•	•	Do.	30-4-82	
21. D.D. S	Sharma, P/430 .	•	•	•	٠	•	Do.	31-5-82	
22. T.S. R	amamoorthy, O/253						Offg. Accounts Officer	30-6-82	Do,
23. Sarup	Singh Oberai, P/109		•	•	•	•	Pt. Accounts Officer	30-6-82	Controller of Def, Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
24. Amrik	Singh Bindra .	•	•	•	•	•	Do,	30-6-82	

1. L.J. Chelliah, P/342

1	2						3	4	5	— —
	S/Shri									
25. Dharma	anand, O/NYA	•		٠.	•		Offg. Accounts Officer	30-6-82	Controll e r Accounts, Command,	of Def. Western Meerut.
26. V.G. R	anade, P/541	٠	•	•	٠	•	Pt. Accounts Officer	30-6-82	Controller Accounts Poona.	of Def (Officers)
27. Karam	Singh, O/NYA	•		•	•	•	Offg. Accounts Officer	30-6-82	Controller Accounts Bombay.	of Def (Navy)
28. R.P. No	angia, O/123 .	•		•	•	٠	Do.	31-5-82	Controller Accounts, Command,	of Def Centra Meerut,
29. Gian C	hand, O/262 .					_	Do.	30-6-82	Do.	
30. Sukuma	ar Ganguli, O/J18						Do.	30-6-82	Do.	
31. P.R. M	alhotra, P/347			·		٠	Pt, Accounts Officer	30-6-82	Do,	
	"The Contr			eral of	— — f D efe	ence	Accounts regrets to notify the death of	the undermer	ntioned	
Sl. No.	Name, with !	₹osto	er No	,			Grade Date of death	Struck off strength	Organisation	n

. Pt. Accounts Officer

A. K. GHOSH

of

Def.

(Officers)

Dy. Controller General of Defence Accounts (Admn.) !

Controller

Poona.

Accounts

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st July 1982.

No. A-19018(202)/75-A(G).—The President is pleased to oppoint Shri S. B. Gupta, Assistant Director (Gr. I) (Chem.) Small Industries service Institute, Jaipur as Deputy Director (Chem.) on ad hoc basis at Small Industries Service Institute Indore with effect from the forenoon of 1-7-1982 until further orders.

No. A-19018(495)/80-Admn(G).—Consequent on the discontinuance of his ad hoc appointment Shri P. U. John relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) (Chem.) at Small Industries Service Institute, Hyderabad on the forenoon of 24th June 1982.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn).

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 26th July 1982

No. 5146B/A-19012 (Lib-SKC) /82/19A.—Shri Sanat Kumar Chaterjee, Senior Asstt. Librarian, Geological Survey of India is appointed on promotion as Librarian in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from foreneon of 7-6-1982. until further orders.

The 27th July 1982

No. 5180B/32014(2-AG1)/81/19B.—Smt. Nila Sarkar, senior Technical Assistant (Geophysical W/s). Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist (Instin.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-

880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-4-1982, until further orders.

24-4-82

(FN)

23-4-82

J. SWAMI NATH, Director General.

Calcutta-700016, the 26th July 1982

No. 5134B/13/74/19C.—The Director General, Geological Survey of India has confirmed Shri S. N. Srivastava in the grade of Shift Boss of Group 'B' Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-) in the Geological Survey of India, with effect from 1-12-1978.

A. KUSHARI,
Director (Personnel)
Geological survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES.

Nagpur, the 24 July 1982

No. A. 19012(127)/80-Estt.A.—On his deputation on Lien basis to the Indo-Burma Petroleum Co. Ltd., as Area Sales Engineer, Shri M. Gunesh, officiating Assistant Mining Engineer, Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Assistant Mining Engineer in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 19-6-1982,

No. A, 19012(152)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Ashok Mathur, Permanent Senior Technical Assistant (Chem.) is promoted to officiate as Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6-5-1982.

B.C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 27th July 1982

No. 4-160/78/Estt.—On attaining the age of superannuation, Shri R. Ranganathan, Junior Administrative Officer,

Anthropological Survey of India, retired from Govt. service on the 30th June, 1982 (afternoon).

M. S. RAJAGOPALAN, Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th July 1982

No. EI-5841/PF(B.S. Thakur).—The services of Shri Balbir Singh Thakur who was appointed as Officer Surveyor vide this office Notification No. EI-3735/579-Sel.68 (CI.II) dated 13th January, 1969 were terminated w.e.f. 25-4-1980 the presumptive date of service of this Office Order No. EI-18057/PF(B.S.Thakur) dated 16-4-1980.

G. C. AGARWAL, Major General Surveyor General of India.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th July 1982

No. A-19023/10/81-A. III.—Shri E. S. Paulose, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Faridabad w.e.f. the afternoon of 26-6-1982 on purely ad hoc basis for a period of 3 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer Shri Paulose relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Uniha in the afternoon of 20-6-1982.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Advisor

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O.: NAPP Township, the 31st July 1982

No. NAPP/Adm./26(1)/82/5/9286.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project appoints Shri S. S. Kalrah, an officiating Sub-Officer to officiate as Station Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project from 15-7-1982 to 4-12-1982, vice Shri Harbans Lal, Station Officer deputed on training at National Fire Service College, Nagpur.

R. K. BALI Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 27th July 1982

No. Ref. DPS/2/1(8)/79-Adm./15977.—On transfer from Tarapur Atomic Power Station, Tarapur Shri S. Krishnan, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the forenoon of July 20, 1982 and until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 27th July 1982

No. RRC/A 32023/1/77/R/9551.—In continuation of this Centre Notification No. RRC/A 32023/1/77/R dated May 11, 1982, the Director, Reactor Research Centre hereby extends the period of officiating promotion of Shri M. Krishnamoorthy, permanent Senior Stenographer and officiating stenographer Grade III of the Reactor Research Centre 21—206GI/82

in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 12-6-82 to 21-6-82 vice Shri R. Narayanan, Assistant Administrative Officer extended his leave.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECOTR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th May 1982

No. A. 32013/3/81-EA.—The President has been pleased to sancti on the continuance of ad-hoc appointment of the following Officers to the grade of Aerodrome Officer upto 30.6-1892 till the posts are filled on regular basis whichever is carlierr.

8. No.	Name		•		· Station
S/Sh	 ri				
1. G. S.	Dhiman.				Amritsar
2. J. K. 1	Misra .				Bhubaneshwar
3. D. P.	Roychowdi	ury			Calcutta
4. S. R. I	Гуег .				Bombay
5. R.D.	Gupta.				Belgaum
6· V. K.	Yadav .				Bhuj
7. P. B. I	Mathur .				Nagpur
8. M. Sa	rangapani				Madras
9. J. M.	S, Negi				Delhi
10. M. P	. Chandy				Trivandrum

The 20th July 1982

No. A. 35018/6/79-E.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 22-10-1981 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Shri K. K. Nagar an officer of Intelligence Bureau, to the post of Assistant Director of Civil Aviation Security (Pay scale Rs. 1200—1800 plus Rs. 300/- special pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for a further period of one year with effect from 20-7-1982 to 19-7-1982.

S. GUPTA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd July 1982

No. A. 38015/3/81-EC.—Shri R. S. Iyer, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aero. Comm. Stn., Trivandrum of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, relinquished charge of his office on retirement on 30-4-82 (AN) under the provision of Rule 48 of the CCS (Pension) Rules, 1982.

PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

New Delhi, the 30th July 1982

No. A. 32013/1/82-ES.—The President is pleased to appoint Sh. S. R. Das, Senior Aircraft Inspector to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspector at Headquarters on ad hoc basis for a period of six months with effect from 21-4-1982 (F.N.) or till the posts are lilled on regular basis, whichever is earlier.

THAKAR DATT
Asstt. Director of Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st July 1982

No. A. 38019/I/E.I.—The undermentioned officers have retired from government service with effect from the date mentioned against their name, on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name	Designation	Date
S/St	ri		
1. R. N. 2	Zalpuri'.	Assistant Meteoro- logist	30-4-82
2, V. Ran	na Rao	Do.	30-4-82
3, P.JK. F	. Raja	Do.	31-5-82
4. N. V. 1	Varayana Rao	Meteorologist Grade,I	30-6-82

K. MUKHERJEE

Meterologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay, the

No. 1/514/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Madhok, Technical Assistant, New Delhi, as Assistant Engineer, in an officiating capacity for the period from 27-1-82 to 12-3-82 (both days inclusive) in the same Branch as a local arrangement on ad-hoc basis.

No. 1/518/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Dushyant Singh, Technical Assistant, Arvi as Assistant Engineer, in an officiating capacity for the period from 24-5-82 to 30-6-82 (both days inclusive) in the same Branch as a local arrangement an ad-hoc basis.

The 30th July 1982

No. 1/521/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. V. Nair, Supervisor, New Delhi Branch, as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 21st June, 1982, and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd August 1982

No. 15/82.—Shri D. P. Sharma, lately posted as Assistant Collector of Central Excise Delhi on transfer to the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, vide Ministry of Finance, Department of Revenue Order No. 77/82 (F. No. A. 22012/13/82-Ad. II) dated 24-4-82 assumed charge of the post of Assistant Director Group 'A' with effect from 22-7-82 (Forenoon).

S. B. SARKAR Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hegede & Company Private Ltd.

Bangalore, the 29th July 1982

No. 2180/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hegede & Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 28th June 1982

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint Shri Pranab Kumar Dutta as Stores and Purchase Officer in the National Test House, Alipore, Calcutta w.e.f. the forenoon of 2-6-82 on deputation basis till further order.

Sd./- ILLEGIBLE Joint Director National Test House Alipore, Calcutta

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2018 Acq. 23-1/82-83,—Whereas, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Godown of Rajni Oil Mills, & its surrounding situated at
Jam-Jodhpur, Dist. Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Jamnagar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

(1) Manilal Mangalji Rajani; Veraval Power of Attorney; Shri Bhagwandas Mangalji Rajani, Bombay.

(Transferor)

(21) Shri Jayantilal Karsandas Patari; Jam-Jodhpur, Dist. Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property uses be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 694 sq. yds. being godown of Rajani Oil Mill situated at Jam-Jodhpur, Jamnagar registered vide sale-deed R. No. 1003 dated the 25-11-81 by S. R. Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2017 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 100/F/2 paiki, 216.14 mts. situated at Kashi Vishwanath Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(2) Shri Mohmedhusein Musaji; Suleman Kasamwala Khancho, Mulla Medi Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shah Damji Narsi (Karta of HUF), Vijaynagar Society, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed Regn. No. 3766 dated the 24-11-1981 by S.R. Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2016 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. Survey No. 1480/2 of Plot No. 101 situated at Shanker Tekri, Udyognagar, Jammagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jammagar on 18-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nitin Bharatkumar Kamdar; Urmi Bungalow, Nr. Pratap Vilas Palace, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Ankur Products; C-2-102, Shanker Tekri, Udyognagar, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 320 sq. mts. registered vide sale deed Regn. No. 3705 dated the 18-11-81 by S. R., Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2015 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 454/1/2-C Plot No. 1B situated at Kalavad Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disvlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pradip Gulabrai Bodiani (Gandhi),
 Vallabh Apartments,
 Bhulabhai Desai Road,
 Bombay-40026.

(Transferor)

(2) Dr. Devi Mahendra Pujara; (Devi Madhavji Gesota) "Gopal Bhuvan", Bhakti Nagar Society, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed Regn. Nos. 8344 & 8345 dated the 2-11-1981 by S.R. Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2014 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 46-6 of Bhaktinagar Coop. Hsg. Society situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Smt. Amrutben Dahyabhai Nakum; 7, Bhaktinagar Coop. Hsg. Society, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Anantrai Jayantilal Dave; 1/10, Shramjivi Society, Chamunda Nivas, Dhebar Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed No. 949, dated the 9-2-1981 by S. R., Rajkot registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jagdish Bhagwanjibhai Pithadia; 'Jagdish Niwas', Kanta Vikas Gruh Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Nandlal Shamji Adesara;
2. Dilip Nandlal Adesara;
3. Deepak Nandlal Adesara;
7-16, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2013 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9 of Jairaj Plot Sheri adm. 175 sq. yds. situated at Jairaj Plot Sheri, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed Regn. No. 3639 dated 12-5-81 by S.R. Rajkot, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2012 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 56/1 & 56/2 situated at Mota Mava Tal. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

22—206GI/82

 Patel Chakku Laxman; Mota Mava, Tal. Rajkot, Dist. Rajkot.

(Transferor)

11445

(2) 1. Jamnadas Jerambhai;

2. Deepak Jawahar;

3. Ramesh Prabhashanker;

4. Vidyasagar Melaram;
 5. Rajtej Bhadrasen;

Galaxy Apartment, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. Nos. 7764, 7763 & 7761 dated 30-9-71 registered on 4-11-81 by S.R. Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 2011 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1969/1 situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 16-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Vora Sewantilal Bhogilal & others;
 202, Alpa Flats, Nr. Devchandnagar,
 Bhayander (West), Dist. Thana, Bombay.
 (Transferor)
- Shri Sanghvi Chandulal Dalsukhbhai; & others, Surendranagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Land adm. 2A-7G+1A-19G situated at Wadhawan Dist. Surendranagar, duly registered by R.S. Wadhawan, vide saledeed No. 4907/4908/16-12-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Ineneciting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Date: 21-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 2010 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2013-2103 situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 22-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Manojkumar Shantilal Shah;

 Shri Shirishkumar Shaofilal Shah; Surendranagar.

(Transferor) -

(2) 1. Shri Jayantilal Gordhandas;

2. Shri Rajan Ratilal;

3. Shri Vinod Tribhovandas;

4. Shri Mahesh Mahipatlal;5. Shri Ashok Mahipatlal;

Shri Hemant Mahipatlal; Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Land adm. 4A-10G situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar duly registered by S.R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4965 to 4968/22-12-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 21-6-1982

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 2009 Acq. 23-1/82-83.---Whereas, J. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1892 situated at Wadhawan. Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 23-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prataprai Kanjibhai Thakkar; Wadhawan City.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jayantilal Gordhandas;

2. Shri Rajan Ratilal;

- 3. Shri Vinod Tribhowandas; 4 Shri Mahesh Mahipatlal:
- Shri Mahesh Mahipatlal;
 Shri Ashok Mahipatlal;
- 6. Shri Hemant Mahipatlal; All at Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Land adm. 3A-11G situated at Wadhawan 1st Surendranagar, duly registered by S.R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4979/81 and 4980/81/23-12-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 21-6-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 2008 Acq. 23-I/82-83.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 852 situated at Near Madam Saheb's Bungalow, Vipul

Society, Limited, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Limbdi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any icome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Dalwadi Gagabhai Jahabhai; Limbdi, 363421, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Ramhagar C. H. Socy. Ltd., President: Ramjibhai Govindbhai Vegda; Secretary: Dungerbhai Mohanbhai Kanzare; Limbdi, Dist. Surendranagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Land adm. 148111-16 sq. ft. i.e. 13760 sq. mts. situated at Limbdl, Dist. Surendranagar, duly registered by S. R. Limbdl, vide sale-deed No. 2084/81-Dec., 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad.

Date: 21-6-1982.

11450 T

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 21st June 1982

Ref. No. P. R. No. 2007 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. — situated at Village Bamanbore Tal. Chotila, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muli on 19-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Sajan Kala;
 Village: Bamanbore, Tal. Chotila,
 Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Rita Carbonate Products Pvt. Ltd. Shri Bhupatlal Karamshibhai Patel; 214, Taxshila Society, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 15783 sq. mts. situated at village Bamanbore, Tal. Chotila, Dist. Surendranagar duly registered by S. R. Muli, vide sale-deed No. 361/19-12-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 21-6-19982.

Policy in the contract of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 21st June 1982

Ref. No. P. R. No. 2006 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 221-4-3 paiki cituated at Thangadh Dist, Surendra-nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muli on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—:

(1) Shri Raghabhai Manjibhai Sarodiya; Thangadh, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Lakhatariya Refractories; through partner; Shri Jayantilal Hamirbhal Lakhataria & others; Machi Bazar, Thangadh, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SUXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land adm. sq. mts. 8025 situated at Thangadh, Dist. Sunendranagar, duly registered by S.R. Muli, vide sale deed No. 338/9-12-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 21-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 19th June 1982

Ref. No. P. R. No. 2005 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 87, Plot No. 8 paiki situated at Amreli, Distt. Amreli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on 2-12-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanubhai Gigabhai Ramani & another; Manekpara, Amreli Dist. Amreli (Saurashtra). (Transferor)

1. Janbai Muljibhai Patel;
 Village Sayra Tal. Nakhatrana, Kutch.
 Devkiben Ladharam Patel;

Village Sayra Tal. Nakhatrana, Kutch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 692 sq. mts. situated at Amreli, Dist. Amreli, duly registered by S.R. Amreli, vide sale-deed No. 2528 & 2529/2-12-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19th June, 1982.

LORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2004 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No.

164 paiki situated at Village Amreli, Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amreli on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—206GI/82

 Shri Mohanbhai Naranbhai Patel; Village Amreli, Tal. Morvi Dist. Rajkot

(Transferor)

(2) Narendra Tiles Company;
 Through: Partner Shri Devjibhai Ganeshbhai;
 3, Savsar Plot, Morbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 145.46 sq. meters situated at village Amreli, Tal. Morvi, Dist. Rajkot, duly registered by S.R. Morvi, vide sale-deed No. 329/21-12-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
- Ahmedubad

Date: 19-6-1982

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI,OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2003 Acq.23-I/82-83,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

536/5 paiki, situated at Dhoraji, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraii on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Patel Lakha Gokal Mavani and another; Chaluvan Plot, Jetpur Road, Dhoraji.

(Transferor)

(2) Prince Plastic India; Through Partner: Shri Memon Faroog Noor Mohmad Shekhanl; Baharpura, Dhoraji, Dist. Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 9196 sq. yards situated at Dhoraji, sim, Dhoraji, Dist. Rajkot duly registered by S.R. Dhoraji vide sale-deed No. 1748/9-12-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-6-1982 Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2002 Acq.23-1/82-83,---Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No.

48 & 47/1 situated at Jamnawad sim. Dhoraji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on 11-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ratilal Karsandas Kanoriya;
 Shri Nautamlal Rajabhai Patel;
 Both of village Jamnawad, Tal. Jetpur,
 Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Narmada Khandsari Udhyog; Jamnawad, Dhoraji, Dist. Rojkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 33083 sq. mts. situated at Jamnawad sim, Dhoraji, duly registered by S.R. Dhoraji, vide sale-deed No. 1770/11-12-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 19-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2001 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

384 paiki, Plot No. 1 & 2 situated at Jetpur, Dist, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on December 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Ravjibhai Keshavbhai Nandaniya & others; Jetpur, Dist, Rajkot,

(Transferor)

- (2) Hakoba Screen Printers; Through: Maganlal Haribhai, Fulwadi, Jetpur, Dist. Rajkot.
 - 2. Rang Rekha Textile Dyeing & Ptg. Workrs; Through: Maganlal Haribhai Dhaduk, Fulwadi; Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1255.7 +2497.7 sq. yards situated at S. No. 834, Jetpur, Dist. Rajkot, duly registered by S.R. Jetpur, vide sale deed No. 1916 & 1917/December, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 19-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 2000 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

81 paiki—Plot No. (1), (2) & (3) situated at Jetpur. Dist Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely:—

(1) Smt. Laduben Ravilbhai Chovatia; Bapa Valapara, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Rajeev Textile Mills—
Through: Rakeshkumar Hansraj Kapoor & others;
Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mimovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4348 sq. yards situated at Jetpur Dist. Rajkot, duly registered by S.R. Jetpur, vide sale-deed No. 1990/December, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 19-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1999 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Navagadh Gram Pandhayat, Navagadh, Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ghori Noorjehan Haji Hasam; Bukar Falia, Junagarh (Saurashtra).

(Transferor)

(2) Shri Yunus A. Karim Chhagala; 742, Bhavani Pet, Poona (Maharashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 8977-50 sq. yards situated at Navgadh Gram Panchayat, Jetpur, duly registered by S.R. Jetpur, vide saleded No. 2112 to 2116/December, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 19-6-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rana Gajendrasiph Merubha; Village Dudhrej, Dist. Surendranagar

(Transferor)

 Smt. Hansaben Jashwantial Shan & another: 20, Subhash Society, Surendranagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1998 Acq. 23-1/82-83,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

653/1 situated at Dudhrej, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Wadhawan on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5766.71 sq. mts. situated at village Dudhrej, Dist. Surendranagar, duly registered by S.R. Wadhawan, vide sale deed No. 4481 18-11-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 26-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFI-ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1997 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 3145 situated Khadia Gin. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 3-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 The Surendranagar Peoples Coop. H. Socy. Ltd., Through President: Shri Chandulal Sukhlal Mehta Surendranagar.

(Transferor)

(2) Aso Palav Coop. H. Socy. Ltd. Secretary: Shri Nyalchand Hargovind Barbhaya; Jyoti Store Depot, Nr. Viram Lodge, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 2200 sq. yards situated at Jin Khadia area, Surendranagar, duly registered by S.R. Wadhawan, vide sale deed No. 4347/3-11-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-l Ahmedabad

Date: 26-6-1982

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I.

ACQUISITION RANGF-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1996 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

14, Hissa No. 1 paiki situated at

Village Talay, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at

Sanand on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—206G1/82

 Shij Gagabhai Akhibhai; Villane Tahay, Tal. Sanaud, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Himmatlal Shantilal Mehta; Kothawala Flats, Block No. 611-B, Nr. Pritamnagar, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 5A-32G, situated at village Talay, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad duly registered by S.R. Sanand, vide sale-deed No. 200/81/December, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 23-6-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1995 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing S. No.

14 Hissa No. 1 paiki situated at Village Talav. Tol. Sanand, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sanand on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by , more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Ing persons, namely ;-

Shri Bhikhabhai Kukabhai; Village Talav (Tal. Sanand), Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(?) Shri Kamalbhai Harikrishnabhai Anandjiwala; 8, Bharathi Society, Nr. Nagri Hospital; Hlish idge, Mithakhali, Dist. Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;'
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 5A-31G, situated at Village Talav, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Sanand, Vide sale-deed No. 199/81/December, 1981.

G, C, GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1994 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 14. Hissa paiki 1 & 2 situated at Village Talay, Tal. Sanand. Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanand on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surabhai Hirabhai Bharwad & others; Village Talav, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

1. Shri Budhabhai Nathubhai Patel;
 Village Sarkhej, Dist. Ahmedabad.
 2. Shri Mithubhai R. Chavda, Rudrabaug,
 Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land adm, 11A-31G, situated at village Talav. Fal Sanand, Dist. Ahmedabad duly registered by S.R. Sanand, vide sale-deed No. 200/81 December, 1981.

Cr. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ret. No. P.R. No. 1993 Acq.-1/82-83,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 529 to 531 situated at Village Ambli, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-11-1981

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) J. Shri Shivabhai Bapudas (HUF);

Shri Prahladbhai Bholidas (HÚF),
 Smt. Shantaben Lalabhai (HUF),
 Village Ambli, Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shii Yagnesh Shantilal Sutaria; I aw Garden Apartment, Nr. Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 11132 sq. yards situated at village Ambli. Dist, Abmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 12977, 12978 and 12980/2-11-1981

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 17-6-1982

PART III--SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1991 Acq.23-F/82-83.-Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FR. No. 215.1, Sub Plot No. 1, TPS 3, situated at + Par Purnanand Ashram Road, Ishwerbhawan area, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ahmedabad on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Susmaben Ramanlal Patel; "Nalanda", B.50, 4th Floor, PADER ROAD, Bombay.

(Transferor)

(2) Arpan Apartment Owners Association (Proposed), Organiser: Shri Naranbhai Haribhai Godani; 164, New Cloth Market, O/s. Raipur Darwaja, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 605 sq. yds. situated at Purnanand Ashram, Nr. Ishwar Bhawan, Shikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13107 to 13110, 13113 to 13116 and 13118 and 13119/ 6-11-1981.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 17-6-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, . 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. 1992 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FP. No. 217-2—TPS. 3 (Shop No. E-8—Bldg. E) situated at Capital Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Structural Analysical Corporation; Through: Partner Shri Anilkumar Chunilal Shab & others; O/s. From Darwaja, Keripitha, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Jyoti Construction; Through: Partner Shri Prafulbhai R. Dave; B-9, Gautam Apartment, Scrkhej Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop adm. 27.87 built up area situated at 2nd Floor, of E' Bldg., No. E-8, situated at Capital Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13176/9-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Alimedabad

Date: 17 6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1990 Acq.23-1/82-83.--Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

S. No. 82+83/1, 83/2, 83/3, 84/99 paiki, Sub-Plot No. 29 situated at TPS. No. 1, F.P. 286

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 19-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Harshadrai Shahstry & others; Fafdani Pole, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdishchanda Chandulal Shah;
 2. Smt. Urmilaben Jagdishchandra Shah;
 Himmat Vardhman's Khadki, Mangal Parekh's Khancha, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 599 sq. yds. situated at Mamnagar, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R., Ahmedabad vide saledced No. 13537-38/19-11-81.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Alimedabad

Date: 17th June, 1982,

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSINER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1989 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 353 paiki situated at Isanpur, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babubhai Manibhai Patel & others; Vachbali Khadki, Village Thaltej, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Gujarat Enterprise—Sole Promoter: Shri Shantilal Misrimal Family Trust; Shri Shantilal Misrimal; 24, 2nd Floor, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2783 sq. yds. with construction bearing S. No. 353 paiki, situated at Isanpur, Dist, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13621/21-11-1981.

G. C. GARO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 22-6-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1.
2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1988 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1362—1371—1376 paiki 1465, 1372, B. No. 1227-2 situated at Village Visalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weanh-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—206GI/82

- Shri Kartikeya Kaushikprasas Mehadevia, Chintamani Apartment, Opp. Reserve Bank, Ashram Road, Ahmedabad
 - (Transfer (91)
- (2) 1. Smi Jashbhai Umedbhai:
 - 2. Shri Mahendrabhai Jashbhai;
 - Shri Bharat Jashbhai; Suvardha Fluts, Behind Navrangpura Post Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. A 53—31G. situated at Village Visalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed No. 10940/17-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I. Ahmedabad

Date: 22-6-1982.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1987 Acq. 23-I/82-83,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP. No. 109-1 paiki situated at Rajpur Hirpur,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Daksha Jayantilal Patel; Atul Madhusudan Patel;

3. Nirmala Madhusudan Patel: All at Ghasiram's Pole, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Mayur Pankh Apartment Members Associates, Secretary: Mayur Manubhai Shah; Ahmedabad District Coop. Society, Naranpura, Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 502.86 sq. mts. situated at Rajpur-Hirpur, Kankaria, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13133, 13134 and 13132/ 7-11-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range I, Ahm dabad

Date: 22-6-1982.

Sca1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFCIE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1986 Acq. 23-1/82-83.---Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 27/1 paiki, PF. 127 paiki, Sub-Plot No. 127/11 situated at Maninagar Char Rusta, Nr. Dena Bank, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manubhai Sukhlal Pandya & others;
 Charotar Patel Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Trikambhai M. Patel Children Trust; Trustee Shri Trikamlal Muljibhai Patel; 1, Karnavati Society, Bhairavnath Char Rasta, Nr. Bhairavnath Mandir, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 708 sq. mts. situated at Maninagar, Char Rasta, Ahnædabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 12904/Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2038 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at 'Parijatak' Govt. Servant's Socy. situated at Race Course, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on November, 1981 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Taragauri Keshavlal Shah; Govt. Servant's Society, 'Bhagvatkrupa', Rajkot.

(Transferor)

(2) Pravinchandra Vrajlal Thakker; Hasmukhbhai Vrajlal Thakkar; 'Parijatak', Govt. Servant's Society, Race Course, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Rajkot 'Parijatak', Govt. Servant's Society, Race Course, registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982,

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2037 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Jagnath Plot, Sheri No. 3, situated at Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Venilal urfe Venishanker Nathjibhai Vasavak; A-3, Panalal Terrace, Grant Road, Bombay-7.

(Transferor(s)

- (2) 1. Parsottam Laljibhai Khakhar;
 - 2. Bhupendra Parsottam;3. Hansaben Tarunkumar;
 - 4. Navinchandra Mohanlal Vyas;
 - 5. Nathalal Mohanlal;
 - 6. Sitaben Navinchandra;
 - 7. Pritiben N. Vyas, Para Bazar, Rajkot.

(Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisitoin of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jagnath Plot Shori No. 3, Rajkot registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OO PARTITION IN THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2036 Acq. 23-I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 443-A-Plot 10, Nalanda Society, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Vallabhdas Bhanjibhai;
 Nalanda Society, Rajkot.

(Transferor(s)

- (2) 1. Mukeshbhai Rameshbhai;
 - Narcshbhai Rameshbhai;
 Jasvantlal Mukeshbhai;
 - Jasvanuai Mukeshonai;
 Arvindaben Nareshbhai;

Arvindaben Nareshbhai;
 Natannagar-44, Rajkot.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Nalanda Society, S. No. 443-A Plot 10, registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedahad

Date: 14-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2035 Acq. 23-1/82-83,--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Plot No. 33, Vaishalinagar-2, Raya Road, situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Govindbhai Boghabhal Patel; 3-Kisanpara, Rajkot.

(Transferor)

(2) Thakarshibhai Bhagvanjibhai Vasani; 10-Bhaktinagar Plot, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vaishalinagar-2, Raja Road, S. No. 451, Plot 33, registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2034 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24, 5-10A, Gandhidham-Kutch situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhuj on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chik-Chok Paultry Breeders; D-76, Gandhidham-Kutch

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Tulsi Panjwani; Opp. Mount Carmel School, Sector 4, Gandhidham.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 24, Sector 10-A, Gandhidham, registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2033 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Jand Near Commerce College, Bhuj situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27--206G1/82

(1) Patel Dhanji Valji; Post Sakhpor, Tal. Bhuj.

(Transferor)

(2) Shri Dhanjibhai Devji Malji; Shri Dhanji Gangji Malji; Mani Khakhar, Tal. Mandvi. (Kutch).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bhuj. Nr. Commerce College, registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 13th July, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

11478

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2032 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 454-1 & 454-2 Vibhag-C, situated at Plot No. 2 & 3-A, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajl.ot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jasvantbhai Valjibhai Bhadaria; Sawasar Naka, Anjar (Kutch).

(Transferor)

(2) Shri Lavjibhai Bhavanbhai Patel; Rujhans Society, Kalavad Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 454-1, 454-2, Vibhag-C. Plot 2 & 3A registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982,

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Bhikhabhai Devabhai;

Hemaben Lodhabhai;
 Narsibhai Devabhai;

4. Kadva Hamid & others; Karanpara Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Kanchanben Vinodrai Kamdar;2. C. B. Kamdar;Kamdar Sheri, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2031 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building on Karanpara Road, Rajkot situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Karanpara Road, Rajkot registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2030 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, 1 R. R. SHAH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marktt value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

S. No. 394, Plot 25, Gondal Road, Rajkot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Navinchandra Shantilal Shah; Rajnikant Shantilal Shah; Ashok Shantilal Shah; Rameshchandra Shantilal Shah; Opp. Amrapali Cinema, Raya Road, Rajkot. (Transferores)
- (2) Patel Rashmikant Motibhai; Pradip Babulal; Gita Rajnikant; Kamsandas Maganlal; C/o Motibhai Prabhudas Patel, Navanaka Road, Rajkot.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 394, Plot No. 25, Gondal Road, Rajkot registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Compositing Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Date: 14-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P. R. No. 2029 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property on Kalavad Road, Opp. L.I.C. Office, situated at (India Overseas Bank Bldg.), Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amratlal Haridas Adatia; Smt. Shantiben Amratlal Adatia; 'Jalesh, Sardarnagar, Rajkot.

(Transferod(s)

(2) 1. Shri Nandlal Mohanlal Thakker; 140, Princess Street, Bombay-2.

2. Smt. Bharatiben Bharatkumar Thakker;

Smt. Ushaben Hemant Thakker;
 Balram Chambers, 5th Floor,
 Bavek Road, Bombay-20.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kalavad Road, Opp. LIC. Office (India Overseas Bank Bldg.), Rajkot registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 14-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2028 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 326-1 (P) land situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(4) Smt. Savitaben Trambaklal Satelia; 13, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor(s)

(2) Partner of M/s. New India Engg. Works;
1. Magantal Khoderbhai Sidhpura;
2. Vrajtal Magankel Sidhpura;
Bhakti Society Rd. No. 2, Rajkot.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 326-1(P) land at Rajkot registered in Nov. 1981.

> R. R. SHAH · Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2027 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section

269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 1545, 1546 (P) Vijaynagar situated at Ghogha Circle, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhavnagar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harkantrai Dinkerrai Desal; Avedani Sheri, Near Moti Havell, Bhavongar,

2. Vilas Anilkumar Mehta; 35. Nutan Coop. Society, Peldi, Ahmedabad. (Transferor(s)

(2) 1. Shamjibhai Narsibhai- Village - Engorapat, Tal.

 Harjibhai Kanjibhai - Engorapat, Tal. Umra,
 Shavjibhai Dharamjibhai, Village Rampur, Tal Vallabhipur,

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 1545, 1546, Ghogha Circle registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jitendra Bhogilal Thakkar: Plot No. 37A-2, Hariala Plot, Behind Gandhi Sruti, Bhavnagar.

(Transferor(s)

(2) Promoter of Shri Sainath Coop, Hsg. Society; Dhirajlal Maganlal Patel; Plot No. 1079, Mochi Nivas, Krishnanogar, Bhavnagar.

(Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2026 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd. No. 6, Sheet No. 173, C.S. No. 1670-A-4, situated at Hariala Plot, Krishnanagar, Bhaynagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhaynagar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd, No. 6, Sheet No. 173, C.S. No. 1670-Λ-4, Krishnanagar, registered in November, 1981,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2025 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. Wd. No. 6, Sheet No. 173 C.S. No. 1670-A2 situated at Plot No. 37-A-2-C, Krishnanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhavnagar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—206CI/92

(1) Sharadkumar Bhogilal Thakkar; Plot 3/-A-2, Hariala Plot, Behind Gaudhi Smrati, Bhavnagar,

(Transferor(s)

(2) Promoter of Shrisainath Coop. Hsg. Society Ltd.
Dhirajlal Maganlul Patel;
Plot 1079, Morchi Nivos, Krishnanagar,
Bhavnagar.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 6, Sheet No. 173, C.S. No. 1670-A-2, Plot No. 37-A-2, registered in Nov. 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2024 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wd. No. 6, Sheet No. 173, C.S. No. 1670-A-3

situated at Plot No. 37-A-2-C, Krishnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfers of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Bharatkumar Bhogilal Thakkar;
 Plot 37-A-2, Hariala Plot, Behind Gandhi Saruti,
 Bhavnagar.

(Transferor(s)

(2) Partner of Shri Sainath Coop, Hsg. Society Ltd. Shri Dhimjlal Maganlal Patel; Plot No. 1079, Mochi Nivas, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 6, Sheet No. 173, C.S. No. 1670-A-3, Plot No. 37A-2-C, registered in Nov. 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedahad.

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2023 Acq.23-I/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. S. No. 1011, 1010, 1015, Vejcpar, Tal. Morvi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfrreed under the Registeration Act, 1908 (16 of (908) in the office of the Registering Officer Morvi on Nov 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Satvara Rambhiben Ramii; Satvara Shivii Ramji; Satvara Ramesh Ramji; Satvara Pravin Ramji; Street No. 9, Vejepar, Tal. Morvi.

(Transferot(s)

(2) 1 Patol Keshavji Parsottam Morvi.

2. Patel Parsottum Pitamber Barvala; Patel Vashram Keshavji;
 Patel Kanji Mulji old Ghatila;

5. Ramji Parsottam Bervala;

Dhirajlal Mohanlal Morvi. 7. Premji Keshavji & others; Pirpur, Tal. Morvi. (Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vajepar S. No. 1011, 1010, 1015 registered in Nov. 1981.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2022 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 705-A & B, Jam Society, situated at Dairy Road, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Bhavnagar on Nov. 1981

transfer with the object of :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afortsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) I. Shri Vasantrai Dahyalal Sheth; 1044/B, Don area, Bhavnagar.

 Smt. Manharben Jamnadas Sheth; 1044/B, Don area, Bhavnagar.

(Transferors)

(2) President: Rameshchandın Dahyalal Sheth; Shripal Apartment Coop. Hsg. Society Ltd., Maniar Sheri, Vora Bazar, Bhavnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 705-A & B, Jain Sosciety, registered in Nov. 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/116. -Whereas, 1 ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot in Shastri Nagar Amritsar situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chand Kumar, Darshan Kumar Ss/o Hans Raj

(Transferors)

(2) Sh. Sham Singh s/o Karam Singh r/o Sawank Mandi, Gali Jammuwali Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/6th share in plot No. 33 (area 575 sq. yds.) situated on race course road (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1/806 dated 4-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAK

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/117.—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. One plot in Shastri Nagar

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : - ·

(1) S/Shri Chand Kumar, Darshan Kumar ss/o Hans Raj r/o Beri Gate Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Singh s/o Sham Singh r/o Sawank Mandi Gali Jammuwali Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in plot No. 33 (area 575 sq. yds) situated on race course road (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17807 dated 4-1-82 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/118.-Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot in Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S/Shri Darshan Kumar Chand Kumar ss/o Hans Raj r/o Beri Gate Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Jatinder Kaur w/o Sh. Bhagwan Singh, r/o Sawank Mandi, Gali Jammuwali, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in plot No. 33 (measuring 575 sq. yds.) situated in Race Course Road, (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17808/dated 4-1-82 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritear

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 28-6-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82/83/119.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Shastri Nagar Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Nov., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Hiralal, Kashmiri Lal Ss/o Sh. Hans Raj r/o Beri Gate Amritsar.

(Transferor)

(2) Snit, Jaswinder Kaur w/o Paramjit Singh r/o GGali Jammu Swank Mandi Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.6th share in plot No. 33 measuring 575.5 sq. yds situated in Race Course Road, Amritsar (Shastri Nagar) as mentioned in the sale deed No. 15700 dated 23-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-6-82

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/120,-Whereas, I ANAND SINGH

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Shastri Nagar

situated at Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

29-206GI/82

(1) Sh. Hira Lal Kashmiri Lal Ss/o Hans Raj r/o Bert Gate Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Singh S/o Sham Singh Swank Mandi Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in plot No. 33 measuring 575.5 situated in race course Road (Shastri Nagar) Amritsar a mentioned in the sale deed No. 15701/dated 23-11-81 of the registering authority Amritagr.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-6-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/121.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Shastri Nagar. ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at SR Amritsar on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

(1) Hira Lal Kashmiri Lal Ss/o Hans Raj r/o Beri Gate Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh s/o Sham Singh r/o Gali Jammu Wali Swank Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may, be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in plot No. 33 (measuring 287.7 sq. yds) situated in Race Course Road, (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15698 dated 23-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-6-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1982

Ref. No. ASR/82?83/122.—Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one Plot of land on Maqbul Road situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at ASR Amritsar on Nov 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Rajinder Singh Nagi S/o S. Harnam Singh r/o Mohan Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shmt. Avtarjit d/o Sh. Harbans Singh r/o 20-Sant Avenue The Mall, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

 (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with one garage type room (272 sq. yds) situated in Tungbala Urban area Abadi Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale dede No. 15971/dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-7-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/123.—Whereas, I ANAND SJNGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One-plot of land Maqbul Road situated at Basant Avenue ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Charanjit Singh s/o S. Khajan Singh r/o 506 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Sawaran Singh Bamrah s/o Sh. Sadhu Singh, Smt. Avtar Iit Kaur d/o S. Harbans Singh r/o 20-Sant Avenue, Amritsar.
 - (Transferce)
- *(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with one garage type room (1042 sq. yds.) situated in Tungbala area (Basant Avenue) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15972 dated 27-11-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, (IRS)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/124.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land on Maqbul Road situated in Basant Avenue ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Singh Nagi s/o S. Harnam Singh r/o Mahan Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

(2) Smt. Avtarjit Kaur d/o Harbans Singh r/o 20, Sant Avenue, Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occuntion of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with one garage type room 272 sq. yds.) situated at Tungbala area Abadi Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18251 dated 11-1-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Seal:

Date: 3-7-82

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/125.—Whereas, J ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One lot of land at Maqbul Road situated at Basant Avenue, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Dec, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rajinder Singh Nagi s/o S. Harnam Singh rao Mahan Singh Road, Amritsar.
 - (Transferee)
- (2) Smt. Avtarjit Kāur d/o S. Harbans Singh r/o 20, Sant Avenue, Amritsar.
- *(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with one garage type room (272 sq. yds.) situated in Tungbala area Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16157 dated 2-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-7-82

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/126.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land on Maqbul Road, ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajinder Singh Nagi s/o Sh. Harnam Singh r/o Mahan Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

(2) Smt: Avtarjit Kaur d/o S. Harbans Singh r/o 20, Sant Avenue, Amritsar.

Transferce(s)

- *(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occuation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with one garage type room (272 sq. yds.) situated in Tungbala urban area Abadi Bosant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18998 dated 25-1-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-7-82

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF NCOME IAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/127.—Wheeras, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Rani Ka Bagh ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on Nov, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

- (1) Smt, Salwinder Kaur w/o Sh, Sukhdev Singh r/o Dalam teh. Ajnala Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Gurdeep Singh Wadala s/o Sh. Lachhman Singh r/o Wadala Bhitewad Teh. Amritsar now Kothi No. 25 Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at sr. No, 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occuation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a plot measuring 360 sq. yds. situated in Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15997 dated 30-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-7-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/128.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. one kothi No. 189 in Shivalacolony situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
-206GI/82

(1) Shri Baldev Raj S/o Kishan Chand, r/o Katra Jaimal Singh Amritsar.

(Transferor)

12) Sh. Surjan Singh a/o Sh. Dhan Singh r/o Amritsar, Sultanwind.

(Transferee)

(3) As at St. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whim the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One incomplete kothi bearing No. 189 situated in Shivala colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15636 dated 20-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-7-82

Seal;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/129.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot in Daya Nand Nagar, situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satinder Kaur w/o Dr. Sukhpal Singh s/o Sewak Singh r/o 169 Bhawani Nagar Majitha Road, Amritsar.
- (2) Shri Surinder Kumar Jain s/o Tarlok Chand Jain r/o 26 Lawrance Road Amritsar, partner in firm M/s Oswal Shawls, Gokal market No. 1, Guru Bazar Amritsar.

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested) in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in plot of land measuring 309 sq. yds. situated in Daya Nand Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15998 dated 30-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/130.—Whereas, I, ANAND SINGH 1RS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a sair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot n Vijay Nagar ASR situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Joginder Singh r/o Nagoke Tch Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kour d/o Sh. Resham Singh r/o Vijay Nagar Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 plot of land measuring 322 sq. yds situated in Vijay Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15417 dated 17-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/131.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land in Vijay Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Joginder Singh r/o Nagoke Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur d/o S. Resham Singh r/o Gali No. 5, Vijay Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot of land measuring 322 sq. yds. situated in Vijay Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15320 dated 16-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsan

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/132.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
One plot in Rani Ka Bagh ASR, situated at Anritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shalwinder Kaur w/o S. Sukhdev Singh r/o Dalam Teh. Ajnala Distt. Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Gurdeep Singh s/o S. Lachhman Singh r/o Kothi No. 25, Rani Ka Bagh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenent(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot of land measuring 360 sq. yds. situated in Abadi Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16066 dated 2-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritear.

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore, the 1st July 1982

C. R. No. 62/32453/81-82/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 53, St. Albans situated at White Field, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Desmond Victor Herbert Derek Tom, Xavier Lawrence Denis R. Lawrence.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Ranjit Suman Ranjit 13/1, Rhenius Street Bangalore-25.

(Transferee)

(3) Transferor

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4460 dated 9-11-81] St. Albans situated in S. No. 53, Whitefield, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-7-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001,

Bangalore, the 5th July 1982

C. R. No. 62/32784/81-82/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 8/15 (a Portion) situated at Cambridge Road, Bangalore-560008

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar Doc. No. 2599 on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. A. Krishna Murthy No. 11, Osborne Road, Bangalore-560042.

(Transferor)

(2) Shri C. M. Ibrahim C. M. Siddique B-6, Jayamahal Extension Bangalore-6.

(Transferee)

(3) St. Mccra's School
Ulsoor, Bangalore-560008.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2599 dated 23-11-81]
Portion of the premises bearing No. 8/15, Cambridge Road, Bangalore-560008.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-82.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 6th July 1982

Ref. L.C. No. 587/82-83.—Whereas I, P. J. THOMAS-KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Shertalli

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shertallai on 11-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-te-Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Smt. Mariakutty Alexander
 Sri Alexander Joseph Puluruthykariyil House, SMC. 22, House No. 350, Shertallai
 Sri Alexander Mathew, Puluruthykariyil House, SMC. 20, Shertallai. (1) (1)

(Transferor)

(2) Sri Mathew Paul Punnachalil House. Vadakkum Muri, Shertallai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30 cents of land with a building in Sy. No. 233/22A of Shertallai North village.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-7-82

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Atish Chandra Sinha.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kr. Jalan and 2 others.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferce)

NOTICE UNDI'R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

kef. No. TR-245/81-82/Sl. 633 IAC Acq. R-I/Cal,---Whereas, I K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

227/2, situated at Acharya Jagadish, Chandra Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hte following persons, namely ;—31--206 GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in partly one and partly two storcycd building with land 32K 15Ch more or less situated at premises No. 227/2, A.J.C. Bose Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 9752 on 28-11-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Calcutta
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 5-7-1982.

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Indrajit Sinha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Killa & ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. No. TR-240. 81-82/Sl.634 IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7/1, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 30-11-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sect

1-1-5-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this position in the Official Gazette or a period of

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring an area of 7K 12Ch of southern portion of premises No. 7/1, Lord Sinha Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 9776 on 30-11-81.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Date: 5-7-1982

FORM ITNS----

(1) Nadir Theatre Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Elite Theatre & Investment Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. No. TR-122/81-82/S1.635 [AC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 136 situated at Surendra Nath Banerjee Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar. Bombay on 18-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 136 Surendra Nath Baneriee Road. Calcutta on land measuring 19K 15Ch 37 sft. registered before the Sub-Registrar, Bombay vide Deed No. R-1823/81 on 18-11-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 5-7-1982.

Seal

FORM I.T.N.S .--

(1) The Green View Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Pradip Ranjan Guha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. No. 1109/Acq. R-III/82-83.--Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 (Flat No. 7-SE) situated at Dr. Meghnad Sana Sarani, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-SE on seventh floor at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 5-7-1982,

seat:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Gobin Chand Dhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Sekhar Nevatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-III.

CALCUITA
Calcutta, the 5th July 1982
Ref. No. 1107/Acq.R-III/82-83.—Whereas I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, situated at Bentinck Street, Caicutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other vassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 12K 8Ch 31 sft. with building being premises No. 76 Bentinck Street, Calcutta.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 5-7-1982.

(1) Sri Gorak Chand Dhur,

(2) Shri Shiv Kumar Nevatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. No. 1108/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 76 situated at Bentinck Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 12K 8Ch 31 sft. with building being premises No. 76, Bentinck Street, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date > 5-7-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. No. AC-13/Acq.R-IV/Cal/82-83.---Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17 situated at Jamir Lane, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagwati Debi Jajodia W/o Lakhi Prosad Jajodia, 5/4, Rajnarayan Biswas Lane, Calcutta-5.

(Transferor)

(2) 1. Fukiruddin Ahmed,

Sk, Kabir Hussain.
 Mohanmed Hussain.

All of P-2, Surwardy, Avenue, Calcutta-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land—73.79 kts. Address—17 Jamir Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah. Deed No. 9411 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,

KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 2pd July 1982

Madras-600 006, the 2nd July 1982

Ref. No. 48/November/81.—Whereas, I S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. Nos. 2295/1, 2295/2, situated at 2299-A, 2299-B and 2,300, Vadasery, Agastheeswaran Tk, Kanyakumari Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vadasery on 15-11-1981,

(Document No. 1260/1981),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. In
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. K. Sankaranarayanan, Accounts Officer, Shopana Bhavan, Sankar Nagar, Karamanai, (Trivandrum City).

(Transferor)

(2) Shri K. S. Paripoornam, Advocate, Ananda Bhavan, Ammankovil Street, Frnakulam (Kerala).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Paddy fields in S. Nos. 2295/1, 2295/2, 2299-A, 2299-B and 2300, Vadasery village, Agastheeswaram Tk. Kanya-kumari Dt.—Document No. 1260/1981).

S. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING JIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1982

Ref. No. 50/November/81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 500/3, Rajaji Colony, situated at Athur Town, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athur (Salem Dt.) on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---32---206 GI/82

S. Angamuthu,

S/o Shri Subbu Naicker.

2. Mr. Periasamy

S/o Shri S. Angamuthu.

3. Mr. Ramalingam, 4, Mr. Ramachandran,

Mr. Gunasekaran,
 Mr. Selvarangam

Sons of S. Angamuthu.

Mrs. Vijavalakshmi, W/o Mr. S. Angamuthu,

Minors Kumaresan,

9. Revathy,

10. Minor Shanmugam, 11. Minor Dhanasekaran Mr. Sathiamurthy, All are residing at Athur, Salem District.

(Transferors)

(2) Shri K. R. Duraisamy, S/o Shri Ramasamy Pillai, Keeripatti (Salem Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the oforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. No. 500/3, Rajaji Colony, Athur, Salem District-Document No. 1933/1981).

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-6-1982.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING UND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1982

Ref. No. 62/November/81.—Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 24/2 and 25 situated at Erumaipalayam village, Salem Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem on 25-11-1981,

(Document No. 7550/81),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri P. Narayana Pillai, S/o Shri Perianna Pillai, No. 3, Veerasai Nandavanam Street, Gugai, Salem-6. (Transferor)

(2) Shri R. Rukmangathan, S/o R. Ramasamy Naidu, Narasingarampettai, Anakapalli, Vizagapattinam, (Andhra Pradesh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural lands at S. No. 24/2 and 25, Erumaipalayam village, Salem Tk.—Document No. 7550/1981),

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-(KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1982

Ref. No. 43/November/81.—Whereas, 1 S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S.F. No. 61-B, situated at Pothanur village in Namakkal Taluk, Salem Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Velur (Salem) on 14-11-1981,

(Document No. 1571/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri K. Shanmugam, S/o
 Shri K. V. Karuppa Pillai,
 Bajana madam Street, Pothanur (Namakkal Tk.).
 - 2. Shri K. S. Chenguttuvan, S/o Shri K. Shanmugam, Bajana Madam Street, Pothanur (Namakkal Tk.—Salem Dt.). (Transferor)
- (2) Minors Shanmugam, Chandrasekaran and Elavarasan, Represented by father and Guardian Shri S. P. Mariappan, Perianna Pillai Street, Pothanur (Namakkal Tk.—Salem Dt.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural lands in S.F. No. 61-B, Pothanur village, Namakkal Tk. Salem Dt.—Document No. 1571/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-6

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621. MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

> > Madras-600 006, the 9th July 1982

Ref. No. 73/November/1981.—Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 25-B, situated at Antony Moopanar Street, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. No. I. Madurai on 30-11-1981.

(Document No. 6563/1981),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) DIOCESE OF MADURA RAMNAD—CHURCH OF SOUTH INDIA, A.V.M. Building, No. 162, East Veli Street, Madurai-625 001.

(Transferor)

(2) Shri Narayanan Chettiar, Pandukudi village, Thiruvadanai Taluk, (Ramnad Dt.).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 25-B, Antony Moopanar Street, Madural—Document No. 6563/1981).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 9-7-1981.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1982

Ref. No. 11/November/1981.-Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Door No. 26, situated at Kumarasamypatti, Sankar

Nagar, Salem,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Salem on 13-11-1981,

(Document No. 7305/1981),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namley :---

(1) Shri K, V. Balraj and Shri K. V. Gopal Sons of Shri G. Venkatachalapathy Iyer, No. Bungalow Street, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri S. Baskar, S/o Shri S. Sambandam Chettiar, Door No. 71, C.C. Road, Dadubaikuttai, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 26, Kumarasamypatti, Sankar Nagar, Salem—Document No. 7305/1981).

S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-7-1982.

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1982

Ref. No. 40/November/81.—Whesrcas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, Door No. 75/1-W, (Saravana Theatre) at Avarampatti, Rajanalayam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajapalayam on 14-5-1982,

(Document No. 2796/1981),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjuna Raja, S/o Shri Nei Kondal Muthish Raja, 'Saravana Bhavanam Bungalow' West Raja Nagar, Sivakasi (Ramnad Dt.).

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramachandra Raja, 2. Shri Subramania Raja,

3. Shri Krishnamurthy Raja and

 Shri Alaga Raja, Madasamy Koil Street, Palayapalayam, Rajapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Cinema Theatre (Saravana Theatre) at Door No. 75/1-W. Avarampatti, Rajapalayam—Document No. 2796/1981]

S. LAHİRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-·TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

> > Madras-600 006, the 9th July 1982

Ref. No. 46/November/1981,--Whereas, I S. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 246/1, situated at Jahir Ammapalayam, Salem Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III, Salem on 18-11-1981,

(Document No. 4499/1981).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

- (1) 1. Smt. Thangammal,
 - Sint. Angammal, W/o Shri Rama Gounder,
 Shri Elumalai Gounder,

 - Shri Venkatachalam and
 - Shri Annamalai,
 - Jahir Ammapalayam, Salem Taluk (Salem Dt.)
- (2) Shri G. Chakrapani Chettiar and Shri S. sundaram, Jahir Ammapalayam, Salem Tk. (Salem Dt.). (Transforces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. No. 246/1, Jahir Ammapalayam village, Salem Taluk, Salem Dt.—Document No. 4499/1981).

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 9-7-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

> > Madras-600 006, the 9th July 1982

Ref. No. 47/November/1981.—Whereas, I S. LAHIRI, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 638/2, 638/1, situated at S. Nos. 639/9, 640/2, 638 4-A, 638 4-B and 634, Baithur Road, Athur (Salem Dt.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athur, (Salem Dt.) on October 1981,

(Document No. 1835/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Mr. A. Kandasamy, S/o Mr. Ardhanari Goundor,
 Mr. Palanichamy, S/o Mr. Ardhanari Gounder,
 Mr. Arumugham, S/o Mr. Ardhanari Gounder,
 Mr. Duraisamy, S/o Mr. Ardhanari Gounder,
 Mr. Balasubramani. S/o Mr. A. Kandasamy,
 Mr. Prabhaharan, S/o Mr. A. Kandasamy,
 Minors, Rathnavelu, Kennadi, S/o Mr. A. Kandasamy
- Kandasamy.

 8. Mr. Rajendran S/o Mr. Palanichamy,
 - 9. Mr. Elangovan S/o Mr. Balanichamy,
 - 10. Mr. Mahendran S/o Mr. Balanichamy,
 - 11. Mr. Asokan S/o Mr. Balanichamy, 12. Minor Karthi S/o Mr. Balanichamy.
 - Minor Ramesh S/o Arumagham,
 - Mr. Raja,
 - Kumar. 16. Minor Easwaran S/o Mr. Duraisamy
 - All are residing at Jothi Nagar, Athur (Salem Dt.).

(Transferor)

(2) Shri A. K. Thiruvengadam, S/o Shri Kolandalvel Udayar, Kamatchiamman Koil Street, Athur (Salem Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at S. Nos. 638|2, 638|1, 638|3, 640|2-B, 639|9, 638|4-A, 638-4-B & 464—Document No. 1835/

S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 9-7-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. 1.A.C.(ACQ/BPL/2695.--Whereas I, D. P. PANTA.

PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15A & 16A situated at Ganjipura. Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5th Nov. 81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-206 G1/82

(1) Shri Kapoor Singh Pawar, S/o Hiralal Pawar, Motor Stand, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandar Agarwal, S/o Ramkrishna Agarwal, C/o Hindustan Traders, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notite in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said are defined in Chapter XXA of the said in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15A & 16A of Ashirwad Market, Ganjipura, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. 4th Fllor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ/BPL/2696.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15B & 16B situated at Ganjipura, Jabalpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5th Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shii Kapoor Singh Pawar, S/o Hitalal Pawar, Motor Stand, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar Agarwal, S/o Ramkrishna Agarwal, C/o Hindustan Traders, Ashirwad Market, Jabalour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Shop No. 15B & 16B of Ashirwad Market, Ganjipura, Jabalpur.

D. P. PANTA Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4tn Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopa!.

Dated: 28-6-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ/BPL/2697.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nagar Nigam No. 469 situated at Uprenganj-Ward, Jabal-pur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 10-11-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harshwardhan, S/o Motilal Singhai, Napier Town Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Brajlal, S/o Kanji Bhai Girish Kumar, S/o Chunnilal Soni, R/o 526, Sarafa, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 469, situated in Uprenganj—Ward, Block No. 5, Plot No. 33,

D. P. PANTA Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ/BPL/2698.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 469, situated at Uprenganj Ward, Jabal-pur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 10th November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Harshvardhan, S/o Shri Motilal Singhai, Napier Town Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shii Kishor Kumar (2) Shri Niteen Kumar, \$/o Dalpatram Basa, Sarafa Ward, Jabalpur. (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 469 situated in Uprenganj Ward, Block No. 5, Plot No. 33.

(D. P. PANTA), Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-6-1982.

(1) Shri Harshwardhan, S/o Singhari Motilal Pawar Jain, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sunil Yadav, S/o Shri Hariprasudji Yadav, R/o Napier Town, Jabalpur. Sushil Yadav and Sanjay Yadav, Napier Town, Jabalpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1982

Ref. No. I.A.C. (ACQ)/BPL/2699.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2/2, 31 & 34/2 situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 5th November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 980/1, situated on Nazul Block No. 4, part of plot No. 2/2, 31 & 34/2.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-6-1982.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ/BPL/2700,—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 187 & 160/2 situated at Shastri Ward, Shanichara, Hoshangabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshangabad on 3rd Dec. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Revati Prasad Verma S/o (late) Shri Kundanlal Verma, Hoshangabad.

(Transferor)

(2) Shri Manukumar (minor) S/o Shri Kishanlal Tiwari, S/o Shri Hemraj Tiwari, Distt. Schore M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immovable
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Nazool Sheet No. 18, Plot No. 187 & 160/2 at Shastri Ward, Sanichara, Hoshangabad.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. 4th Fllor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ/BPL/2701.—Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 550, situated at Deviganj Road, Ambikapur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambikapur on 21st November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ramkali Devi, W/o Chetram Shukla, 2. Omprakash Shukla, 3. Santaprasad Shukla, 4. Smt. Santi Shukla, 5. Vinod Kumar Shukla, 6. Prem Prakash Shukla, 7. Vijay Kumar Shukla, R/o Deviganj, Ambikapar, Distt. Sarguja (M.P.).

(Transferor)

(2) Sardar Sravansingh S/o Manohar Singh, R/o Ambikapur, Distt. Sargunja (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House, situated in Deviganj Road, on the plot bearing Kh. No. 550 in Ambikapur, Distt. Sarguja (M.P.).

D. P. PANTA Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopai.

Dated: 2-7-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C. (ACQ) BPL/2702.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 551, situated at Satipara, Ambikapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambikapur on 21st November, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Smt. Ramkali Devi, W/o. (Late) Chetram Shukla, 2. Om Prakash Shukla, 3. Santaprasad Shukla, 4. Smt. Shanti Dubey, 5. Vinod Kumar Shukla, 6. Prem Prasad Shukla, 7. Vijay Prakash Shukla, R/o. Deviganj Road, Ambikapur, Distt: Sarguja (M.P.).

(Transferor)

(2) 1. Sardar Jasvir Singh S/o Sarvan Singh, 2. Sardar Jagdip Singh S/o Sarvan Singh, Kedarpur, Ambikapur, Distt: Sarguja (M.P.).

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot bearing Kh. No. 551 situated in Satipara, Ambikanur.

D. P. PANTA Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C. (ACQ)BPL/2703.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 550, situated at Deviganj, Ambikapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambikapur on 23rd Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—206 GI/82

- (1) 1. Smt. Ramkali Devi.
 - Shri Om Prakash Shukla.
 Shri Snataprasad Shukla.
 - 4. Shri Vinod Kumar Shukla.
 - 5. Shri Prem Prakash Shukla.
 - 6. Shri Vijay Prakash Shukla,

7. Smt. Santa Dubey,

R/o Deviganj Road, Ambikapur.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Kaur, W/o. Sarvansingh, Ambika-pur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 550 situated in Devigani, Ambikapur (Sarguja).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C. (ACQ)/BPL/2704.—Whereas 1. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 705, situated at Chirhuldih ward, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Raipur on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Binni Bai, D/o Ghutru, R/o Purani Basti, Raipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Padamchand, S/o Bagtawarmal, R/o Mahasamud, Distt. Raipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot bearing Kh. No. 705, situated in Chirhuldil Ward, Raipur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C. (ACQ)BPL/2705.—Whereas J. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kasara No. 646/1, situated at Chirhuldih Ward, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6th November, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Binni Bai, D/o Ghutru, R/o Purani Basti, Raipur.
- (2) Shri Dilip Kumar S/o Mulchand, R/o Mahasamud, Raipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot bearing Kh. No. 646/1 situated in Chirhuldih Ward, Raipur.

D. P. PANTA Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ)BPL/2706.—Whereas I, D, P. PANTA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kasara No. 646/1, situated at Chirhuldih Ward, Raipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Binni Bai, D/o Ghutru, R/o Purani Basti, Raipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar S/o Dharamchand, R/o Mahasamud, Distt. Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot Kh. No. 646/1, situated in Chirhuldih Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. I.A.C.(ACQ)BPL/2707.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 646/1, and 705, situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 5th November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Binni Bai, D/o Ghutru, R/o Purani Basti, Raipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Kumar S/o Bagtawarmal, Mahasomud, Distt: Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot Kh. No. 646/1 and 705 situated in Chirhuldih Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. l.A.C. (ACQ)BPL/2708.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

646/1 and 705, situated at Chirhuldih Ward, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6th Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Binnı Bai, D/o Ghutru, R/o Purani Basti, Raipur.
- (2) Shri Mohanlal, S/o Bagtawarmal. (Transferor) R/o Mahasamud. Distt: Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Part of Plot Kh. No. 646/1 and 705 situated in Chirul-dih Ward, Raipur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 2-7-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 2nd July 1982

Ref. No. IAC(ACQ.)BPL/2709.—Whereas I, D, P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 34/2, situated at Ramaiyapara, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 28th November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) 1. Ramdulare Shukla S/o Kamtaprasad Shukla,
 - Shiv Sewak S/o Kamtaprasad Shukla,
 Smt. Mayadevi W/o Govind Prasad,
 R/o Ramayanara (Indian word) Landale
 - R/o Ramaiyapara (Indita ward) Jagdalpur. (Transferot)
- (2) Shri Devraj S/o Khiyamshi Shah, Near Jain Mandir, Jagdalpur.

(Transcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Ramaiyapara (Indira ward) Sheet No. 62, Plot No. 34/2, Jagdalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 2-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JUNE-1.

Pune-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli II/Nov. 81/732/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H Block, Plot No. 80A situated at MIDC Pimpri Industrial Area, Pune 411 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Haveli-II on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Palsons Plastic Industries Pvt. Ltd., 'Gayatri' 7-Suyog Colony, 464-A, Gokhale Road, Pune-16.

(Transferor)

(2) M/s, Miniature Electricals, A-80, H-Block, M.I.D.C. PIMPRI, Pune-411 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 80A, H-Block, situated at M.I.D.C. Pimpri Industrial Area, Pune-411 018.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 6249 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNF-1

Punc-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Nov 81/738/82-83,—Whereas, I.R. K. AGGARWAL,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 61 (1/3rd share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagle Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Ichalkaranji on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—206 GI/82

(1) Shri Kalgonda Mhadgonda Patil, AT KABNUR, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolbapur.

(Transferor)

(2) Shri Shripati Ramchandra Vadinge & Sou, Pushpalata, Babasaheb Vadinge, H. No. 401, Ward No. 10, ICHALKARANH, Dist Kolhapur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 61 (1/3rd Share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2695 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji, in the month of Nov. 81).

R. K. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. 'Acquisition Range, Poona

Date: 8-7-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JUNF-1.

Punc-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Nov. 81/739/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ichalkaranii on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely:—

 Shri Kalgonda Mhadgonda Patil, AT KABNUR, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shii Ganpatrao Dyanoba Layker, H. No. 72, Ward No. 10, ICHALKARANJI, Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No 2699 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji, Dist. Kolhapur).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JUNE-1.

Pune-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Nov. 81/740/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale Dist, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalgonda Mhadgonda Patil, AT KABNUR, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Sudeep Anil Vadinge, M/G Smt. Sindhutai Anil Vadinge, H. No. 401, Ward No. 10, ICHALKARANJI, Dist. Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale. Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2696 in the office of the Sub Registrar, Ichal-karanji. in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-7-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Nov. 81/741/82-83,—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section

269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale Dist, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalgonda Mhadgonda Patil, AT KABNUR, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Bajrang Ramchandra Vadinge and Shri Manohai Ramchandra Vadinge, Ward No. 8, ICHALKARANJI, Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale, Dist. Kolbapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2697 in the office of the Sub Registrar, Ichal-karanji in the month of Nov. 81),

R. K. AGGARWAL.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poonal.

Date: 8-7-1982.

, Seal:

FORM I.T.N.S .---(1) Shri Kalgonda Mhadgonda Patil, AT KABNUR,

Tal. Hatkanagale, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JUNE-1.

Pune-1, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/CA5 SR. Ichalkaranji/Nov. 81 '742, 82-83... Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabaur, Tal. Hatkanagale Dist, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR, Jehalkaranji on Nov, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Babasaheb Shripatrao Vadinge. H. No. 401, Ward No. 10, ICHALKARANJI, Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 61 (1/6th share) situated at Kabnur, Tal. Hatkanagale, Dist Kolhapur.

Property as described in the sale deed registered under document No. 2698 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaratiji in the month of Nov. 81).

> R. K. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona.

Date: 8-7-1982

COTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 8th July 1982

G.I.R. No. J-60/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises No. 22-A on Plot No. 7/1 situate at George Town Extension Scheme, J. L. Nehru Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 27-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalyan Kumar Ghosh.

(Transferor)

(2) 1. Jogesh Sachdeo 2. Sumesh Sachdeo

(Transferee)

(3) Above vendor, Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period.
 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of premises No. 22-A, standing on plot No. 7/1, measuring 836 sq. mtrs. = 1000 sq. yds., situate at George Town Extension Scheme, J. L. Nehru Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5244, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabed, on 27-11-1981.

A. PRASAD.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-7-1982.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 8th July 1982

G.I.R. No. D-42/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Mohalla Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 13-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ashok Kumar Jain

- 2. Master Rahul through Attorney, Smt. Saroj Gupta
- 3. Smt. Kumud Jain
- 4. Smt. Beena Grover

(Transferor)

(2) 1. Shri Dinesh Chandra Jain 2. Shri Alok Kumar Jain

(Transferce)

(3) Above vendees. (Person in occupation of the pronerty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land measuring 664.65 sq. mtrs. situate at Mohalla Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6902, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 13-11-1981.

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-7-1982,

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 8th July 1982

G.I.R. No. J-61/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 44 (old) 58 (new) situate at Thornhill Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

- Shri Dibakar Acharya through Attorney & wife, Smt. Kheya Acharya.
 - 2. Smt. Deepa Acharya.
 - Shri Sanjay Acharya through Attorney & Mother, Smr. Deepa Acharya.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jogesh Sachdeo
 - 2. Shri Sumesh Sachdeo

(Transferee)

(3) Above vendors.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of house No. 44 (old) 58 (new), measuring 1254 sq mtrs, situate at Thornhill Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4967, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 12-11-1981.

A. PRASAD,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-7-1982,

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. AP No./3212.—Whereas, J, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-As Per Schedule situated at and bearing

Mall Road, Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer Kapurthala on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—206 GI/82

 Smt. Dan Singh Urf. Smt. Devika W/o Shri Brijindra Singh R/o Kapurthala through Shri Brijindra Singh R/o 27-Sunder Nagat, New Delhi.

(Transferor)

 S/Shri Joginder Singh, Jarnail Singh Ss/o Pal Singh,
 Nathuchal, Distt, Kapurthala.

(Transferce)

(2) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed N.o 2145 of November, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3213.—Whereas, I, J. I.. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As Per Schedule situated at and bearing No.

Mall Road, Kapurthala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sm!. Usha Devi W/o Harmindra Singh, R/o Kapurthala through Shri Brijindra Singh R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri D'na Nath s/o Phuman Ram and Roshan Lal s/o Shri Dina Nath and Vidya d/o Shri Dina Nath R/o Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person in occupation of the property)

 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2146 of November, 1981 of the Registreing Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-7-1982

Scal:

TORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP.TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982 Ref. No. A.P. No./3214.—Whereas, I,

J. I. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Dan Singh Urf Smt. Devika W.o Sh. Brijindra Singh R/o Kapurthala. through Sh. Brijindra Singh R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Deputy Anand, Judge Kumar Ss/o Sh. Navat Kishore and Neera Anand S/o Sushil Kumar R/o Vill. Sheikhu Pura, Kapurth In.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2149 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3215.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Dan Singh Urf. Smt. Devika W/o Sh. Brijindra Singh R/o Kapurthala through Sh. Brinjindra Singh, R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Ram W/o Sh. Sat Pal and Sh. Ashwani Kumar S/o Sh. Sat Pal R/o Moh. Malkana, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2150 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3216.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at

Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dan Singh Urf. Devika W/o Sh. Brijindra Singh R/c Kapurthala through Sh. Brijindra Singh, 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Gopal S/o Lahori Lal and Saroj Bala W/o Jai Gopal R/o Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2725 of December, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3217.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. As per Schedule

situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Dan Singh Urf Devika W/o Sh. Brijindra Singh R/o Kapurthala through Sh. Brijindra Singh, 27, Sunder Nagar, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Neelam Chopra W/o Sh. Ashok Chopra and Retoo Chopra W/o Sh. Ram Kumar R/o Kapurthala.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2730 of December, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982 .

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3218.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Hoshiarpu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tarsem Schgal S/o Amar Chand Ryo Model Town, Hoshiarpur G.A. of Avtar Singh. (Transferor)
- (2) Sh. Gurbachan Singh Plaha S/o Sh. Maluk Singh Plaha R/o Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.
 (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3283 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982

FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR
Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3219,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at

Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Phagwara on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Harshpal Singh S/o
 Sh. Surinder Singh
 R/o Satnam Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Karnail Singh S/o Sh. Sant Ram S/o Amb Distt. Una.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2030 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982 Seal:

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jakindhar, the 13th July 1982

Ref. No A.P. No /3220.--Whereas, 1, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely: - 37—206G_82

(1 Sh, Kailash Chand S/o Tek Chand C/o M/s Birbal Dass Tek Chand Mendi Fanton Ganj, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Sh. Anokh Singh S/o Sohan Singh, 1/o 3 A. New Gobind Garh, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No. 8 min, situate at Old Jawahar Nagar, Jalandhar (10 Mis.) as mentioned in the registeration sale deed No. 5124 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Jalondhar.

J. I. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhur.

Date: 13-7-1980

Scal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3221.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. As per Schedule

situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Ranbir Singh S/o Sh. Bahdur Singh through General Attorney Shri Deepak Khanna S/o Sh. Kahan Chand, near Sasta Iron Store, Nakodar Road, Jalandher.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh S/o Sh. Harnam Singh & Sh. Satish Kumar S/o Sh. Ram Chand and Balwinder Singh S/o Sh. Dyol Singh R/o Saidan Gate, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. & 3 Mls. situated in village Khurla as mentioned in the registeration sale deed No. 5009 of dated November, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-1982

Scal.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3222.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. '25,000/- and

bearing No. As per Schedule

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Kumari W/o Sh. Puran Mal Bal and Sh. Harish Bal S/o Sh. Puran Mal Bal R/o W.D. 325. Brandrath Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Dr. Balbir Singh S/o Shri Hari Singh, 235, Brandrath Road, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. W.D. 235 (Portion) situated at Brandrath Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 5087 of Nov. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-7-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3223.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Khurla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Balwinder Kaur Wd/o Sh. Kuljit Singh R/o 300, I. Model Town, Jalandhar. (Transferor
- (2) Sh. Mohinder Partap Singh S/o Sh. Gurdit Singh & Pritam Singh S/o Sh. Havela Singh, and Charanjit Singh S/o Beant Singh R/o 56, Brown Road, Ludhiana. (Transferec)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned know to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 18 Mls. situated in village Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 5157 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-7-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3224,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Sh. Kulbir Singh S/o Batten Singh R/o Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Alamjıt Singh S/o Inder Mohan Singh R/o Gali No. 4 Central Town. Jalandher.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 47 Marlas situated in Basti Danishmandan, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 5244 of Nov. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J, L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3225.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Kanwarjit Singh S/o Dr. Atma Singh, Kothi No. 9, Guru Nanak Nagr. near Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

- (2) Shri Mohinder Singh S/o Gopal Singh T/o Kothi No. 9, Guru Nanak Nagr. near Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 9 (Portion) situate at Guru Nanak Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 5388 of Nov. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

Date: 9-7-82

Scel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. Λ.P. No./3226.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nazar Singh S/o Hajura Singh R/o Kothe Warring, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Sh. Darshan Singh, Hardev Singh Ss/o Kartar Singh R/o Chanan Nagar, Faridkot Road, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 14 Kls. 7 Mls. situate in village Kotkapura as mentioned in the registration sale Deed No. 3288 of Nov. 81 of the Registering Authority, Faridakot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Islandhar

Date: 9-7-82

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SJONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3227.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. As per Schedule situated at V. Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Nawanshahare on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Siri Ram S/o Basant Ram R/o V. Rahon Teh. Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Sb. Gian Chand S/o Sh. Bhagat Ram V. Rahon Teh, Nawanshahar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2966 of November, 1981 of the Registering Authority Nawanshahar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-7-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3228.—Wherens, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. bearing No. As per Schedule

atuated at V. Rahon

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Nawanshahr on Nov 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

38--206GI/82

(1) Sh. Shi Ram S/o Basant Ram k/o V. Rahon Teh. Nawanshahr.

(Transferor)

(2) Sh. Hussan Lal S/o Bhagat Ram R/O V. Rahon Teh. Nawanshahm.

(Transferee)

(3) As S. Go. 2 above (Person in occupation of the property)

(.4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2969 of November, 1981 of the Registering Authority. Nawanshahr.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jafanahan

Date: 9-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

\COUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3229.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exce ding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Nangal Narain Garh, Distr. Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Kapurthala on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Smt. Santosh Kumari D/o Sh. Charanji Lal R/o Kapurthala. 1(1)

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Agricultural Farm, Kapurthala through Sh. Parveen Kumar Gupta, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S No 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. **(Person whom the undersigned** knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registeration sale dod No. 2212 of November, 1981 of the Registering Authority, Kanurthala

> J. L. GIRDHAR Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Jalandhar

Date: 9-7-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th July 1982

Ref. No. A.P. No./3230.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

bearing No. As per Schedule

situated at N. Nangal Naram Carh Distt. Kapurthala and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Nov. 1981

har an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property is afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Santosh Kumari D/o Sh. Charanji Lal R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Agricultural Farm R/o Kapurthala through Sh. Parveen Kumar Gupta S/o Sh. Gopal Dass R/o Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As S. (80. 2 above (Person in Occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2244 of November, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. 1.. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

µаtе . 9-7-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P.No./3231.—Whereas, I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therematter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Bhodipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tarlok Singh S/O Sucha Singh R/O Vill. Bhodipiwa Tchsil Rampura Phul. Distt, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Sukhdev Singh S/O Gurnam Singh R/O Vill. Bhodipura Tehsil Rampura Phul, Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 48 Kls. 17 Mls. situated in village Bhodipur tehsil Rampura Phul as mentioned in the registration sale deed No. 3407 of dated December, 81 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P.No/3232. Whereas, I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shrimati Harjit Kaur Wd/o Iqbal Singh, R/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shrimati Kuldip Kaur W/o Takhvinder Singh Bhullar, MLS Contractor, Opposite P&T Quarters, Civil Station, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 - "Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PURPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Plot I share of 1000 Sq. Yards situated at Bhatinda mentioned in the registeration sale deed No. 5036 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-7-1982

Scal:

FORM ITNS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A P.No/3233.—Whereas, I. J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described—in the schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Harjit Kaur W/o Lqbal Singh R/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Lakhvinder Singh Bhullar S/o Sadhu Singh, MES contractor, opposite P&T Quarters, Civil Station, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot 1 share of 1000 Sq. Yaids situated in Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 5115 of Nov. 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Jalandhat

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P. No./3234.—Whereas, I. J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jaittt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaitu in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- (b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Harbhajan Singh S/o Tarlok Singh R/o Patti Kamra, Juitu.
- (2) Shri Sonon Lal S/o Mela Ram & Ramji Dass, Roshan Lal S/o Phuman Mal, Rakesh Kumar S/o Sadhu Ram, R/o Chowk, i. Jairu.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 18 Kls. & 14 Mls situate in village Jaitu as mentioned in the registration sale deed No. 1456 of December, 81 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF "HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P.No/3235.— Whereas, I. J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurcharan Singh S/o Harbhajan Singh, R/o Patti Kamra, Jaitu.
- (2) Shii Sohan I al 5/o Mela Ram & Rumji Dass, Roshan Lal S/o Phuman Mal and Rakesh Kumar S/o Sadhu Ram, Chowk No J, Jaitu,
- (3) As 5. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (1) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sulf immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 13 Kls. 12 Mls. situate in V. Jartu as mentioned in the registration sale deed No. 1457 of December, 81 of the Registering Authority, lattu

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tak
Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-7-1982

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

, ACQUISITION RANGE, JAI.ANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P.No./3236.—Whereas, I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Bharat Bhushau S/o Vcd Raj, R/o Patti Kamra, laitu. (Transferor)
- (2) Shrimati Ant Kaur W/o Harbhajan Singh S/o Harlok Singh R/o Patti Kamra, Jaitu. (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property land measuring 16 Kls. 18 Mls. situated in V. Jaitu as mentioned in the registration sale deed No. 1458 of December, 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-7-1982

Scal:

39-206GI/82

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, 13th July 1982

Ref. No. A.P.No/3237.—Whercos, f, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rakesh Kumar S/o Hati Krishan R/o Patti Kamra, Jaitu. (Transferor)
- (2) Shri Paramjit Singh S/o Gurcharan Singh R/o Patti Kamra, Jaitu. (Fransferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 16 Kls. 18 Mls. situated in village Jaitu as mentioned in the registration sale deed No. 1459 of December. 81 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-7-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3238.—Whereas, I.J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Yash Paul S/o Hargobin Rai R/o Patti Kamra, Jaitu.
- (2) Shri Lakhvinder Singh S/o Gurcharan Singh R/o Patti Kamra, Jaitu.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetté.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 16 Kls. 18 Mls. situated in V. Jaitu as mentioned in the registeration sale deed No. 1460 of December 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3239.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, as per schedule situated at Jaitu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vinod Kumar S/o Shri Harbans Lal R/o Patti Kamra, Jaitu.
 - (Transferor)
- (2) Shri Baltej Singh S/o Shri Gurcharan Singh R/o Patti Kamra, Jaitu. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 16 Kls. 18 Mls. situated in village Jaitu as mentioned in the registeration sale deed No. 1461 of December 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3240.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bakhtaur Singh S/o Thola Singh R/o Patti Kamra, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Yash Paul S o Hargovin Rai, Vinod Kumar S/o Harbans Lal, Rakesh Kumar S/o Hari Krishan and Bharat Bhushan s/o Ved Raj C/o M/s R. V. Steel Rolling Mills, Jaitu.

(Transferee)

- (2) Shri Yash Paul S/o Hargovin Rai, Vinod Kumar (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propert land measuring 83 Kls. 4 Mls. situate at V. Jaitu as mentioned in the registeration sale deed No. 1504 of December 1981 of the Registering Authorit, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3241.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Sukhdev Kaur D/o Hardal Singh r/o V. Raja Khana, Tehsil Jaitu. (Transferor)
- (2) Shri Yash Pal S/o Hargobind Rai, Vinod Kumar S/o Harbans Lal C/o M/s R. V. Steel Rolling Mills, Jaitu. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b.) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 16 Kls. situated at Jaitu as mentioned in the registeration sale deed No. 1515 of December 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-7-1982

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3242.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in Nevember 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hari Chand S/o Om Parkash and Charanji Lal S/o Shri Paras Ram R/o Kapurthala of M/s Jai Jakshmi Rice Mills, Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Shakti Trading Co., Kapurthala through Shri Ram Lubhaya S/o Shri Amar Nath R/o Grain Market, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2225 of November 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3243.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala in Nevember 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Hari Chand S/o Om Parkash and Charanji Lal S/o Paras Ram R/o Kapurthala of M/s Jai Lakshmi Rice Mills, Kapurthala.

(Transferor)

- (2) M/s Shiv Shakti Trading Co., Kapurthala through Shri Paryeen Kumar S'o m Parkash R/o Grain Market, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above,
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2256 of November 1981 of the Registering Authority, Kapurthala,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No 3244,—Whereas, I. J. I., GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in Nevember 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said, to the following 40—206 GI/82

(1) Shri Hari Chand S/o m Parkash and Shri Charanji Lal S/o Paras Ram R/o Kapurthala of M/s Jai Lakshmi Rice Mills, Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s Shiv Shakti Trading Co. Kapurthala through Shot Subhasti Kumar S/o Piara Lal R/o Grain Market, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2261 of November 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITIO NRANGE, IALANDHAR

Jalandhai, the 15th July 1982

Ref. No. AP. No. 3245.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Dasuya Road, Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur, in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Parmeshri Dass S/o Phumbi Ram R/o Village Naloin, Hoshiarpur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Arun Kumar Dogra S/o Shri Ramesh Chander Dogra and Shri Mahesh Chander, Shri Rajesh Chander SS/o Shri Shadi Ram C/o M/s Ros in Factory, Dasuya Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person micrested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3282 of November 1981 of the Registering Authority, Hoshlarpur,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th July 1982

Ref. No. A.P. 3246.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Singh S/o Harnam Singh r/o Patti Kundo, Jaitu.

 (Transteror)
- (2) Shrimati Usha Rani W/o Rajesh Kumar, Imarti Devi W/o Dharam Pal and Raj Kumar Ramesh Kumar Ss//o Dharam Pal r/o Jaitu.

 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used belief as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 7 Kls. 18 Mls. situated in village Janu as mentioned in the registration sale deed No. 1327 of November 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-7-1982

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3247.—Wherens I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transfered for the purposes of the India Incometax Act. 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Nath Gupta S/o Dr. Ram Parshad Gupta, 1/0 Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Deviuder Mohan Advocate 8/0 Ram Paishad r/o The Mall, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. M.C. 2036 (1/6th share) s/a Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 5312 of November 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

1. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-7-1982

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3248.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Sangal Sohal,

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; .and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the toflowing persons, namely:—

(1) Shri Karan Singh S/o Jai Singh R/o V. Sangal Sohal, Teh. Jalandhar.

- (Transferor)
- (2) Shrimati Shashi Gupta D. o Madan Lal and Satish Kumar Gupta S/o Harbans Lal r/o Kothi No. 4, Mahanyii Marg, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land measuring 25 Kls. situated at V. Sangal Sohal as mentioned in the registration sale deed No. 5052 of November 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAK Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-7-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 14th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3249.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Labh Singh r/o E.R. 133, Pacca Bagh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh S/o Gurbax Singh R/o V. Gadai Pur Teh. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/4th share of building situated at Nehru Garden Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 5065 of November 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3250.—Whereas, 1, J. I., GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Initu in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Pritam Ram S/o Bansl Ram R/o Patti Kando,

(Transferor)

(2) A. R. Enterprises, Jaitu

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 11 Kls. 12 Mls. situated at Jaitu as mentioned in the registration sale deed No. 1368 of November 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Dates: 15-7-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3251.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jaitu,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferde to the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Ram S/o Bansi Ram R/o Patti Kando

(Transferor)

(2) A. R. Enterprises, Jaitu Chowk No. I, Rlv. Bazar Jaitu

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 11 Kls. 11 Mls, situated at laitage mentioned in the registration sale deed No. 1382 of 11/81 of the Registering Authority. Join

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Date: 15-7-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3252.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the freeme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Moga, S. No. 1972-A-I(P) situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moca - November 1981,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41--206 GI/82

 Shri Major Singh S o Shri Boota Singh r/o Moga Jit Singh, Moga.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh S/o Kishan Singh r/o Moga Jit Singh, Moga.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring K-M 16-0 situated in Purana Moga as mentioned in the registration sale deed No. 6114 of November 1981 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

of :--

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 5253.+ Whereas, I J. L.: GIRDHAR, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule, situated at Moga Mehla Singh Teh. Moga,

situated at Village Makarba Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Hardev Singh, Naginder Singh Harjodh Singh SS/o Shri Bhag Singh and Shri Gurbax Singh S/o Hardit Singh, Smt. Kartar Kaur Wd/o Hardit Singh R.'o Moga Mehla Singh Teh. Moga.

(Thansferor)

- (2) Shri Ashok Kumar S/o Roop Lal R o Moga. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned know; to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6372 of November 1981 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Rcf. No. A.P. No. 3254 -- Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Chak Hussaina, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in November 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Labhu Ram, Bhagta Ss/o Miya r/o V. Lama Pind Teh. Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Tarsem Singh, Surjan Singh, Nirmal Singh r/o V. Lama Pind, Teh, Jalondhar,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIIFDULE

Property land measuring 11 Kls. 6 Mls. situated in V. Chak Hussaina Tch. Jalandhar as mentioned in the registera-tion sale deed No. 5248 of November 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref. No. A.P. No. 3255.—Whereas, 1 J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Bhatinda on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amp Kumar, Rakesh Kumar Ss/o Chiranji Lal r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Gupta S/o Ram Chand C/o Shri Manohar Lal Gupta Advocate near Guru Nanak Club, Civil Station, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 share of Kothi No. 2013 situated at Mal Road, Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5321 of November 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1982

Ref., No. A.P. No. 3256.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer "h the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the kability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sudershan Vir Jain s/o Chiranji Lal r/q Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Gupta S/o Ram Chand C/q Manohar Lal Gupta Advocate, Civil Station, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 share of Kothi No. 2013 situated at Mall Road, Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5322 of November 1981 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1982 Seal: